स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

लखनऊ, सोमवार
2 फरवरी, 2026
फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष 1
सं. 2082 वि.
वर्ष 79, अंक - 164 पृष्ठ 12
संस्करण : नगर
मूल्य : 4 रुपये

स्वतंत्र भारत

epaper : epaper.swatantrabharat.net

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में पेश किया 53.47 लाख करोड़ से ज्यादा का बजट

रक्षा बजट में 15% का इजाफा

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बजट पेश कर दिया है। वे 85 मिनट बोलीं, लेकिन आम आदमी के लिए कोई बड़ा ऐलान नहीं किया। हालांकि टैक्स

- सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनाने की घोषणा
- 17 कैंसर मेडिसिन ड्यूटी फ्री

फाइल करने में सहूलियत, रेलवे प्रोजेक्ट और आयुर्वेदिक एम्स जैसी नई बातें कहीं हैं। बजट भाषण में कोई सीधा चुनावी ऐलान भी नहीं था। वे लोकसभा में तमिलनाडु की प्रसिद्ध कांजीवरम साड़ी पहनकर पहुंचीं जरूर, लेकिन इसी साल होने वाले पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी चुनाव पर सीधा असर डालने वाली घोषणाएं नहीं कीं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले बजट में सीतारमण ने जियो-पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही और देश का रक्षा बजट रु. 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर रु. 7.85 लाख करोड़ कर दिया। यानी कुल रक्षा में 15.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। रक्षा बजट की खास बात यह है कि इसमें हथियार खरीदी और आधुनिकीकरण पर पिछले साल के रु.1.80 लाख करोड़ के मुकाबले इस साल रु. 2.19 लाख करोड़ खर्च किए जाएंगे। यह पूंजीगत खर्च में सीधी 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। सरकार ने रविवार को 2026-27 के लिए रक्षा व्यय के रूप में 7,84,678 करोड़ रुपये आवंटित किए, जबकि पिछले वर्ष यह राशि 6,81,210 करोड़ रुपये आवंटित की गई थी। कुल पूंजीगत व्यय 2,19,306 करोड़ रुपये आंका गया है। राजस्व व्यय 5,53,668 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है, जिसमें पेंशन के लिए 1,71,338 करोड़ रुपये शामिल हैं। पूंजीगत व्यय के तहत विमान और एयरो इंजन के लिए 63,733 करोड़ रुपये अलग रखे गए हैं, जबकि नौसेना बेड़े के लिए 25,023 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। सरकार ने 2025-26 में रक्षा बजट के लिए 6,81,210 रुपये आवंटित किए थे। पूंजीगत व्यय 1,80,000 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था, जो संशोधित अनुमान चरण में बढ़कर 1,86,454 करोड़ रुपये हो गया। अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने असैन्य, प्रशिक्षण और अन्य विमानों के निर्माण के लिए आवश्यक घटकों और पुर्जों पर मूल सीमा शुल्क से छूट देने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने रक्षा क्षेत्र की इकाइयों द्वारा रखरखाव, मरम्मत या नवीनीकरण के लिए उपयोग किए जाने वाले विमान के पुर्जों के निर्माण हेतु आयातित कच्चे माल पर मूल सीमा शुल्क माफ करने की भी घोषणा की। इन दोनों फैसलों से रक्षा और अंतरिक्ष उद्योग को मदद मिलने की उम्मीद है।

केंद्रीय बजट 2025 में रक्षा यानी डिफेंस क्षेत्र के लिए कुल 6.8 लाख करोड़ रुपये के बजट का ऐलान किया गया था।

2024 में भारत का रक्षा बजट 6.21 लाख करोड़ रुपये था। ये राशि वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 4.79 प्रतिशत ज्यादा थी। तब कुल 5.94 लाख करोड़ रुपये बजट का आवंटन किया गया था।

बजट में रेलवे, विमानन और जल परिवहन क्षेत्रों के लिए कई बड़ी और दूरगामी घोषणाएं की गई हैं, जिनका उद्देश्य कनेक्टिविटी बढ़ाना, लॉजिस्टिक्स लागत कम करना और आर्थिक विकास को गति देना है। केंद्रीय बजट 2026 में रेलवे को लेकर एक अहम फैसला लेते हुए सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के निर्माण की घोषणा की गई है। इन कॉरिडोरों के जरिए देश के प्रमुख औद्योगिक और आर्थिक केंद्रों को तेज और आधुनिक रेल नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर इस प्रकार हैः मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी।

इसके साथ ही वित्त मंत्री ने घोषणा की कि अगले पांच वर्षों में 20 नए जलमार्ग चालू किए जाएंगे। इसकी शुरुआत ओडिशा के नेशनल वॉटरवे-5 से होगी, जो तालचेर और अंगुल जैसे खनिज-समृद्ध क्षेत्रों को कलिंगनगर औद्योगिक केंद्र और पारादीप व धमरा बंदरगाहों से जोड़ेगा। इससे पर्यावरण के अनुकूल और कम लागत वाले कार्गो मूवमेंट को बढ़ावा मिलेगा। अंतर्देशीय जलमार्गों को मजबूत करने के लिए वाराणसी और पटना में शिप रिपेयर और मेंटेनेंस से जुड़ा एक आधुनिक इकोसिस्टम विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही समुद्री विमान के लिए वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) योजना शुरू करने की भी घोषणा की गई है। बजट 2026 में छोटे और मझोले उद्योगों (एमएसएमई) के लिए सरकार ने 10 हजार करोड़ रुपए का ग्रोथ फंड लाने का ऐलान किया है। इससे उद्यमियों को अपने कारोबार के विस्तार में मदद मिलेगी। इसके अलावा, टेक्सटाइल सेक्टर को भी विशेष प्रोत्साहन देने की बात कही गई है, जिससे रोजगार और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि इंफ्रा रिस्क गारंटी फंड बनाया जाएगा और कोस्टल कार्गो प्रमोशन स्कीम लॉन्च की जाएगी। साथ ही, जलमार्ग क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए युवाओं को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि इस सेक्टर में कुशल मानव संसाधन तैयार किया जा सके।

मंत्रियों, मंत्रिमंडल सचिवालय और पीएमओ के खर्च के लिए 1,102 करोड़ रुपये का आवंटन

केंद्रीय बजट 2026-27 में मंत्रिपरिषद, मंत्रिमंडल सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) तथा राज्य अतिथियों के आतिथ्य और मनोरंजन पर होने वाले खर्च के लिए 1,102 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह राशि वित्त वर्ष 2025-26 के संशोधित अनुमान 978.20 करोड़ रुपये से अधिक है। रविवार को लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश बजट में वित्त वर्ष 2026-27 लिए मंत्रिपरिषद के खर्चों के लिए 620 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में यह राशि 483.54 करोड़ रुपये थी। यह प्रावधान मंत्रिमंडल के मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और पूर्व प्रधानमंत्रियों के वेतन, और अन्य भत्तों तथा यात्रा पर होने वाले व्यय के लिए है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 256.19 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 279.74 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। यह प्रावधान राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय के प्रशासनिक खर्चों और अंतरिक्ष कार्यक्रम को पूरा करने के लिए है। प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय के लिए 6 5 करोड़ रुपये तक आवंटित किए गए हैं, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 61.32 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।

आम बजट 2026 के महत्वपूर्ण प्रस्ताव

- वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूंजीगत व्यय बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपए
- इलेक्ट्रॉनिक मेन्युफैक्चरिंग के लिए 40,000 करोड़ रुपए का प्रस्ताव
- घरेलू उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए बनेंगे तीन रसायनिक पार्क, मेगा टेक्सटाइल पार्क
- सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के जरिये तैयार उपकरण एवं सामग्री के उत्पादन पर जोर
- MSME क्षेत्र में चैंपियन बनने के लिए कोष बनाने का प्रस्ताव
- ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे खनिज-समृद्ध राज्यों में लगेंगी रेयर अर्थ इकाइयां
- वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी माहौल बनाने के लिए कंटेनर विनिर्माण योजना का प्रस्ताव
- स्टील और सीमेंट जैसे क्षेत्रों के लिए 20,000 करोड़ रुपए का प्रावधान
- नेचुरल यार्न स्कीम एवं रोजगार योजना और राष्ट्रीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प कार्यक्रम का प्रस्ताव
- सरकारी वित्तीय संस्थानों को मजबूत करने के तहत REC, PFC के पुनर्गठन का प्रस्ताव।

बजट 2026-27 के सबसे बड़े बिंदु

एफएंडओ ट्रेडिंग पर एसटीटी बढ़ा शेयर बाजार के ट्रेडर्स के लिए बजट में झटका लगा है। सरकार ने फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) पर सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स (एसटीटी) बढ़ा दिया है।

विदेश यात्रा और पढ़ाई पर टीसीएस घटा

मध्यम वर्ग को बड़ी राहत देते हुए, सरकार ने विदेश यात्रा पैकेज और शिक्षा/चिकित्सा के लिए विदेश भेजे जाने वाले पैसे (एलआरएस) पर टीसीएस (टीसीएस) की दर को घटाकर 2 प्रतिशत कर दिया है। पहले यह दरें काफी ऊंची (5 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक) थीं।

इंफ्रास्ट्रक्चर पर रिकॉर्ड खर्च

सरकार ने बुनियादी ढांचे को मजबूती देने के लिए पूंजीगत व्यय का लक्ष्य बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये कर दिया है। वित्त वर्ष 2015 में यह मात्र 2 लाख करोड़ रुपये था, जो अब छह गुना बढ़ चुका है।

राजकोषीय घाटा का लक्ष्य

सरकार ने वित्तीय अनुशासन का पालन करते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी का 4.3 प्रतिशत तय किया है। वित्त वर्ष 2025-26 के संशोधित अनुमानों (आई) में यह 4.4 प्रतिशत आंका गया है। एसएमई के लिए रु.10,000 करोड़ का फंड छोटे उद्योगों को चैम्पियन बनाने के लिए तीन आयामी रणनीति अपनाई गई है। सरकार ने एक समर्पित रु.10,000 करोड़ का एसएमई ग्रोथ फंड बनाने की घोषणा की है। साथ ही, ट्रेड्स प्लेटफॉर्म के जरिए क्रेडिट गारंटी सपोर्ट भी दिया जाएगा।

शेयर बायबैक पर टैक्स नियम बदला

कंपनियों द्वारा शेयरों के बायबैक से होने वाली आय को अब शेयरधारकों के हाथों में कैपिटल गेन्स माना जाएगा और उसी हिसाब से टैक्स लगेगा।

इंडस्ट्री और इनोवेशन : सेमीकंडक्टर और बायो-फार्मा मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) 2.0 और बायो-फार्मा शक्ति (बायो फार्मा) जैसी नई योजनाओं का ऐलान किया गया है। साथ ही, रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट्स के लिए भी एक विशेष स्कीम लाई जाएगी।

कैंसर की दवाएं और कस्टम ड्यूटी

स्वास्थ्य सेवा को किफायती बनाने के लिए कैंसर के मरीजों के लिए 17 दवाओं और औषधियों को बेसिक कस्टम ड्यूटी (बीसीडी) से छूट दी गई है। इसके अलावा, सोलर ग्लास और लिथियम-आयन बैटरी के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले सामानों पर भी कस्टम ड्यूटी में राहत दी गई है।

विदेशी संपत्ति का खुलासे के लिए छह महीने का मौका

छोटे करदाताओं के लिए एकमुश्त विदेशी संपत्ति प्रकटीकरण योजना (फॉरेन असेट डिक्लरेशन स्कीम) लाई जाएगी, जो छह महीने के लिए खुली रहेगी। इसके अलावा, 20 लाख रुपये से कम की अचल विदेशी संपत्ति का खुलासा न करने पर अब मुकदमा नहीं चलाया जाएगा।

कृषि और मत्स्य पालन

मछुआरों को बड़ी राहत देते हुए भारतीय जहाजों द्वारा एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन (ईईजेड) में पकड़ी गई मछलियों पर ड्यूटी खत्म कर दी गई है। इसके अलावा, 500 जलाशयों और अमृत सरोवरों के एकीकृत विकास की योजना भी बनाई गई है। बजट 2026-27 स्पष्ट रूप से युवा शक्ति और उत्पादन क्षमता पर केंद्रित है। जहां एसटीटी में बढ़ोतरी से बाजार में उतार-चढ़ाव दिख सकता है, वहीं टीसीएस में कटौती और कैपेक्स में वृद्धि से अर्थव्यवस्था के पहियों को गति मिलने की उम्मीद है।

राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान

बजट अनुमान के अनुसार, 2025-26 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि 2026-27 में यह घटकर 4.3 प्रतिशत होने की उम्मीद है। सरकार का फोकस वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए विकास को गति देने पर है।

राज्यों को 1.4 लाख करोड़ की ग्रांट

बजट में राज्यों के लिए भी बड़ी घोषणा की गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2027 में राज्यों को 1.4 लाख करोड़ रुपए की ग्रांट दी जाएगी। वित्त वर्ष 2027 के लिए डेट-टू-जीडीपी रेश्यो 55.6 प्रतिशत, जबकि नेट बॉरोइंग 11.7 लाख करोड़ रुपए तय किया गया है।

शेयर बाजार में भारी गिरावट

वित्त मंत्री ने बजट भाषण के दौरान फ्यूचर्स और ऑप्शंस (एफएंडओ) ट्रेडिंग पर सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसएसटी) बढ़ाने का एलान किया। इससे शेयर बाजार में जोरदार बिकवाली देखने को मिली और सेंसेक्स व निफ्टी में तेज गिरावट दर्ज की गई। बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में करीब 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1546.84 अंक या 1.88 प्रतिशत गिरकर 80,722.94 अंक पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 495.20 अंक या 1.96 प्रतिशत गिरकर 24,825.45 अंक पर आ गया।

इनकम टैक्स में कोई बदलाव नहीं

केंद्रीय बजट 2026 पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने टैक्सपेयर्स के लिए कई अहम घोषणाएं कीं। उन्होंने बताया कि नए इनकम टैक्स एक्ट 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे और आयकर से जुड़े नियमों को पहले से अधिक सरल और पारदर्शी बनाया गया है। छोटे टैक्सपेयर्स के लिए एक नई स्कीम का भी प्रस्ताव रखा गया है, जिससे टैक्स अनुपालन आसान होगा। वित्त मंत्री ने ऐलान किया कि आईटीआर-1 और आईटीआर-2 दाखिल करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 31 जुलाई कर दी गई है। इससे लाखों वेतनभोगी और छोटे करदाताओं को बड़ी राहत मिलेगी। सरकार का कहना है कि फॉर्म को सरल बनाने के साथ-साथ टैक्स फाइलिंग की प्रक्रिया को भी डिजिटल और यूजर-फ्रेंडली किया गया है। वित्त मंत्री ने संसद को बताया कि सरकार ने 2021-22 में किया गया वादा पूरा कर लिया है।

ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है बजट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज का बजट ऐतिहासिक है। इसमें देश की नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिंब झलकता है। महिला वित्त मंत्री के रूप में निर्मला जी ने लगातार नौवीं बार देश का बजट प्रस्तुत कर नया रिकॉर्ड बनाया है। ये बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है। ये बजट वर्तमान के सपनों को साकार करता है। ये भारत के उज्जवल भविष्य की नींव को भी सशक्त करता है। ये बजट 2047 के विकसित भारत की हमारी ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है। आज भारत जिस रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है, इस बजट से उसे नई ऊर्जा और गति मिलेगी।

बजट में नए भारत व विकसित भारत की संकल्पना

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतरमण ने रविवार को केंद्रीय बजट प्रस्तुत किया। इस पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस बजट में नए भारत व विकसित भारत की संकल्पना साफ दिखती है। रेल कॉरिडोर, आयुष और हेल्थ सेक्टर को महिलाओं पर केंद्रित करके जोर देना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि छात्राओं या फिर कामकाजी महिलाओं के लिए, स्टैटिक्स से जुड़ी छात्राओं के लिए छात्रावास का निर्माण करना, युवाओं के सपने को नई उड़ान देने के लिए, हर सेक्टर में अवसर उपलब्ध हो, इसका ध्यान रखा गया है। सीएम ने कहा कि यह बजट आम नागरिक के जीवन को सहज और सरल बनाने में सहयोग करेगा। अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने में सहायक होगा।

विकसित भारत का गोल्डन रोड मैप

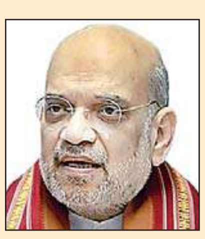

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना करते हुए इसे 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का रोडमैप बताया और अगले 25 वर्षों के लिए दिशा-निर्देश प्रस्तुत किए। एक्स पर एक पोस्ट में शाह ने कहा कि बजट यह दर्शाता है कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत का सपना केवल एक नारा नहीं बल्कि सरकार का दृढ़ संकल्प है।

सुधार से इंकार करने वाला बजट

कांग्रेस सांसद और नेता विपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए आम बजट की आलोचना करते हुए कहा है कि आज युवाओं के पास रोजगार नहीं है। किसान भी परेशान हैं। यह एक ऐसा बजट है, जो सुधार करने से इनकार करता है, भारत के असली संकटों से अनजान है। इससे पहले, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में केंद्रीय बजट 2026 को पेश किया।

आम आदमी का जिक्र है, न फिक्र : अखिलेश

केंद्रीय बजट प्रस्तुत होने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भाजपाई बजट आते ही शेयर बाजार धड़ाम हो गया। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, इस बजट में न आम जनता का जिक्र है न फिक्र। जब भाजपा सरकार से कोई उम्मीद नहीं है, तो उसके बजट से क्या होगी। हम तो भाजपा के हर बजट को 1/20 (एक बंटे बीस) का बजट मानते हैं क्योंकि वह 5 प्रतिशत लोगों के लिए होता है।

दिशाहीन, बंगाल के लिए कुछ नहीं : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे दिशाहीन बताया। केंद्रीय बजट 2026-27 दिशाहीन है, इसमें दूरदर्शिता का अभाव है और बजट में आम आदमी के लिए कुछ भी नहीं है।

‘संविधान के ठेकेदारों! तनिक होश में आओ’

नवकांत ठाकुर

नज़र और नज़रिया

चाणक्य नीति की नसीहत के मुताबिक ‘यो ध्रुवाणि परित्यज्य अध्रुवं परिषेवते। ध्रुवाणि तस्य नश्यन्ति चाध्रुवं नष्टमेव हि।।’ सामाजिक लोकोक्ति में इस श्लोक का भावार्थ यही है कि ‘आधी छोड़ पूरी को धावे, आधी रहे न पूरी पावे।’

लेकिन मसला है कि पूर्वजों की नसीहतों और समाज की समझाइश को उतना ही माना जाता है जितने से प्रत्यक्ष लाभ मिलता रहे। अलबत्ता जिस ज्ञान के अनुपालन में शांति, समरसता, संयम, संतोष, मर्यादा और अनुशासन की सीख छिपी हो उसकी अनदेखी कर देना ही लोग बेहतर समझते हैं। तभी तो महाभारत का युद्ध टालने के लिए पांडवों को सिर्फ पांच गांव देने का संधि प्रस्ताव लेकर आए भगवान श्रीकृष्ण को दुर्योधन ने ‘सूच्याग्रं नैव दास्यामि’ यानी सुई की नोक के बराबर जमीन देने से भी यह कह कर इनकार कर दिया कि ‘जानामि धर्मं न च मे प्रवृत्तिः, जानाम्यधर्मं न च मे निवृत्तिः।’ यानी महाभारत के महायुद्ध की वजह बनी अपनी मनमानी जिद के गलत होने की हकीकत दुर्योधन भी जानता था, लेकिन भरी सभा में उसने खुले तौर पर कहा कि उसकी धर्म में प्रवृत्ति नहीं है और अधर्म से निवृत्ति नहीं है।

काश, दुर्योधन जैसी ही साफगोई हमारे राजनेताओं में भी होती और वे खुल कर यह स्वीकार करते कि राजधर्म की अपेक्षाओं के विपरीत नीतियों पर अमल करना उनकी राजनीतिक विवशता है। यह राजनीतिक विवशता ही तो है कि विकास के नाम पर कन्विन्स करने के मुश्किल और दुरूह राह पर चलकर बहुमत जुटाने के बजाय जाति–धर्म के नाम पर कन्फ्यूज करके जनमत का अधिकतम ध्रुवीकरण करने की रणनीति अपनाई जाए। वह भी तब जबकि यह सर्वविदित तथ्य है कि जाति–धर्म की राजनीति ऐसी दो–धारी तलवार है जिसके इस्तेमाल में मामूली सी गलती भी आत्मघाती साबित हो सकती है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण मौजूदा राजनीतिक माहौल में देखा जा सकता है जिसमें परंपरागत मतदाताओं के हितों की उपेक्षा करके विरोधी खेमे के वोटरों को रिझाने की गलती का नतीजा ‘आधी मिले न पूरी पावे’ के तौर पर सामने आने से इनकार नहीं किया जा सकता।

लेकिन स्थिति यह है कि जान–बूझकर गलत कदम उठाने के बाद उसे सही बताने के लिए थेथरोलॉजी की इंतहा करने से भी गुरेज नहीं किया जा रहा है। तभी तो ‘मियां’ को पूरा मेहनताना नहीं देने की अपील करने वाले असम के मुख्यमंत्री विवाद बढ़ने पर गलती मानने के बजाय यह दलील देते फिर रहे हैं कि मियां मुसलमानों को नहीं बल्कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को कहा जाता है। इसी प्रकार माघ मेले में संतों पर लाठी भांजने, उनकी चुटिया पकड़कर घसीटने और शंकराचार्य को गंगा स्नान किए बिना ही वापस लौटने के लिए विवश किए जाने के प्रकरण में बड़प्पन दिखाते हुए गलती मान लेने के बजाय वैचारिक विरोधियों को कालनेमि बताते हुए समाज को उनसे सावधान रहने के लिए कहा जाता है। यहां तक कि सवर्ण समाज को अत्याचारी और अन्य सभी को पीड़ित मान कर बनाए गए यूजीसी के नए नियमों की विभाजनकारी सियासी हकीकत खुल कर सामने आ जाने के बाद भी उसे वापस लेने के बजाय उसका सार्वजनिक तौर पर उसका बचाव करते हुए आश्वस्त किया जाता है कि किसी को भी इसका दुरुपयोग नहीं करने दिया जाएगा।

बहरहाल, समाज को जाति और धर्म के नाम पर लड़ा–भिड़ाकर अपना सियासी उल्लू सीधा करने की जुगत भिड़ाने वालों से महावीर प्रसाद ‘मधुप’ के शब्दों में यही गुजारिश की जा सकती है कि– ‘संविधान के ठेकेदारो! तनिक होश में आओ / पद-लोलुपता की दलदल में मन को नहीं फँसाओ / तार-तार होने से माँ का आँचल आज बचाओ / चौतरफा जो आग लगी है पहले उसे बुझाओ।’

जैसी नज़र, वैसा नज़रिया।

ओडीओपी की तरह ओडीओसी को ब्रांड बनाने में आगे आयें बैंक : योगी

8 वर्षो में बैंकिंग व्यवसाय 12.80 से बढ़कर 32.79 लाख करोड़ पहुंचा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में कुल क्रेडिट डिपॉजिट (सीडी रेशियो) 62 प्रतिशत से अधिक करने का लक्ष्य रखा है। रविवार को राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी बैंक प्रतिनिधियों से सीडी रेशियो बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास करने के निर्देश दिये। जनपद-वार समीक्षा के अनुसार 40 प्रतिशत से कम सीडी रेशियो वाले जनपद घटकर केवल पाँच रह गए हैं, जबकि 40-50, 50-60 और 60-80 प्रतिशत की श्रेणी वाले जनपदों की संख्या में भी निरंतर सुधार हुआ है। मार्च 2018 में 40 प्रतिशत से कम सीडी रेशियो वाले 20 जनपद थे, जो अब घटकर 5 हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने बैंकों से आह्वान किया कि जैसे ओडीओपी को वित्तीय सहयोग मिला, वैसे ही ओडीओसी को भी प्राथमिकता देते हुए अधिक लोगों को ऋण उपलब्ध कराया जाए। सरकार प्रशिक्षण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग में पूरा सहयोग दे रही है, और इस मिशन को गति देने में बैंकों की भूमिका निर्णायक होगी। उन्होंने कहा कि अनावश्यक दस्तावेज़ों की मांग, बार-बार वेरिफिकेशन और प्रक्रिया में देरी जैसी स्थितियाँ लाभार्थियों को हतोत्साहित करती हैं। बैंकिंग प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जिससे आम नागरिक को वास्तविक सहूलियत मिले और पात्र लाभार्थी बिना किसी दिक्कत के योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने सभी बैंक प्रतिनिधियों से कहा कि किसान, सूक्ष्म,लघु, मध्यम उद्यम (एमएसएमई), स्टार्टअप, महिला स्वयं सहायता समूहों और नवउद्यमी युवाओं को ऋण उपलब्धता सरल, सम्मानजनक और समयबद्ध हो। उन जनपदों में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए जहाँ सीडी रेशियो 40 प्रतिशत से कम है, और कहा कि बैंकों को गाँवों को लक्षित कर मेगा ऋण मेले आयोजित करने चाहिए। हर माह जिला स्तरीय बैंकर्स कमेटी की बैठक सुनिश्चित करने के लिए मुख्य सचिव को निर्देशित किया। वित्तीय समावेशन अभियान जुलाई-अक्टूबर तक प्रदेश ने देशभर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और आठ प्रमुख सूचकों में से सात पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान ऊर्जा, कृषि, बुनियादी ढाँचा, उद्योग, एमएसएमई और एनबीएफसी सह-ऋण मॉडल सहित विभिन्न क्षेत्रों में 22,000 करोड़ रुपये से अधिक के बड़े ऋण स्वीकृत किए गए हैं। एक वर्ष में एमएसएमई दिवस, मुख्यमंत्री युवा कॉन्क्लेव, विश्वकर्मा जयंती, इंटरनेशनल ट्रेड शो और उत्तर प्रदेश दिवस जैसे कार्यक्रमों में बड़े पैमाने पर ऋण वितरण किया गया। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में 4.66 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 2.32 लाख को स्वीकृति और 2.07 लाख को ऋण वितरण किया गया। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में कुल 22.85 लाख आवेदनों के सापेक्ष 21.15 लाख को स्वीकृति और 20.72 लाख को ऋण वितरण किया गया है। किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत दिसंबर 2025 तक 50.82 लाख किसानों को 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सीमा स्वीकृत की गई। महिला स्वयं सहायता समूहों के बैंक लिंकिंग में 2.16 लाख समूहों को सहायता प्रदत्त की गई। बैठक में बैंक ऑफ बड़ौदा के कार्यकारी निदेशक लाल सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार की क्रेडिट गारंटी योजना ने बैंकों के लिए जोखिम कम किया है, जिससे ऋण वितरण की गति और बैंकिंग गतिविधियाँ दोनों बढ़ी हैं। उन्होंने सभी बैंकों से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, ओडीओपी तथा विश्वकर्मा श्रम सम्मान जैसी योजनाओं में अधिक से अधिक युवाओं और कारीगरों तक लाभ पहुँचाने की अपील की। भारतीय रिजर्व बैंक, लखनऊ के क्षेत्रीय निदेशक पंकज कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश का लगातार राजस्व अधिशेष में बने रहना बैंकिंग क्षेत्र के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस में तेजी से हो रहे सुधारों ने निवेश, उद्योग और ऋण मांग को मजबूत दिशा दी है।

न चलें ओवरलोड ट्रक, चालकों की हो स्वास्थ्य जांच

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य सड़क निधि प्रबन्धन समिति की बैठक में कहा कि सड़कें राज्य के आर्थिक विकास, निवेश आकर्षण, औद्योगिक विस्तार और जनसुविधाओं का आधार हैं। ओवरलोड ट्रक और डंपरों का संचालन पूरी तरह रोका जाए। साथ ही भारी वाहनों के चालकों की स्वास्थ्य जांच नियमित अंतराल पर कराई जाए, ताकि थकान या असावधानी से होने वाले हादसों को रोका जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक वर्ष अप्रैल अंत तक वार्षिक कार्ययोजना तैयार कर अप्रूव करा ली जाए। हेड-वाइज एलोकेशन शुरुआत से ही सुनिश्चित हो और जिन मदों में आंतरिक संशोधन की आवश्यकता हो, उसे समय पर अनुमोदित कराएं । सडक निर्माण में कास्ट कम लेकिन लाइफ ज्यादा, ऐसे नवप्रयोगों को अपनाया जाए। सड़क निर्माण और रखरखाव के दौरान सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन अनिवार्य होगा। समिति को निर्देश दिया कि बैठकें प्रत्येक वित्तीय वर्ष में कम से कम दो बार आयोजित की जाएं, ताकि प्रगति की नियमित समीक्षा हो सके। अधिकारियों को निर्देश दिया कि सड़क मरम्मत और नए निर्माण कार्य पारदर्शी, उच्च गुणवत्ता वाले और जनता को वास्तविक राहत देने वाले हों। वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना समयबद्ध रूप से पूरी कर उत्तर प्रदेश की सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर में प्रगति दर्ज करेगी।

शहरी निकायों की सुधरेगी सेहत म्युनिसिपल बॉंड बनेंगे आधार

100 करोड़ के इंसेंटिव से विकास योजनाओं को मिलेगी राहत

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। केंद्र सरकार ने बजट में म्युनिसिपल बॉन्ड की लेकर बड़ा ऐलान कर शहरी निकायों की आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। बजट प्रावधान के अनुसार यदि कोई नगर निगम 1000 करोड़ रुपये का म्युनिसिपल बॉन्ड जारी करता है तो केंद्र सरकार उसे 100 करोड़ रुपये का इंसेंटिव देगी। यह फैसला शहरी निकायों की वित्तीय सेहत सुधारने और उन्हें पेशेवर ढंग से काम करने के लिए प्रेरित करेगा। म्युनिसिपल बॉन्ड निकायों की मजबूत करने का औजार म्यूनिश्चिपल बॉन्ड दरअसल, शहरी विकास के लिए पूंजी जुटाने का आधुनिक माध्यम है। इससे नगर निगम सीधे बाजार से पैसा जुटाता है और उसे विकास परियोजनाओं में निवेश करता है। बदले में निवेशकों को तय ब्याज मिलता है और निकाय की साख भी मजबूत होती है। 7 साल पहले लखनऊ नगर निगम ने दिखाई थी राह लखनऊ नगर निगम ने करीब 7 वर्ष पहले 200 करोड़ रुपये का म्युनिसिपल बॉन्ड जारी कर प्रदेश में एक मिसाल कायम की थी। बॉन्ड जारी करने के बाद नगर निगम को केंद्र सरकार से 35 करोड़ रुपये और राज्य सरकार से 25 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता भी मिली। म्युनिसिपल बॉन्ड से मिली रकम का बड़ा हिस्सा बिजनौर रोड स्थित अडाना ग्रीन एनक्लेव योजना में लगाया गया। इस योजना पर कुल करीब 320 करोड़ रुपये खर्च हुए, जिसमें से लगभग 190 करोड़ रुपये नगर निगम ने बॉन्ड की राशि से निवेश किए। इसके अलावा कुछ रकम पेयजल पाइपलाइन बिछाने जैसे बुनियादी ढांचे के कार्यों में भी खर्च की गई। बॉन्ड से पहले सुधरी आंतरिक व्यवस्था नगर निगम के मुख्य अभियंता महेश वर्मा बताते हैं कि म्युनिसिपल बॉन्ड जारी करने से पहले निगम की थर्ड पार्टी ऑडिट कराई गई। इससे नगर निगम की आंतरिक कार्यप्रणाली सुधरी, अकाउंटिंग सिस्टम दुरुस्त हुआ और वित्तीय पारदर्शिता आई।

बजट पर प्रतिक्रियाएं

सामूहिक रूप से बजट को सुना और सराहा

कैम्प कार्यालय उत्तर मंडल-5 में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट का आनलाइन प्रसारण सुनने की व्यवस्था थी। इस मौके पर मंडल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता एक साथ प्रसारण सुनने के लिए उपस्थित हुए। इस मौके पर विधायक डा0 नीरज बोरा उत्तर विधान सभा, डा0 विवेक सिंह तोमर नगर उपाध्यक्ष, डा0 विमल सिंह क्षेत्रीय मंत्री, अवध क्षेत्र व मंडल अध्यक्ष संजय तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सबने बजट को जनता के अनुकूल एक विकासोन्मुखी बजट बताया। सभी ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को लगातार 9वीं बार संसद में बजट प्रस्तुत करने की ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी। मंडल अध्यक्ष ने बताया कि यह बजट विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करने वाला जनकल्याणकारी और आर्थिक प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर मंडल महामंत्री अक्षय मिश्रा, मंडल महामंत्री सी के वर्मा, दाताराम शुक्ला, राकेश पाण्डेय, सुशील सिंह, सौरभ त्रिवेदी, दिव्यांशी शुक्ला, मीरा पाण्डेय, पीयूष, विशाल रावत पूनम राय, लक्ष्मी कश्यप, बिन्दू श्रीवास्तव, जया पाण्डेय, सर्वेश सिंह, ख्याली राम, राजीव मिश्रा, प्रांशु तिवारी, विनय गुप्ता, कमलाकान्त द्विवेदी, धनराज मिश्रा, ओपी तिवारी मीडिया प्रभारी के अलावा मंडल-5 के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने किया बजट का स्वागत

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने केंद्रीय बजट में सात प्रमुख क्षेत्रों में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रमुख पहलों की रूपरेखा तैयार की गई है, साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर नए सिरे से ज़ोर दिया गया है। भारत को एक वैश्विक फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करना, पांच वर्षों में बायोफार्मा के लिए 100 बिलियन का आवंटन, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिल सकेगा। आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल ने कहा कि बजट की घोषणाएँ सभी क्षेत्रों में भारतीय अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य के विकास के प्रति एक मज़बूत प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। साथ ही सूक्ष्म उद्योगों के लिए प्रस्तावित ग्रोथ फंड, सामूहिक रूप से भारत के मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को मज़बूत करेंगे और सीधे स्वास्थ्य क्षेत्र को लाभ पहुँचाएँगे। परिसंपत्ति-समर्थित सुरक्षा के रूप में मान्यता, टियर-2 और टियर-3 शहरों पर ज़ोर, कॉर्पोरेट मित्र पहल, और क्षेत्र-विशिष्ट संरचनात्मक समर्थन पर जोर दिया गया है। उन्होंने मशीनरी और इक्विपमेंट के इंपोर्ट सब्स्टीट्यूशन को तेज करने के लिए और भी कड़े कदम उठाने की जरूरत पर जोर दिया, खासकर मेडिकल और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में, जिससे अभी काफी फॉरेन एक्सचेंज बाहर जाता है। अवधेश अग्रवाल ने कहा कि ये उपाय एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग में घरेलू क्षमताओं को काफी बढ़ाएंगे, पांच सालों में 22 नए जलमार्गों और भारत में कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग के लिए सुविधाएं स्थापित हो सकेंगी।

छोटे कारोबारों को मिलेगी मजबूती

होम क्रेडिट इंडिया के सीईओ विवेक सिंह ने बजट 2026 का स्वागत करते हुए कहा कि एसएमई ग्रोथ फंड और सूक्ष्म-उद्यम रिस्क कैपिटल जैसे उपायों से छोटे व्यवसायों को जोखिम पूंजी तक बेहतर पहुंच मिलेगी। इससे रोजगार, उपभोग और टियर-2 व टियर-3 शहरों में आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है।

बजट से अधिवक्ता निराश

समाजसेवी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता उच्च न्यायालय सुनील श्रीवास्तव ने केन्द्रीय बजट का स्वागत किया साथ ही अधिवक्ता दिवस पर 3 दिसबंर को अवकाश की दरकार अब तक बरकरार है। उन्होंने कहा कि तीन नए आयुर्वैदिक मेडिकल कॉलेज खोलने से एक नया आयाम स्थापित करेगी जो आयुर्वेदिक इलाज गरीब लोगों को भी काफी मददगार साबित होगी। साथ ही नारियल और बादाम के उत्पादन से किसानों की आय बढ़ सकती है। कोयला खदान में कॉरिडोर बनाना कर भी सराहनीय कदम है। डॉ राजेंद्र प्रसाद विकास समिति के अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव ने बताया कि महान श्रेष्ठ बजट में न्यायपालिका व अधिवक्ताओं के लिए कोई सराहनीय कार्य नहीं किया गया है। अधिवक्ताओं का टोल मुक्त ,अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू होना चाहिए था। वकीलों के परिवार का 10 लाख का बीमा तथा डॉ राजेंद्र प्रसाद के जन्म दिवस 3 दिसंबर को अधिवक्ता दिवस पर सार्वजनिक अवकाश सहित कई मांगे अर्से से लंबित है जिस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए।

विकसित भारत का फॉर्मूला

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल सहित पदाधिकारियों ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 को विकसित भारत का फॉर्मूला बताया। उन्होंने कहा कि बजट में उद्योगों, खासकर एमएसएमई के लिए ?10,000 करोड़ के विशेष फंड, एआई के उपयोग, ओडीओपी योजना, रोजगार सृजन, पर्यटन और खेलो इंडिया के जरिए युवाओं को बढ़ावा देने जैसे कदम सराहनीय हैं, जिससे विकास दर में तेजी आएगी।

व्यापारियों के लिए बजट में कोई प्रावधान न किए जाने पर जताया असंतोष

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल के तत्वाधान में बजट चर्चा कार्यक्रम का आयोजन हुआ। राजधानी के व्यापारियों, उद्यमियो, अर्थशास्त्रियों, चार्टर्ड एकाउंटेन्ट, महिलाओं एवं युवाओं ने एक साथ बैठकर वित्तमंत्री द्वारा पेश किए गए बजट का सजीव प्रसारण देखा तथा बजट पर चर्चा की। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने वित्त मंत्री द्वारा पेश किए गए बजट पर चर्चा करते हुए अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा आज का बजट शुष्क बजट के रूप में पेश हुआ है इसमें आम जनता एवं व्यापारियों के लिए सीधा-सीधा कुछ भी नहीं है आज वित्त मंत्री द्वारा पेश किए गए बजट में व्यापारियों के लिए कुछ भी नहीं था तथा चिकित्सा ,शिक्षा, युवा, महिला पर भी ठीक से ध्यान नहीं केन्द्रित किया गया। व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने बजट पर चर्चा करते हुए कहा वित्तमंत्री ने परंपरागत व्यापारियों की इस बजट में कोई चर्चा नहीं की तथा व्यापारियों को कुछ भी नहीं दिया। उन्होंने कहा वर्तमान में विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों के कारण देश का परंपरागत व्यापारी। बहुत परेशान है। देश को ई कॉमर्स पॉलिसी एवं रिटेल ट्रेड पॉलिसी की सख्त आवश्यकता है लेकिन वित्त मंत्री जी ने इस पर कुछ भी नहीं नहीं किया जो व्यापारियों को परेशान करने वाला है तथा उत्तर प्रदेश की भी चिंता बजट में नहीं की गई दक्षिण के राज्यों एवं समुद्र तट पर स्थित राज्यों पर पूरा फोकस किया गया। उन्होंने कहा व्यापारियों को 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा एवं जीवन बीमा दिए जाने की भी मांग थी। नगर अध्यक्ष हरजिंदर सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा व्यापारियों को भी स्वास्थ्य बीमा मिलना चाहिए था। महिला इकाई की नगर उपाध्यक्ष वर्तिका शुक्ला ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा महिला व्यापारियों की सुरक्षा के लिए बाजारों में सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने की योजना शुरू करनी चाहिए थी। बजट चर्चा कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अविनाश त्रिपाठी, प्रदेश कोषाध्यक्ष मो.अफजल, प्रदेश मंत्री संदीप सिंह गौड़, प्रदेश उपाध्यक्ष गुरप्रीत सिंह चड्ढा, नगर अध्यक्ष हरजिंदर सिंह, ट्रांस गोमती प्रभारी मनीष पांडे ट्रांस गोमती अध्यक्ष अनिरुद्ध निगम, महिला इकाई की उपाध्यक्ष श्रीमती वर्तिका शुक्ला ट्रांस गोमती अध्यक्ष अंजलि मोर्य, रितु सिंह, मीनू सक्सेना ,मोहम्मद आदिल ,नगर महामंत्री राजीव शुक्ला ,नगर महामंत्री मोहित कपूर ,नगर महामंत्री आशीष गुप्ता शाहिद बड़ी संख्या में व्यापारी ,चार्टर्ड अकाउंटेंट मौजूद रहे।

यूपी : आरटीई नियमों में बड़ा बदलाव

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी विद्यालयों में होने वाले प्रवेश के नियमों में बदलाव किया गया है। किराए के मकान में रहने वाले अभिभावकों के बच्चों को आरटीई के तहत प्रवेश नहीं मिलेगा। इसके लिए रजिस्ट्रार कार्यालय में घर का पंजीकरण जरूरी है। बच्चों के यूनिफार्म का पैसा सीधे अभिभावकों के खाते में अब निदेशालय स्तर से ही भेजा जाएगा। इसमें बैंक से आधार कार्ड का सत्यापन जरूरी है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत राजधानी में संचालित 1576 प्राइवेट स्कूलों में करीब 21000 सीटों पर प्रवेश के लिए 2 फरवरी से ऑनलाइन आवेदन शुरू होंगे। बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया आरटीई के तहत प्रवेश लेने वाले सभी बच्चों के दस्तावेज की ऑनलाइन कॉपी विभाग के वेबसाइट पर भी अपलोड होगी। संबंधित निजी स्कूल के प्रबंधक व प्रधानाचार्य यूजर आईडी के माध्यम से संबंधित बच्चों के दस्तावेज को चेक भी कर सकते हैं। इस पहल से आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के प्रवेश में पादर्शिता बनी रहेगी।

योजनाओं के नाम पर हो रहा भ्रष्टाचार : अविनाश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। लखनऊ के विधानसभा क्षेत्र सरोजनी नगर के नटकुर गांव में रविवार को आयोजित तीसरी संविधान संवाद महापंचायत में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं यूपी प्रभारी अविनाश पाण्डेय ने कहा कि भाजपा सरकारों में योजनाओं के नाम पर भ्रष्टाचार हो रहा है। आमजनों के हितों में कोई कार्य नहीं हो रहा है बल्कि सरकारें सिर्फ क्रोनी पूंजीवाद को बढ़ावा दे रही हैं।

अविनाश पाण्डेय ने कहा कि आज हजारों की संख्या में आप सब की मौजूदगी यह बता रही है कि आप संविधान में आस्था रखते हैं। मगर जिस मताधिकार का प्रयोग आप करते हैं, वोट चोरी के इस समय में यह कह पाना बहुत मुश्किल है कि आपके मत का सही प्रयोग हो रहा है या फिर नहीं। एसआईआर के नाम पर वोट चोरी कर इस देश के लोकतंत्र को खत्म करने का षड्यंत्र किया जा रहा है। महिलाएं डर कर जीवन जीने के लिए मजबूर है आए दिन उनके खिलाफ अत्याचार और अपराध हो रहें हैं और दुर्भाग्य है कि पुलिस अपराधों को रोकने के बजाए अपराधियों को संरक्षण दे रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि मनरेगा कानून जिसे एक्ट बनाकर मजदूरों को काम देने का प्रावधान किया गया था ऐसे जन कानून को भाजपा खत्म कर अपनी मजदूर और किसान विरोधी सोच का उजागर कर रही है। जमीनों को सस्ते दामों में पूंजीपतियों को दिया जा रहा है। मगर उनका फायदा वहां की स्थानीय जनता को नहीं मिल रहा है। जिला अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह बबलू ने कहा कि आप पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा स्कूटर इंडिया फैक्ट्री लगाई गई थी ताकि स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन हो सके मगर आज भाजपा सरकार ने उस फैक्ट्री की जमीन को हिन्दुजा ग्रुप को दे दिया है।

समावेशी विकास पर केंद्रित बजट

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला दूरदर्शी और जनकल्याणकारी बजट है।मंत्री कश्यप ने बताया कि बजट में कनेक्टिविटी, विनिर्माण क्षमता और क्षेत्रीय संतुलन पर विशेष ध्यान देते हुए विश्वस्तरीय और भविष्य के लिए तैयार बुनियादी ढांचे के निर्माण की दिशा में निर्णायक कदम उठाए गए हैं। इससे विकसित भारत के विराट लक्ष्य को मजबूती मिलेगी।उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के उद्देश्य के तहत घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन, ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करना, आयात निर्भरता में कमी, रोजगार सृजन, कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवाओं में व्यापक सुधार इस बजट की प्रमुख विशेषताएं हैं।

संत रविदास का संदेश इंसानियत और सामाजिक परिवर्तन का था, राजनीतिक स्वार्थ का नहीं

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती पर उन्हें शत्-शत् नमन करते हुए देश-दुनिया में रहने वाले उनके करोड़ों अनुयायियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि संत रविदास का प्रसिद्ध संदेश 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' आज भी उतना ही प्रासंगिक है, क्योंकि शुद्ध मन और नेक कर्म के माध्यम से ही व्यक्ति सच्चा सुख प्राप्त कर सकता है और समाज व देश का भला कर सकता है। संत रविदास ने अपना संपूर्ण जीवन इंसानियत, समानता और भाईचारे के लिए समर्पित कर दिया और जाति-भेद व द्वेष के विरुद्ध आजीवन संघर्ष करते हुए अमर हो गए।मायावती ने कहा कि संत रविदास के उपदेश धर्म की पवित्रता को समाज सेवा और जनचेतना से जोड़ते हैं। उनका संदेश इंसान और इंसानियत की भलाई के लिए था, न कि किसी राजनीतिक या चुनावी स्वार्थ की पूर्ति के लिए। उन्होंने कहा कि जब इस मूल भावना को भुला दिया जाता है, तब समाज में अमन-चैन, आपसी सौहार्द, भाईचारा और सुख-समृद्धि प्रभावित होती है। आज यह साफ दिखाई देता है कि अनेक लोग राजनीतिक स्वार्थ के लिए संतों को केवल प्रतीक के रूप में याद करते हैं, जबकि उनके वास्तविक संदेश और उपदेशों की उपेक्षा की जाती है।मायावती ने कहा कि आज के दौर में सरकारों की कथनी और करनी में गहरा अंतर है, जिसके कारण हर स्तर पर सुख-शांति और खुशहाली का अभाव है। इंसानियत को पीछे छोड़कर हर सेवा की कीमत वसूलने की संकीर्ण और स्वार्थपूर्ण प्रवृत्ति देश और जनहित के लिए घातक साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि संत रविदास के मानवतावादी संदेश को अपनाकर करोड़ों गरीबों, शोषितों और पीड़ितों का भला किया जा सकता है। संकीर्णता और द्वेष से ग्रस्त वर्तमान माहौल में उनके विचारों का महत्व और भी बढ़ जाता है। खासकर शासक वर्ग को अपने मन को सच अर्थों में चंगा कर शुद्ध नीयत से काम करने की आवश्यकता है, तभी समाज और देश वास्तविक रूप से सुखी और समृद्ध बन सकता है, जैसा कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के संविधान में परिकल्पित है।उन्होंने कहा कि संत रविदास वाराणसी में समाज की छोटी समझी जाने वाली जाति में जन्म लेने के बावजूद प्रभु-भक्ति और साधना के बल पर महान संत बने। एक प्रबल समाज सुधारक के रूप में उन्होंने जीवन भर सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष किया और जाति-भेदभाव पर कड़ा प्रहार करते हुए यह संदेश दिया कि मानव जाति एक है और सभी को समान मानकर प्रेम और सम्मान के साथ रहना चाहिए। उनका स्पष्ट मानना था कि जाति-पाति मानवता और समग्र विकास में सबसे बड़ी बाधा है।मायावती ने कहा कि केवल अपने कर्म और विचारों के बल पर महान संत बने रविदास ने सामाजिक परिवर्तन और मानवता के मूल्यों को अपनाने के लिए जो चेतना जगाई, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। यही कारण है कि आज देश-विदेश में उनके अनुयायियों की बड़ी संख्या मौजूद है, जो उन्हें विभिन्न रूपों में स्मरण कर रही है। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी की सरकार ने संत रविदास के आदर-सम्मान और उनकी स्मृति को बनाए रखने के लिए उत्तर प्रदेश में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। इनमें भदोही को संत रविदास जिला का दर्जा देना प्रमुख था, जिसे बाद में समाजवादी पार्टी की सरकार ने जातिवादी और राजनीतिक द्वेष के कारण समाप्त कर दिया। दुखद यह है कि वर्तमान भाजपा सरकार ने भी अब तक इस नाम को बहाल नहीं किया है।मायावती ने कहा कि बीएसपी सरकार के कार्यकाल में वाराणसी में संत रविदास पार्क और घाट की स्थापना की गई, फैजाबाद में संत रविदास राजकीय महाविद्यालय बनाया गया, वाराणसी में संत रविदास की प्रतिमा स्थापित की गई और संत रविदास सम्मान पुरस्कार की शुरुआत की गई। इसके साथ ही चंदौली में संत रविदास पॉलिटेक्निक, वाराणसी में संत रविदास एससी-एसटी प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना, गंगा नदी पर बने पुल का नाम संत रविदास के नाम पर रखा जाना, बदायूं में संत रविदास धर्मशाला के लिए सहायता और बिल्सी में प्रतिमा स्थापना की स्वीकृति जैसे अनेक कार्य किए गए।

बजट पर प्रतिक्रियाएं

बजट में पर्यटन को सशक्त बनाने पर जोर : जयवीर

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि देश के 15 प्रमुख पुरातात्विक स्थलों को 'एक्सपीरिएंशियल कल्चरल डेस्टिनेशन' के रूप में विकसित करने की योजना में सारनाथ और हस्तिनापुर को शामिल किया जाना केंद्र सरकार की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में एक बड़ा कदम है। पर्यटन मंत्री ने कहा कि बजट में उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को विशेष प्राथमिकता दी गई है इससे पर्यटन विकास को नई गति मिलेगी। भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश स्थल सारनाथ का विकास इस तरह किया जाएगा कि उसकी पवित्रता और ऐतिहासिक गरिमा बनी रहे। यहां विश्वस्तरीय विज़िटर सुविधाएं, क्यूरेटेड वॉकवे, इंटरप्रिटेशन सेंटर और तकनीक आधारित स्टोरीटेलिंग की व्यवस्था की जाएगी। हस्तिनापुर, जो महाभारत काल का प्रमुख नगर रहा है, को एक समग्र हेरिटेज डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। कौरव वंश की राजधानी रहे इस ऐतिहासिक स्थल का पुरातात्विक और सांस्कृतिक महत्व अत्यंत विशाल है। उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे से जुड़े प्रावधान प्रदेश में पर्यटन को नई गति देंगे। धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को जोड़ने वाली बेहतर रेल और सड़क व्यवस्था से सुगम पर्यटन सर्किट विकसित होंगे। इससे पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और स्थानीय व्यापार, हस्तशिल्प व होटल उद्योग को मजबूती मिलेगी। वर्ष 2025 में उत्तर प्रदेश ने 138 करोड़ पर्यटकों का स्वागत कर देश में पहला स्थान हासिल किया। जयवीर ने कहा कि यह गाँव, गरीब, किसान, युवा और नारी शक्ति के उत्थान पर केंद्रित लोक-कल्याणकारी बजट है।

ट्रिपल ई पर केंद्रित बजट

व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने बजट 2026 को आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और निर्यात बढ़ाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि एफटीए के बाद शुल्क में छूट से निर्यात क्षेत्रों को मजबूती मिलेगी, दवाओं व शिक्षा से जुड़े फैसलों से आम जनता को राहत मिलेगी और कर विवाद निस्तारण की व्यवस्था व्यापारियों के लिए लाभकारी है। कुल मिलाकर यह बजट व्यापार, उद्योग और भविष्य की दिशा के लिए सकारात्मक है।

निवेश, एमएसएमई और कर अनुपालन को मिलेगी गति

चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए मोहम्मद मुजीब ने बजट 2026 का स्वागत करते हुए कहा कि यह बजट निवेश, एमएसएमई सशक्तिकरण और कर अनुपालन को सरल बनाने की दिशा में सकारात्मक है। जोखिम पूंजी, बुनियादी ढांचे पर बढ़ा खर्च और कर विवाद निस्तारण जैसे प्रावधानों से व्यवसायों को स्थिरता मिलेगी तथा रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर यह बजट आर्थिक विकास को गति देने वाला और व्यापार-अनुकूल है।

बजट व्यापारियों के खिलाफ, निराशाजनक

संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजनी कुमार पांडे ने केंद्रीय बजट को व्यापार विरोधी बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि बजट में छोटे, मध्यम और खुदरा व्यापारियों के लिए न तो टैक्स सरलीकरण, न जीएसटी राहत और न ही पूंजी की आसान उपलब्धता जैसे मुद्दों पर कोई ठोस प्रावधान किया गया है। बढ़ते अनुपालन बोझ से व्यापारियों की समस्याएं और बढ़ेंगी, जिसका असर रोजगार पर भी पड़ेगा। उन्होंने सरकार से बजट प्रावधानों की समीक्षा कर व्यापारियों को वास्तविक राहत देने की मांग की।

विकास की दिशा में बड़ा कदम

भारत इंडस्ट्रीज़ एंड इन्वेस्टर्स गिल्ड के प्रधान सलाहकार डॉ. प्रदीप सिंह ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 शीर्षक-आधारित व्यय से आगे बढ़कर क्षमता-निर्माण पर केंद्रित है। बजट में अधोसंरचना, रणनीतिक विनिर्माण, कौशल विकास, तकनीक-सक्षम उत्पादकता और वित्तीय अनुशासन पर जोर देकर दीर्घकालिक आर्थिक शक्ति को मजबूत करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट अल्पकालिक उपभोग के बजाय संस्थागत क्षमता और प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से सतत समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है।

उद्यमियों और एमएसएमई के लिए बजट उत्साहजनक

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। स्टैशफिन की सह-संस्थापक श्रुति अग्रवाल ने केंद्रीय बजट 2026-27 को उद्यमियों और एमएसएमई क्षेत्र के लिए भरोसेमंद और उत्साहजनक बताया। उन्होंने कहा कि औपचारिक ऋण तक आसान पहुंच, तरलता बढ़ाने और डिजिटल एकीकरण पर जोर से छोटे व्यवसायों को मजबूती मिलेगी, रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा और समावेशी आर्थिक विकास की मजबूत नींव तैयार होगी।

जीएसटी में राहत न मिलने से व्यापारी निराश

बजट में हैंडलूम मिशन को प्रोत्साहन, मेगा टेक्सटाइल्स पार्क की स्थापना और निर्यात को सस्ता करने जैसे कदम सराहनीय रहे। छोटे उद्योगों में रेशम व जूट को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई गई है। हालांकि कपड़ों पर जीएसटी में छूट और इनकम टैक्स स्लैब बढ़ाने की अपेक्षा पूरी न होने से व्यापारी वर्ग निराश नजर आया। अध्यक्ष उतर प्रदेश कपड़ा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल लखनऊ।

इलाज, रिसर्च, मेडिकल टूरिज्म व आयुष को मिली उड़ान

केन्द्रीय बजट ने और बड़ी की बेहतर स्वास्थ्य की लकीर

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए बजट 2026-27 एक ऐतिहासिक मोड़ लेकर आया है। पहली बार देश का हेल्थकेयर बजट 1 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। यूनियन बजट 2026-27 में हेल्थ सेक्टर के लिए कुल 1,04,599 करोड़ का प्राविधान किया गया है। बजट में इलाज, रिसर्च, मेडिकल टूरिज्म, आयुष और जिला स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं हर पहलू को छूने की कोशिश की गई है।

■ 12 साल में 176 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी

2026-27 में स्वास्थ्य क्षेत्र को दिए गए 1,04,599 करोड़ रुपये पिछले साल के मुकाबले बड़ा इजाफा है। 2025-26 में हेल्थ मिनिस्ट्री को 98,311 करोड़ मिले थे. अगर पिछले दस वर्षों पर नजर डालें, तो 2015 में हेल्थ बजट सिर्फ 34,286 करोड़ रुपये था, जो अब लगभग 191 प्रतिशत बढ़ चुका है। यह दिखाता है कि सरकार ने हेल्थ सेक्टर को धीरे-धीरे मजबूत करने की ठोस रणनीति अपनाई है। इस बार का हेल्थ बजट ऐतिहासिक रहा, जो कि 2025-26 के संशोधित अनुमान से 8.96 प्रतिशत ज्यादा है। पिछले 12 सालों में स्वास्थ्य बजट में कुल मिलाकर 176 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है।

मेडिकल टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा

बजट 2026 की एक बड़ी घोषणा है, 5 मेडिकल टूरिज्म हब की स्थापना। ये हब निजी क्षेत्र के सहयोग से बनाए जाएंगे। जिन प्रमुख संस्थानों को इसमें शामिल किया गया है, वे हैं अपोलो, मैक्स, फोर्टिस, डॉक्टर लाल पैथ लैब्स और मेट्रोपोलिस। इस पहल से भारत न केवल देशी मरीजों के लिए बल्कि विदेशी मरीजों के लिए भी एक भरोसेमंद मेडिकल डेस्टिनेशन बनेगा।

पिछले सालों में हेल्थ बजट का सफर

2018-19	52,800 करोड़
2019-20	62,659 करोड़
2020-21	65,012 करोड़
2021-22	73,932 करोड़
2022-23	86,200 करोड़
2023-24	79,221 करोड़
2024-25	90,959 करोड़
2025-26	98,311 करोड़

जिला अस्पतालों में 50 प्रतिशत क्षमता बढ़ेगी

बजट में यह भी प्रस्ताव रखा गया है कि जिला अस्पतालों में इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर सेंटर बनाकर उनकी क्षमता 50त्न तक बढ़ाई जाएगी। इससे गंभीर मरीजों को समय पर इलाज मिलेगा और बड़े शहरों पर निर्भरता कम होगी। साथ ही बुजुर्गों के लिए जेरियाट्रिक केयर सिस्टम को भी मजबूत किया जाएगा।

आयुष और ट्रेडिशनल मेडिसिन पर फोकस

सरकार ने आयुष सेक्टर को भी मजबूती देने का ऐलान किया है। इसके तहत तीन नए ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद स्थापित किए जाएंगे। आयुष फार्मेसी और ड्रग टेस्टिंग लैब्स को अपग्रेड किया जाएगा। गुजरात के जामनगर स्थित ग्लोबल ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर को और आधुनिक बनाया जाएगा। इससे आयुर्वेद और ट्रेडिशनल ट्रीटमेंट को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी।

लखनऊ को भी जगी आस, 188 गांवों में हो सकेगा विकास

टियर-2 में शामिल राजधानी को 5000 हजार करोड़ में मिलेगी भागीदारी

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। केन्द्रीय बजट में यदि आंकड़ों का खेल नहीं तो लखनऊ के पिछड़े इलाकों के लिए यह बदलाव की शुरुआत है। अगर योजनाएं जमीन पर उतरीं, तो आने वाले वर्षों में लखनऊ का नक्शा बदला हुआ नजर आएगा। जहां विकास सिर्फ मुख्य इलाकों तक सीमित नहीं बल्कि हर उस मोहल्ले और गांव तक पहुंचेगा, जो अब तक सिस्टम की अनदेखी का शिकार रहा है। केन्द्रीय बजट में लखनऊ को भी तोहफा मिला है। टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास के लिए 5000 करोड़ रुपये के प्राविधान ने लखनऊ के उन 188 गांवों में विकास की उम्मीद जगा दी है जो अभी मूलभूत सुविधाओं की कतार से दूर हैं। अब इन शहरों में सड़क, सीवरेज, ड्रेनेज और स्ट्रीट लाइट की चमक-दमक होगी। बता दें कि 188 गांव, जो वर्ष 2019-20 में लखनऊ नगर निगम की सीमा में शामिल किए गए थे, आज भी सड़क, सीवरेज, ड्रेनेज और स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं या बदहाल हालात में हैं। नगर निगम सीमा में शामिल होने के बाद इन गांवों को शहर जैसी सुविधाएं मिलने की उम्मीद थी, लेकिन हकीकत इसके उलट रही। कहीं कच्ची सड़के हैं, तो कहीं नालियां जाम पड़ी हैं। स्ट्रीट लाइटें या तो लगी ही नहीं या फिर वर्षों से खराब हैं। बारिश में जलभराव लोगों की दिनचर्या को पूरी तरह से पटरी से उतार देता है। केंद्र सरकार ने बजट में साफ संकेत दिए हैं कि टियर-2 और टियर-3 शहरों के इंफ्रास्ट्रक्बर को मजबूत किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के 15 शहरों को इसका लाभ मिलने की संभावना है और लखनऊ भी टियर-2 शहरों की श्रेणी में शामिल है। उम्मीद है कि राजधानी को भी विकास कार्यों के लिए बड़ी राशि आवंटित होगी, जिससे वर्षों से उपेक्षित क्षेत्रों में काम शुरू हो सकेगा। लखनऊ को इस योजना का लाभ मिलता है तो सबसे पहले उन इलाकों पर ध्यान दिया जाएगा, जहां आज भी सड़कें टूट चुकी हैं, सीवरेज लाइनें अधूरी हैं और ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह फेल है। मजबूत ड्रेनेज सिस्टम से जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी, वहीं नई सड़कों से आवागमन आसान होगा।

बजट पर प्रतिक्रियाएं

मधुमेह और कैंसर की दवाओं के दामों में कमी स्वागत योग्य

विशेषकर मधुमेह और कैंसर की दवाओं की लागत में कमी से गरीबों को मदद मिलेगी। चिकित्सा उपकरणों की लागत में कमी से नए अस्पतालों की स्थापना और पहले से मौजूद अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार में आसानी होगी। गरीबों और बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत योजना जारी रहेगी। एम्स सहित मेडिकल कॉलेजों का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण तथा मेडिकल सीटों में वृद्धि भी स्वागत योग्य है।

प्रोफेसर डॉ. सूर्यकांत, केजीएमयू रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष

चिकित्सा प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव

कैंसर के इलाज को लेकर सरकार ने जो निर्णायक कदम उठाया है, वह लाखों परिवारों के लिए उम्मीद की नई किरण है। 17 जीवन रक्षक कैंसर दवाओं पर सीमा शुल्क को पूरी तरह खत्म करना यह सुनिश्चित करेगा कि अब कोई भी मरीज पैसे के अभाव में अपना ट्रीटमेंट अधूरा न छोड़े। इलाज की इस सुगमता के साथ-साथ, मानसिक स्वास्थ्य को मुख्यधारा की चिकित्सा प्रणाली में लाना एक क्रांतिकारी बदलाव है।

डॉक्टर राजेन्द्र कुमार चौधरी, कैंसर विशेषज्ञ

बायोफॉर्मा में अनुसंधान को मिलेगी उड़ान

देश को वैश्विक बायोफॉर्मा निर्माण केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिए बायोफॉर्मा शक्ति बनाये जाने की घोषणा स्वागत योग्य है। बायोलॉजिक्स और बायोसिमिलर्स के घरेलू उत्पादन के लिए अगले पांच वर्षों में इको-सिस्टम का निर्माण और केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन को मजबूत किए जाने, 3 नए नाइपर बनने से फार्मा अध्ययन, नवाचार और अनुसंधान क्षेत्र मजबूत होगा।

सुनील यादव, फार्मेसिस्ट फेडरेशन अध्यक्ष

आत्मनिर्भर भारत का संकल्प पूर्ण करेगा बजट : पंकज

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने आम बजट को लेकर कहा कि यह गरीब, मध्यमवर्ग, महिला, युवा व वंचित वर्ग के आर्थिक और सामाजिक उत्थान की मजबूत कड़ी है। यह बजट जन-जन की आत्मनिर्भरता से आत्मनिर्भर विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि प्रदान करेगा। दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर विकास की एक नई परिभाषा रचने जा रहा है। दिल्ली-वाराणसी समेत 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। दिल्ली-वाराणसी, वाराणसी-सिलीगुड़ी में भी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनेंगे। यह पहल आधुनिक अवसंरचना, आर्थिक प्रगति और भरोसेमंद कनेक्टिविटी का सशक्त प्रतीक है। इससे पर्यटन को नई उड़ान मिलेगी, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे । 5 वर्षों में पांच औद्योगिक क्षेत्रों में कार्बन कैप्चर के लिए 20 हजार करोड़ का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए किए गए प्रावधान किसानों की आय बढ़ाने और गांवों के समग्र विकास में सहायक होंगे। यह बजट कोकोनट, काजू और कोको जैसे कृषि-आधारित उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा।

सात दुर्लभ बीमारियों को भी बजट में राहत : ब्रजेश पाठक

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। संसद में प्रस्तुत बजट करोड़ों देशवासियों के संकल्पों की सिद्धि करने वाला बजट है। यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करेगा। इस बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। उत्तर प्रदेश के लिए बजट में विशेष प्रावधान रखे गए हैं। यह कहना है प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का।

रविवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा केंद्रीय बजट प्रस्तुत किए जाने के बाद डिप्टी सीएम ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी, विकासोन्मुखी एवं करोड़ों देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सदन में प्रस्तुत इस बजट ने सिद्ध किया है कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि हमारी सरकार का संकल्प है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने वाला यह बजट एक ऐसे भारत के निर्माण का विजन है, जो विश्व में हर क्षेत्र में अग्रणी होगा।

बजट पर प्रतिक्रियाएं

17 कैंसर दवाओं में कस्टम ड्यूटी शून्य स्वागत योग्य

बजट में 17 कैंसर की दवाओं में कस्टम ड्यूटी शून्य कर दी गई है। इसका लाभ मरीजों को मिलेगा। सरकार स्वास्थ्य चिकित्सा क्षेत्र के ढांचे को सुधार रही है यह स्वागत योग्य है। खासकर गरीब मरीज जो कैंसर से जूझ रहे हैं उन्हें थोड़ी राहत मिलेगी।

डॉक्टर वरुण विजय, चिकित्सा अधीक्षक, कल्याण सिंह कैंसर संस्थान

कर्मचारी शिक्षक पेंशनर्स समुदाय के लिए आशाजनक नहीं

बजट कर्मचारी शिक्षक पेंशनर्स समुदाय के लिए आशाजनक नहीं है। लोगों ने उम्मीद लगा रखी थी कि सरकार बजट में 8वें वेतन आयोग के विचारणीय विषय मे पुराने पेंशनर्स को शामिल करने, आयकर स्लैब मे बदलाव करने आदि के सम्बंध मे कुछ घोषणा करेगी पर सरकार ने इस पर कुछ नहीं कहा जो एक बड़े समुदाय के लिए निराशाजनक है।

बी.एल.कुशवाहा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन उ.प्र.

युवाओं के रोजगार के लिए भी कोई रोड मैप नहीं

बजट में शिक्षकों, कर्मचारियों के सबसे बड़े मुद्दे ओपीएस पर कोई बात नहीं की गई। टैक्स स्लैब में कोई परिवर्तन नहीं। युवाओं के रोजगार के लिए भी कोई ठोस रोड मैप नहीं है। निजीकरण की तरफ देश को ले जाया जा रहा है। महंगाई से राहत दूर-दूर तक दिखाई नही पड़ रही। निम्न और मध्य वर्ग में के लिए बजट में कुछ नहीं है और वह बेहद निराशा में है।

विजय कुमार बन्धु राष्ट्रीय अध्यक्ष, अटेवा

बेसिक कस्टम ड्यूटी हटने से विदेशी दवाएं होंगी सस्ती

कैंसर व दुर्लभ बीमारियों के इलाज में होगी आसानी

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। दुर्लभ बीमारियों से आम आदमी की कमर टूट जाती है। खासकर जब डॉक्टर विदेशी दवाओं की लिस्ट थमाता है। लेकिन इस बार बजट में कैंसर की 17 दवाओं पर कस्टम ड्यूटी हटने से विदेशी दवाइयों की कीमतें थोड़ी गिर जाएंगी। इसके अलावा, 7 नई दुर्लभ बीमारियों को भी कस्टम ड्यूटी फ्री लिस्ट में शामिल किया गया है, जिसका मतलब है कि इन बीमारियों की दवा मंगाना अब पहले से कहीं ज्यादा आसान और किफायती होगा।

देश के बदलते हेल्थ पैटर्न को देखते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट कैंसर मरीजों के लिए भी घोषणाएं की हैं। बजट में कैंसर की दवाओं को लेकर उन्होंने कहा कि 17 कैंसर दवाओं पर लगने वाली बेसिक कस्टम ड्यूटी को पूरी तरह खत्म कर दिया है, जिससे अब जानलेवा बीमारियों का इलाज सस्ता और आसान हो जाएगा। साथ ही दुर्लभ बीमारियों के लिए भी आयात शुल्क में बड़ी रियायत दी गई है जो करोड़ों परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित होगी।

बेसिक कस्टम ड्यूटी वह टैक्स है जो भारत सरकार विदेशों से आयात किए जाने वाले सामान पर लगाती है। यह सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत वसूला जाता है। जब कोई दवा विदेश (जैसे अमेरिका या जर्मनी) से भारत आती है तो उसे भारत की सीमा में आने के लिए यह टैक्स चुकाना पड़ता है।

आमतौर पर लाइफ सेविंग ड्रग्स पर यह 5 से 10 प्रतिशत के बीच होती है और इस कस्टम ड्यूटी का 10 प्रतिशत सोशल वेलफेयर सरचार्ज है। दवाओं पर आमतौर पर 5 या 12 प्रतिशत जीएसटी भी लगता है। निर्मला सीतारमण ने कैंसर की 17 दवाओं पर इस 10 प्रशित वाली ड्यूटी को खत्म कर दिया है यानी अब उन दवाओं पर सिर्फ जीएसटी (यदि लागू हो) लगेगा, कस्टम ड्यूटी नहीं।

राजस्व के लिए और घरेलू उद्योग की सुरक्षा के लिए कस्टम ड्यूटी लगाई जाती है। आसान भाषा में समझें तो सरकार की कमाई के लिए और विदेशी सामान इतना सस्ता न हो जाए कि भारत की अपनी कंपनियां बंद हो जाएं, इसलिए ये ड्यूटी लगाते हैं।

इसका सबसे बड़ा और सीधा असर दवाइयों की कीमतों पर पड़ता है। आसान शब्दों में कहें तो, यह एक तरह का इम्पोर्ट टैक्स है जो विदेशों से आने वाले सामान पर लगता है। इसे हटाने से दवाइयों की कीमत सीधे तौर पर 10 से 12 प्रतिशत तक कम हो सकती है। उदाहरण के लिए अगर कैंसर की कोई विदेशी दवा पहले 10, 000 की मिलती थी तो टैक्स हटने के बाद उसकी कीमत घटकर लगभग 8800 से 9000 के बीच आ सकती है।

कर्मचारियों-पेंशनरों की उपेक्षा वाला बजट

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश अध्यक्ष हरि किशोर तिवारी ने बजट 2026 पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इसमें न तो पेंशन व्यवस्था, न ही आठवें वेतन आयोग का कोई उल्लेख है। असंगठित, मानदेय व आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की ईपीएफओ पेंशन और न्यूनतम वेतन बढ़ाने का भी कोई प्रावधान नहीं किया गया। वरिष्ठ नागरिकों की रेलवे रियायत बहाल नहीं होने और कर्मचारियों-शिक्षकों के हितों की अनदेखी के चलते उन्होंने इस बजट को कर्मचारी वर्ग के लिए निराशाजनक बताया।

काशी पर जोर बाकी इग्नोर

नजरिया

केन्द्र में सत्तासीन मोदी सरकार ने रविवार को अपना बजट पेश किया। इस बजट में यूपी पर विशेष फोकस दिया गया है, जिसमें 2027 की चुनावी शुशबू आ रही है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी को एक बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर हब के रूप में विकसित करने की तैयारी की जा रही है। यहां शिप रिपेयर इकोसिस्टम विकसित कर गंगा आधारित परिवहन और रोजगार को बढ़ावा देने की कोशिश की गयी है। साथ ही वाराणसी रिंग रोड हाइब्रिड रेल कॉरिडोर और काशी से दिल्ली तक हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा की गई है। जिसके पीछे कनेक्टिविटी और व्यापार दोनों को गति मिलने की संभावना जतायी गयी है। इसके अलावा वाराणसी में एकीकृत लॉजिस्टिक हब के निर्माण का भी प्रस्ताव है, जिससे पूर्वांचल को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने में मदद मिलेगी। खास बात यह है कि इस बजट में प्रदेश के अन्य किसी जनपद का नाम तक नहीं लिया गया है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में इमरजेंसी ट्रॉमा सेंटर खोलने की घोषणा की गई है। इसके साथ ही कैंसर और डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों की दवाओं को सस्ता करने का प्रावधान किया गया है। अब ग्रामीण महिलाओं के लिए 'शी मार्ट' बनाए जाने का प्रस्ताव है। हर जिले में कामकाजी महिलाओं के लिए एक छात्रावास एवं दिव्यांग सहारा योजना के तहत समय पर सहायता, कृत्रिम अंग बनाने वाली कंपनियों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने में निवेश का प्रावधान किया गया है। केन्द्रीय बजट को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव त्यागी ने बताया कि यूपी में 75 जिले हैं लेकिन पीएम के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी पर खासी मेहरबानी दिखायी गयी है। पहली बार बजट पेश करने के दौरान ही शेयर मार्केट एवं आसमान छूते सोने एवं चांदी के दामों में भारी गिरावट देखने को मिली। उन्होंने बताया कि उम्मीद थी कि आयकर दाताओं को राहत मिलेगी पर ऐसा नहीं हुआ। इस बजट में रोजगार, एवं किसानों की फसलों के लिए एमएसपी पर भी ध्यान नहीं दिया गया। इसे यदि सपनों का ही बजट कहा जा सकता है।

– राजेश सिंह

'विकसित भारत 2047' की दिशा में मजबूत बजट

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश अध्यक्ष (व्यापार) रोहित अग्रवाल ने केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए इसे विकसित भारत 2047 की दिशा में दूरदर्शी कदम बताया। उन्होंने कहा कि बजट में रोजगार सृजन, विनिर्माण, तकनीक, कौशल विकास और आत्मनिर्भर भारत पर विशेष जोर दिया गया है। सेमीकंडक्टर मिशन, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग, दुर्लभ बीमारियों की दवाओं पर शुल्क छूट और टियर-2 व टियर-3 शहरों के विकास से उद्योग, एमएसएमई और व्यापार को नई गति मिलेगी।

गांवों में खुलेंगे 'शी-मार्ट', महिलाएं बनेंगी उद्यमी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। केन्द्रीय बजट में उत्तर प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं में नई उम्मीदें जगाई हैं। बजट में महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए सेल्फ हेल्प एंटरप्रेन्योर (शी-मार्ट्स) स्थापित करने के प्रस्ताव को यूपी में महिला सशक्तिकरण में बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे ग्रामीण महिलाएं केवल ऋण-आधारित आजीविका तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि अपने उद्यमों की मालकिन बनकर नई कहानी लिखेंगी। इससे प्रदेश में तीन करोड़ महिलाएं आत्म निर्भर बन सकेंगी।

'शी-मार्ट' का उद्देश्य महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए एक स्थायी मंच उपलब्ध कराना है। इसके लिए उन्नत और नवाचारी वित्तपोषण साधनों का उपयोग किया जाएगा। केंद्र सरकार राज्य सरकारों के साथ साझेदारी कर इस पहल को जमीन पर उतारेगी। 'लखपति दीदी' की सफलता के बाद अब महिला नेतृत्व वाले ग्रामीण उद्यमों को बाजार, पूंजी और नेटवर्क तीनों स्तरों पर सहयोग मिलेगा, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है। प्रदेश में कृषि और गैर-कृषि आजीविका की संभावनाओं के अनुसार महिलाओं को समूहों से जोड़ा जा रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत घर-घर संपर्क कर प्रशिक्षण, तत्काल पूंजी सहायता और मार्केट सपोर्ट उपलब्ध कराया जा रहा है। 'शी-मार्ट' के जरिए ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों को सीधा बाजार मिलेगा और वे दूसरों को रोजगार देने वाली उद्यमी बन सकेंगी। साथ ही इस बजट में सोलर, नवीकरणीय ऊर्जा और ई-मोबिलिटी से जुड़ी कस्टम ड्यूटी एवं आयात शुल्क में दी गई रियायतों को उत्तर प्रदेश में लागू प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और राज्य के उभरते ई-मोबिलिटी इकोसिस्टम से जोड़कर देखा जा रहा है। इससे रूफटॉप सोलर विस्तार, सोलर पैनल मैन्युफैक्चरिंग, ग्रिड-स्तरीय ऊर्जा संतुलन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी-इन चारों को एक साझा दिशा में आगे बढ़ाएंगे। लिथियम-आयन बैटरी निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल-कोबाल्ट पाउडर, बैटरी स्क्रैप और अन्य क्रिटिकल मिनरल्स पर बेसिक कस्टम ड्यूटी में छूट दी गई है। सोलर ग्लास निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल सोडियम एंटीमॉनेट को कस्टम ड्यूटी से छूट दी गई है। यह सोलर ग्लास का एक प्रमुख कंपोनेंट है, जो ग्लास की गुणवत्ता, मजबूती और प्रदर्शन को बेहतर बनाता है। इन रियायतों से डोमेस्टिक कंटेंट रिक्वायरमेंट (डीसीआर) आधारित सोलर पैनल निर्माण को भी मजबूती मिलेगी। प्रदेश में सोलर वैल्यू चेन के विस्तार हो सकेगा।

रोशन होंगे तीर्थस्थल

बजट में 5 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर फोकस दिया गया है। इससे अयोध्या, गोरखपुर सहित लगभग 15 शहरों को रोशन किया जायेगा। इसके अलावा, छोटे-छोटे तीर्थ स्थलों के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए भी बजट में प्रावधान किया गया है। इससे पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल सकेगी। इससे अर्थव्यवस्था को मजबूती के साथ ही रोजगार के बड़े पैमाने पर अवसर उपलब्ध होंगे।

एमएसएमई, खादी वस्त्र पर जोर

केंद्रीय बजट में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा और वस्त्रोद्योग को सशक्त बनाने के लिए दूरगामी प्रावधान किए गए हैं। वस्त्र क्षेत्र के लिए एक व्यापक और एकीकृत कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है, जिसके तहत राष्ट्रीय फाइबर योजना, वस्त्र विस्तार को बढ़ावा मिलेगा। राष्ट्रीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प कार्यक्रम, टेक्स-इको पहल और समर्थ 2 जैसी योजनाओं को शामिल किया गया है। साथ ही मेगा टेक्सटाइल पार्कों की स्थापना से वस्त्र और परिधान उद्योग में प्रदेश में निवेश के नए अवसर खुलेंगे। हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने कहा कि केंद्रीय बजट उद्योग, किसानों और युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा। बजट में खादी, हथकरघा और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल शुरू करने का प्रस्ताव किया गया है। इस पहल के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के साथ-साथ कारीगरों और बुनकरों को स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। 10,000 करोड़ का एसएमई ग्रोथ फंड स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा आत्मनिर्भर भारत फंड में 2,000 करोड़ की अतिरिक्त पूंजी डाली जाएगी।

विभाजनकारियों का नहीं उठने देना है सिर : योगी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को संत शिरोमणि सद्गुरु रविदास

संत रविदास जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि उनका प्रकटीकरण 649 वर्ष पहले काशी के सीर गोवर्धन में हुआ था। इतने वर्षों के बाद भी उनकी दिव्य आभा से यह समाज 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के निर्माण की दिशा में बढ़ रहा है। संत रविदास का जब धराधाम पर प्रकटीकरण पर हुआ, तब देश विदेशी आक्रांताओं से त्रस्त था। सीएम ने उनके वक्तव्य 'मन चंगा तो कठौती में चंगा' का जिक्र करते हुए कहा कि सब कुछ कर्म पर निर्भर करता है। अच्छा कर्म करेंगे तो अच्छा और बुरा कर्म करेंगे तो बुरा फल पाएंगे। जगद्गुरु रामानंदाचार्य ने समाज को जोड़ने के लिए मध्य काल में अलग-अलग जातियों से 12 शिष्य बनाए। समाज को जोड़ने का जितना बड़ा कार्य उस कालखंड में संतों ने किया, वह अद्भुत था। वर्तमान भारत का निर्माण उसी नींव पर हुआ है। गुलामी के बंधन को तोड़ने में वही हमारी प्रेरणा रही है। सीएम योगी ने कहा कि संत रविदास ने प्रेरणा दी कि ऐसा राज होना चाहिए, जहां सभी को अन्न प्राप्त हो, कोई भूखा न सोए। हर व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिले। संत की वाणी कभी व्यर्थ नहीं होती। 2014 में सरकार बनने के बाद पीएम मोदी ने गरीबों के बैंक खाते खुलवाए, जिससे शासन की योजनाओं का लाभ सीधे उनके खाते में मिले। गरीबों को शौचालय, पीएम आवास, रसोई गैस, फ्री बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए। हर जरूरतमंद को राशन व स्वास्थ्य सुविधा का लाभ प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार महापुरुषों के प्रति श्रद्धा रखती है। सभागार बनने से सर्दी-गर्मी, बरसात में भी कार्यक्रम करने के लिए समिति को कष्ट नहीं उठाना पड़ेगा। सीर गोवर्धन में आज देश भर से लगभग दो लाख श्रद्धालु आए हैं। 2017 के पहले वहां जाने का रास्ता और लंगर हॉल नहीं था। विभाजनकारी ताकतें बांटेंगी, लेकिन गुलामी कालखंड का स्मरण करते हुए उन्हें सिर उठाने का अवसर नहीं देना है। उन्होंने कहा कि संतों की दिव्य साधना से प्राप्त सिद्धि का प्रतिफल देश को मिलेगा। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, विधान परिषद सदस्य लाल जी प्रसाद निर्मल, विधायक अमरेश कुमार, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सरदार परविंदर सिंह, संत रविदास सेवा समिति के अध्यक्ष हरीशचंद, महामंत्री संतोष कुमार, राकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

सर्वजन हिताय संस्थान का २६वां स्थापना दिवस मनाया

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। सर्वजन हिताय सेवा एवं जागरण संस्थान का 26वां स्थापना दिवस गांधी भवन के संग्रहालय सभागार में आयोजित हुआ। समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी जी.के. सेठ ने की, मुख्य समागत वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. दिनेश चन्द्र अवस्थी तथा विशिष्ट अतिथि चन्दर नगर राजकीय चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. आनन्द त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्था के संस्थापक प्रधान सचिव राजेन्द्र कुमार शुक्ल ने किया। इस अवसर पर नौ महिलाओं को सिलाई मशीन, दो बधिरजनों को कान की मशीन, एक आंशिक दिव्यांग को वॉकर छड़ी, एक कैंसर पीड़ित छात्र को 11 हजार रुपये की सहायता तथा एक निर्धन कन्या के विवाह हेतु 5100 रुपये का चेक प्रदान किया गया। 31 बार रक्तदान करने वाले जितेन्द्र सिंह को 'दधीचि सम्मान' से अलंकृत किया गया। सेवाकर्ता सम्मान से रूपेन्द्र सिंह सिकरवार, विश्वास प्रताप सिंह, ज्ञानेन्द्र कुमार द्विवेदी एवं शिवशंकर पाण्डेय को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष डॉ. बृजेन्द्र निगम, उपाध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह, सचिव मिथिलेश कुमार मिश्र, मनोज कुमार दीक्षित, रक्तदानी सुधीर पटेल, श्रीमती सरिता मिश्र, साधना सिंह, ऊषा शुक्ला, ब्रजेश कुमार सिंह, राजीव 'वत्सल', श्रीकृष्ण द्विवेदी 'द्विजेश', राजकिशोर त्रिवेदी 'किशोर', नवीन बैसवारी, जितेन्द्र द्विवेदी, बृजेन्द्र सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विज्ञान प्रदर्शनी व बाल मेले का आयोजन

स्वतंत्र भारत सरोजनीनगर। शांति नगर स्थित क्रिएटिव कॉन्वेंट कॉलेज में चेयरमैन ई. योगेंद्र सचान के निर्देशन में वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी और बाल मेले का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण और सामाजिक विषयों पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि अपर पुलिस महानिदेशक पीएससी डॉ. आर.के. स्वर्णकार तथा विशिष्ट अतिथियों में डॉ. हीरा लाल, आईएएस मनीष वर्मा, रविन्द्र गंगवार, आर.एल. निरंजन, डॉ. सुधा बाजपेयी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की और आयोजन को ज्ञानवर्धक बताया।

यूजीसी बिल के विरोध में प्रदर्शन व पदयात्रा

स्वतंत्र भारत सरोजनीनगर। यूजीसी के नए कानून के विरोध में सवर्ण युवा महासभा ने स्कूटर इंडिया चौराहे से सरोजनीनगर थाने तक पदयात्रा कर धरना-प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं को विधानसभा जाने से पुलिस ने रोक दिया, जिसके बाद एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा को ज्ञापन सौंपा गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील शुक्ला ने कहा कि 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स, 2026' से सवर्ण समाज में भय व्याप्त है और इसके दुरुपयोग की आशंका है। महिला प्रतिनिधि नीता पांडे ने कानून को सामाजिक सौहार्द के लिए घातक बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन में संजय सिंह, कुंवर रितेश सिंह चौहान, अर्जुन सिंह, वीरेंद्र सिंह, अनिल सिंह, दिनेश शुक्ला, रेखा तिवारी, विमल तिवारी, अर्चना शुक्ला सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पार्षद ने इंटरलॉकिंग सड़क व नाली निर्माण का किया शिलान्यास

स्वतंत्र भारत सरोजनीनगर। वार्ड सरोजिनी नगर द्वितीय (वार्ड-18) की मानस नगर कॉलोनी में पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट ने पार्षद निधि से 40 मीटर लंबी व 4 मीटर चौड़ी इंटरलॉकिंग सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। यह कार्य महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल एवं विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के आशीर्वाद से 4.5 लाख रुपये की लागत से कराया जा रहा है। कार्यक्रम में धूप-दीप पूजा कर नारियल फोड़कर शुभारंभ किया गया। स्थानीय निवासियों ने पार्षद का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। पार्षद प्रतिनिधि संतोष त्रिपाठी ने बताया कि लंबे समय से कच्ची सड़क होने के कारण लोगों को परेशानी होती थी, जो अब निर्माण कार्य से दूर होगी। शिलान्यास कार्यक्रम में पूर्व मंडल उपाध्यक्ष सुमन सिंह, माला खरे, शिखा सक्सेना, रितेश दुबे, फूलचंद गौतम, कमलेश यादव, जयराम यादव, विजय यादव, हरिलाल गोस्वामी, कमलेश शर्मा, कृष्ण यादव सहित मानस नगर कॉलोनी के निवासी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत
वर्गीकृत

सूचना
मैं PUJA PAUDEL मेरे पति आर्मी नं0-JC-613575L, RANK-NB/SUB GIRI RAJ SUBEDI के सैन्य दस्तावेज में मेरा नाम त्रुटिवश PUJA SUBEDI दर्ज है जबकि सही नाम PUJA PAUDEL है।
सी.आर.-2548/ D-25

सूचना
BABLI SINGH WIFE OF NO-2610892N RANK-HAV, NAME-RAHUL KUMAR, PRESENTLY RESIDING AT VILL-POKHARAMA, PO-POKHARAMA, TEH-KAJRA, DISST-LAKHIS-ARAY, STATE-BIHAR, PIN-811309, I HAVE CHANGE MY NAME FROM BABLI TO BABLI SINGH AS PER ADHAR RECORDS VIDE AFFIDEVIT DECLARAC-TION DATE 31-1-2026 ...ADVOCATE, AND NOTIRY..Keshav Ram Tiwari, Shahjahanpur up
सी.आर.-2548/ D-45

सिटी लॉ कालेज
सम्बद्ध डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या
उक्त महाविद्यालय में विधि पंचवर्षीय हेतु निम्न प्रवक्ताओं की आवश्यकता है- :-
अंग्रेजी, इतिहास, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान एवं मनोविज्ञान में 1-1 पद एवं विधि विषय में 15 पद।
उक्त पदों पर इच्छुक एवं अर्ह अभ्यर्थी अपने आवेदन दो पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड की प्रति एवं अर्हता सम्बन्धी प्रपत्रों की एक-एक प्रतियां महाविद्यालय के पते पर विज्ञापन के 15 दिनों के अन्दर पोस्ट द्वारा या ई-मेल के माध्यम से प्रेषित करें। वेतन एवं अर्हता यू.जी.सी. एवं विश्वविद्यालय की परिनियमावली के अनुसार।
ग्राम लखबर बजहा पोस्ट प्रतापगंज, तहसील नवाबगंज, जिला बाराबंकी
मो0 : 9369638650 / 8400133333
E-mail: cgclko.com@gmail.com

सीएमएस हाई स्कोरर्स कन्सर्ट' में सम्मानित हुए छात्र

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के तत्वावधान में 'सी.एम.एस. हाई स्कोरर्स कन्सर्ट' का भव्य आयोजन सी.एम.एस. गोमती नगर प्रथम कैम्पस ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया, जिसमें सी.एम.एस. छात्रों की संगीत उपलब्ध्यिों का जश्न बड़े ही उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस भव्य समारोह में सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट डा. रोजर डेविड किंगडन ने विद्यालय के उन मेधावी छात्रों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिन्होंने एसोसिएटेड बोर्ड ऑफ रायल स्कूल ऑफ म्यूजिक (ए.बी.आर.एस.एम.), लंदन के तत्वावधान में आयोजित संगीत परीक्षाओं में डिस्टिंक्शन अर्थात विशेष योग्यता अर्जित कर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लखनऊ का गौरव बढ़ाया है। इस अवसर पर ए.बी.आर.एस.एम. की ग्रेडेड संगीत परीक्षाओं में वायलिन, वायोला, डिस्कैंट रिकार्डर, पियानो, क्लैरिनेट, गायन, ट्रम्पेट एवं ट्राम्बोन आदि में

डिस्टिंक्शन अर्जित करने वाले छात्रों ने एक से बढ़कर एक शानदार संगीतमय प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया। दिसम्बर 2025 में सम्पन्न हुई ए.बी.आर.एस.एम. की संगीत परीक्षा में सी.एम.एस. के 11 कैम्पसों के प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा-6 तक के 517 छात्र शामिल हुए, जिनमें 47 छात्रों ने डिस्टिंक्शन जबकि 78 छात्रों ने मेरिट में स्थान अर्जित कर अपनी संगीत प्रतिभा का परचम लहराया है। एबीआरएसएम परीक्षा में छात्रों को तीन संगीत रचनाएँ प्रस्तुत करनी होती हैं,कृजिनमें बारोक, रोमांटिक एवं आधुनिक काल की संगीत प्रस्तुति के साथ ही संगीतमय नोटेशन पढ़ना होता है। इसके अलावा, परीक्षा में मौखिक व श्रवण परीक्षण, साइट-रीडिंग, स्केल्स एवं आर्पेजियो भी शामिल होते हैं। इस अवसर पर सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने विद्यालय के संगीत शिक्षकों को सम्मानित किया तथापि सी.एम.एस. संस्थापिका-निदेशिका डा. भारती गाँधी ने विद्यालय के संगीत शिक्षकों को उनकी उपलब्धियों हेतु हार्दिक बधाई व आभार प्रेषित किया, जो भावी पीढ़ी को संगीत के क्षेत्र में उच्चतम पायदान पर पहुँचाने हेतु बड़े ही मनोयोगपूर्वक जुटे हुए हैं।

एसआईआर के जरिये पीडीए समाज के अहित की साजिश : अखिलेश

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि माननीय न्यायालय, निर्वाचन आयोग व समस्त पत्रकार इस बड़े षड़यंत्र का संज्ञान लें कि एसआईआर के तहत गांवों में छपे-छपाये फार्म-7 जिसके माध्यम से आपत्ति करके कोई अन्य किसी का नाम कटवाने की साजिश कर सकता है कौन भेज रहा है। इसमें जो शिकायतकर्ता हैं उनका कोई अता-पता नहीं है। फर्जी हस्ताक्षर करवाकर, विपक्ष के वोट काटने की साजिश की जा रही है। पीडीए समाज ख़ासतौर से अल्पसंख्यक के नाम बड़े स्तर पर काटे जा रहे हैं। जिसके नाम की आपत्ति की जा रही है, उसे

भी नहीं मालूम है कि उसका नाम सब कुछ सही होने के बावजूद काटा जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि सभी न्यूज चैनलों, अख़बारों से अपील है कि वो इस महा-घोटाले का पर्दाफाश करें। हम स्थानीय यूट्यूबर व लोकल न्यूज कर्मियों से लोकतंत्र के हित में ये माँग करते हैं कि आप इस महाघोटाले का भंडाफोड़ करें व अपने स्तर पर प्रकाशित-प्रसारित करें। हम उनको पूरे देश-प्रदेश के सामने रखेंगे व आपकी ईमानदार पत्रकारिता को सच्चे दर्शकों-पाठकों तक पहुंचाएंगे।अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर में 'फॉर्म 7' के माध्यम से भाजपा द्वारा प्रदेश के कई जिलों से पीडीए और ख़ासतौर पर अल्पसंख्यकों के वोट कटवाने की जो साजिश की जा रही है, उसका तत्काल संज्ञान लिया जाए। उन्होंने कहा कि बेईमानी पर उतारू, ये घपलेबाज भाजपाई अपने विमुख हो चुके पन्ना प्रमुख तक ढूंढकर नहीं ला पा रहे हैं, वोटर कहाँ से लाएंगे। भाजपाई इस बार जाएंगे तो फिर कभी नहीं आएंगे।

संविधान की रक्षा और लोकतंत्र बचाने का संकल्प : सरोजनीनगर के नटकुर गांव में कांग्रेस की संविधान संवाद महापंचायत में भाजपा पर तीखा हमला

स्वतंत्र भारत लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में प्रदेश भर में आयोजित किए जा रहे ''संविधान संवाद महापंचायत कार्यक्रम'' की श्रृंखला के तहत राजधानी लखनऊ के विधानसभा क्षेत्र सरोजनीनगर के नटकुर गांव में तीसरी संविधान संवाद महापंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह बबलू द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय शामिल हुए, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय, पूर्व मंत्री ने की। महापंचायत में भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, समर्थक एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।संविधान संवाद महापंचायत को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी अविनाश पाण्डेय ने भाजपा सरकारों पर तीखा हमला करते हुए कहा कि योजनाओं के नाम पर भ्रष्टाचार चरम पर है और आमजन के हितों की पूरी तरह अनदेखी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकारें जनकल्याण की बजाय केवल क्रोनी पूंजीवाद को बढ़ावा दे रही हैं।

फ्रैक्चर मरीजों को मिलेगी निःशुल्क इम्प्लांट सुविधा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लोकबंधु अस्पताल की निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक डॉ. संगीता गुप्ता का सेवानिवृत्ति समारोह 31 जनवरी 2026 को गरिमामय

लोकबंधु अस्पताल में निदेशक डॉ. संगीता गुप्ता का गरिमामय सेवानिवृत्ति समारोह

एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस अवसर पर अस्पताल परिवार, चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई देते हुए उनके उल्लेखनीय योगदान को याद किया। डॉ. संगीता गुप्ता ने 7 अप्रैल 2025 को निदेशक पद का कार्यभार ग्रहण करने के बाद अल्प समय में अपने कुशल नेतृत्व से संस्थान को नई दिशा दी। उनके कार्यकाल में डीएनबी एक्रिडिटेशन प्राप्त होना, महत्वपूर्ण सिविल कार्यों का शुभारंभ और अस्पताल की व्यवस्थाओं का सुदृढ़ीकरण प्रमुख उपलब्धियां रहीं। अग्निकांड जैसी गंभीर घटना के दौरान उनके त्वरित निर्णय और प्रभावी समन्वय से किसी भी प्रकार की जन-धन हानि नहीं हुई, जो उनके प्रशासनिक कौशल का उदाहरण है। सेवानिवृत्ति अवसर पर डॉ. गुप्ता ने जनहित में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए ऑर्थोपेडिक फ्रैक्चर मरीजों के लिए निःशुल्क इम्प्लांट सुविधा की घोषणा की। इससे आयुष्मान योजना से वंचित गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को भी बिना किसी खर्च के इलाज मिल सकेगा। प्रदेश में यह पहली बार है जब किसी सरकारी अस्पताल में फ्रैक्चर मरीजों को इम्प्लांट पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में डॉ. संगीता गुप्ता के नेतृत्व, अनुशासन और कार्यसंस्कृति की सराहना करते हुए उन्हीं मूल्यों के साथ संस्थान को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। यह सेवानिवृत्ति समारोह अस्पताल परिवार के लिए भावुक क्षण रहा। सभी ने कामना की कि डॉ. संगीता गुप्ता का मार्गदर्शन और आशीर्वाद भविष्य में भी लोकबंधु अस्पताल को मिलता रहे।

विधायक निधि से ब्लड बैंक को भेंट की एंबुलेंस

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत विधायक डॉ. नीरज बोरा ने विधान मण्डल क्षेत्रीय विकास निधि से लायंस ब्लड बैंक को एंबुलेंस प्रदान किया। इस एंबुलेंस के उपलब्ध होने से रक्तदान, रक्त संग्रह एवं आपूर्ति व्यवस्था के साथ-साथ आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं का संचालन अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा।

रविवार को सीतापुर रोड स्थित एक होटल में विधायक डॉ. नीरज बोरा ने कहा कि मानव सेवा सर्वोपरि है और सुदृढ़ आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएँ अनेक अमूल्य जीवन बचाने में सहायक सिद्ध होती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जनस्वास्थ्य से जुड़ी आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं सशक्तिकरण को प्राथमिकता दे रही है और भविष्य में भी स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

इस अवसर पर लायन्स क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन राम चंद्र मिश्र, लायन मुकेश जैन, लायन परमजीत सिंह, लायन दलजीत सिंह, लायन विनीत श्रीवास्तव, लायन अशोक कुमार गौतम, लायन आनंद व अरुणेश मौजूद थे।

सिविल अस्पताल में विदाई सम्मान समारोह संपन्न

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल चिकित्सालय में चीफ फार्मेसिस्ट अलका श्रीवास्तव की सेवानिवृत्ति पर उनका भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह में चिकित्सालय की निदेशक डॉक्टर कजली गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर देवेश चंद्र पांडेय, चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर एसआर सिंह, वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर अजय शर्मा, डॉक्टर निमेश भल्ला, प्रभारी अधिकारी फार्मेसी आनंद सिंह, चिकित्सालय के चीफ फार्मेसिस्ट एवं फार्मेसिस्टों के साथ ही अन्य संवर्गों के कर्मी तथा अन्य संवर्गों के प्रतिनिधि एवं प्रशिक्षु फार्मेसिस्ट भी

उपस्थित थे। फार्मेसिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने कार्यक्रम का संचालन किया। सम्मान समारोह को चीफ फार्मेसिस्ट दया शंकर पांडे, दिनेश सिंह, सुधीर कुमार, रजनीश पांडे, ओपी पटेल, महेंद्र रावत, आनंद मिश्रा, दिनेश सिंह, अंजुम, प्रतिमा, श्रवण कुमार चौधरी, विशाल राठौर, कासिम, सुएब ने भी संबोधित किया। पूर्व चीफ फार्मेसिस्ट अजय मिश्रा ने काव्यपाठ के माध्यम से व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ फार्मेसिस्ट एवं डीपीआरए के जिला कोषाध्यक्ष अजय कश्यप ने कार्यक्रम के प्रबंधन का जिम्मा संभाला। सम्मान समारोह में चिकित्सालय के फिजियोथैरेपिस्ट विवेक तिवारी, मिनिस्टीरियल विभाग के योगेंद्र शुक्ला, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष महेंद्र पांडे, रविंद्र यादव, वीरेंद्र यादव, जीवन आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती धूमधाम से मनाई

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। संत रविदास ज्ञान विहार, कल्ली पश्चिम रायबरेली रोड में संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत संत रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई, जो पूज्य भन्ते एम.एल. आदित्य (बौद्धाचार्य) द्वारा त्रिसरण एवं पंचशील के साथ संपन्न कराया गया। सभा का संचालन बौद्धाचार्य बीर बहादुर बौद्ध (संयुक्त सचिव, संत रविदास ज्ञान विहार समिति) ने किया। वक्ताओं ने संत रविदास जी के विचारों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि काम, क्रोध, लोभ, अहंकार और ईर्ष्या मानव के सबसे बड़े शत्रु हैं तथा संत रविदास जी ने जीवन भर समाज को इनसे दूर रहने की प्रेरणा दी।

मुख्य वक्ता एवं विशिष्ट अतिथियों में प्रो. बसंत कुमार (विभागाध्यक्ष, पीडियाट्रिक गैस्ट्रो सर्जरी, एसजीपीजीआई), एस.पी. चौधरी (निदेशक, एमएस हॉस्पिटल), अरविंद कुमार (एमएलटी), राम कुमार गौतम (पूर्व एसडीएम, लखनऊ), राम लगन सिंह यादव (पूर्व डिप्टी कमिश्नर), सत्यवीर सिंह यादव (पूर्व जिला जज, लोक अदालत), डॉ. एल.के. भारती, ओम प्रकाश, मा. राज कुमार (पूर्व डीजीएम, एनटीपीसी), बौद्धाचार्य जे.पी. बौद्ध, अनुरेन्द्र कुमार (अन्नू), सतीश चंद्र, डॉ. अशोक कुमार रवि, विनय कुमार, श्रीमती उर्मिला बौद्ध शामिल रहे। कार्यक्रम में उदय राज (अध्यक्ष), सुभाष चन्द्र, विजय बहादुर, आरती वर्मा, जया आदर्श, डॉ. दृष्टि जैसवार, दिनेश मिस्त्री, मंजू लता राव, रचना कुरील, राज कुमार, बुद्धसेन गौतम, अमर नाथ, प्रो. उमा शंकर, चन्दन कुमार, जे.एन. यादव, कमल किशोर, श्रीमती सुखलेस, गंगाराम गौतम, बच्चन लाल, राम स्वरूप गौतम, के.पी. प्रसाद, शेर बहादुर गौतम सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन 'जय संत रविदास, जय भीम, जय संविधान' के नारों के साथ शांतिपूर्ण वातावरण में हुआ।

भक्तिमय हुई गोमती तट की शाम

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर सनातन महासभा द्वारा

१४८वीं महाआरती और सनातन समागम का भव्य आयोजन

झूलेलाल वाटिका स्थित गोमती तट पर 148वीं आदि गंगा माँ गोमती महाआरती एवं सनातन समागम का भव्य आयोजन रविवार को किया गया। शुरुआत संगीतमयी सुंदरकांडः शिवाराम मिश्र के नेतृत्व में श्री सुंदरकांड के मधुर पाठ से हुआ। बाद में सात विशाल मंचों से स्वामी आनंद नारायण, शिवाराम मिश्र एवं आनंद शेखर सिंह के सानिध्य में शंखनाद और डमरू की गूँज के बीच महाआरती संपन्न हुई। आरती के पश्चात 501 दीपों से घाट दिवाली की तरह जगमगा उठा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शुभम के कथक नृत्य और शशि गुप्ता, मीरा तिवारी व गीता निगम के भजनों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। महासभा के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण ने बताया कि इस वर्ष को 'गोमती बचाव अभियान वर्ष' के रूप में मनाने का सामूहिक संकल्प लिया गया है। कार्यक्रम में बच्चों व महिलाओं के लिए रामायण व गीता पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। इस अवसर पर धर्म विस्तार हेतु 11 पदाधिकारियों को गंगाजल व कृपाण भेंट कर संकल्पित कराया गया। कार्यक्रम का संचालन विकास मिश्र ने किया। इस अवसर पर रवि कचरू,शैलेन्द्र श्रीवास्तव, सुधांशु शुक्ल, तेजस्वी गिरी, सुनीता गोस्वामी,अतुल तिवारी,मधुबाला सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सादगी से मनाया संत नरहरि दास का जन्मदिवस

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। रामचरित मानस के यशस्वी रचयिता तुलसीदास को संस्कृत की जगह लोकभाषा में रचना की प्रेरणा देने वाले संत नरहरि दास का जन्मदिवस समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में सादगी से मनाया गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी ने संत नरहरि दास जी के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। अखिलेश यादव का मानना है कि संत नरहरि दासकी साधना में करुणा, क्षमा और मर्यादा का विशेष स्थान था। वे लोकभाषा के समर्थक थे। उनकी भक्ति संसार से भागने की नहीं, संसार को बेहतर बनाने का माध्यम थी। उनके जीवन में संकीर्णता को स्थान नहीं था। तुलसी दास जी के जीवन को उन्होंने बहुत हद तक प्रेरणादायक दिशा दी थी।

एमएलएन मेडिकल कॉलेज को दिया वाहन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी सीएसआर पहल के अंतर्गत एम.एल.एन. मेडिकल कॉलेज (मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज), प्रयागराज को एक वाहन भेंट किया। लखनऊ मण्डल के मुख्य महाप्रबंधक श्री दीपक कुमार दे ने प्राचार्य डॉ. वीके पांडे की उपस्थिति में वाहन सौंपा, जिससे अस्पताल और कॉलेज परिसर में दवाओं व चिकित्सा उपकरणों के परिवहन में सुविधा मिलेगी।

कथक फ्यूजन से समा बांधा

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ।फ्यूजन डांसर लीना वासवानी ने लखनऊ में आयोजित राब्ता लखनऊ-कोलकाता कार्यक्रम के दौरान हुस्न-ए-करिगरी शोकेस में बेली डांस और कथक के अनोखे फ्यूजन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी सधी हुई मुद्राएं, भावपूर्ण अभिव्यक्ति और ऊर्जावान प्रस्तुति को खूब सराहना मिली, वहीं दर्शकों ने तालियों से उनका उत्साह बढ़ाया।

epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : epaper.swatantrabharat.net

...इसलिए लाइन भेजे गए प्रभारी इंदिरानगर

कई थाना प्रभारी रडार पर हो सकती है कार्रवाई

स्वतंत्र भारत लखनऊ। वैसे रसूख हो तो नियम बेमानी हैं। यह मैं नहीं बल्कि लखनऊ कमिश्नरेट के कई थानों पर तीन साल पूरा कर रहे वह थाना प्रभारी व अंडर ट्रांसफर थानाध्यक्ष हैं जो पुलिस मुख्यालय के आदेश को दर किनार कर जमे हुए हैं। इंदिरानगर कोतवाल के लाइन हाजिर होना पुलिस विभाग में इस समय गर्माया हुआ है । खाकी से लेकर आम जनमानस तक अचानक लाइन हाजिर होने को लेकर वजह जानने की कोशिश में है। सूत्रों की माने तो इंदिरानगर के मानस इलाके में एक पार्क है जिसके चारों तरफ वीवीआईपी निवास करते हैं उस पार्क को मामूली अतिक्रमण से मुक्त कराया जाना था और इसके लिए एलडीऐ ने नोटिस भेजकर फोर्स की मांग की थी । अफसरों के आदेश के बाद भी फोर्स नहीं दी गई और जब कारण पूछा गया तो फोर्स की कमी बताई गई। ऐसे में जब पूर्वी जोन के अफसर ने इंस्पेक्टर से खुद क्यों न जाने की बात कही तो इंस्पेक्टर ने आनन फानन में अपनी रवानगी दिखा दी। हटाए जाने के कई कारण सामने आ रहें हैं जैसे इलाके के सुग्गा मऊ में स्थित एक फैक्ट्री है। बताया जा रहा है कि इंदिरानगर इंस्पेक्टर अपने अफसरों की भी नहीं सुनते थे वहीं जानकार बताते हैं कि इलाके में काफी चोरियां हुई और खुलासा शून्य रहा। यही नहीं इलाके में नए अपराधियों की कई गैंग पनपी जिस पर भी लगाम लगाने में असमर्थ रहे। ऐसे कई मामलों की शिकायत जब सीपी लखनऊ अमरेंद्र सेंगर तक पहुंची तो वह आग बबूला हो गए और उन्होंने इंस्पेक्टर सुनील कुमार तिवारी को सीधे लाइन का रास्ता दिखा दिया।

बताया जा रहा है कि पुलिस कमिश्नर लखनऊ अब एक्शन मोड पर आ गए हैं और जल्द ही वह भ्रष्टाचार की मिल रही शिकायतों को देखते हुए कई कोतवाली प्रभारियों को हटाने का मन बना चुके हैं। ऐसे में प्रभारी विहीन चल रहे कृष्णानगर, आलमबाग और इंदिरानगर थानों को इंचार्ज मिल सकेंगे।

मदरसे में लगी आग दमकलकर्मियों ने बच्चों को सुरक्षित बचाया

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के जरनैलगंज स्थित दारुल उलूम मदरसे में रविवार की दोपहर में अचानक से आग लग गई। समय रहते मदरसा संचालक ने पुलिस और दमकल को घटना की जानकारी दी आनन-फानन में दमकल कर्मियों ने पहुंचकर आग पर काबू करने के साथ वहां मौजूद करीब 150 बच्चों को सुरक्षित बचाने के साथ उनको वहां से आग से बचकर भागने में मदद की कोई जनहानि नहीं हुई है। दमकल कर्मियों ने दो घंटे में आग पर काबू पा लिया। एफएसओ ने बताया कि मदरसे की पहली मंजिल पर बने कमरे में दोपहर करीब 12 बजे आग की लपटें और धुआं निकलते देख वहां अफरा-तफरी के साथ शोरगुल सुनकर मदरसे में रह रहे अन्य बच्चे भाग कर बाहर आ गए। कुछ ही मिनट में एफएसओ चौक दो गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंच गए। उनकी टीम ने कड़ी मशक्कत कर एक घंटे में आग पर काबू पा लिया। एफएसओ के मुताबिक आग कैसे लगी इस बात की जांच की जा रही है।

एडीजी कानून एवं व्यवस्था ने माघ मेला का किया निरीक्षण

अमिताभ यश ने भीड़ प्रबंधन व सुरक्षा व्यवस्था पर दिए निर्देश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) उत्तर प्रदेश अमिताभ यश उनके स्टाफ अफसर सत्यसेन ने दो दिवसीय कैम्प करते हुए माघ मेला क्षेत्र का व्यापक भ्रमण व निरीक्षण किया। उस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ आवागमन, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर ने पान्टून पुल संख्या-01 से संगम नोज तक पैदल भ्रमण करते हुए श्रद्धालुओं की आवाजाही, भीड़ प्रबंधन एवं यातायात व्यवस्था की स्थिति को देखा। इसके बाद उन्होंने संगम नोज से बोट के माध्यम से जलमार्ग से त्रिवेणी संगम घाट, अरैल घाट, झूसी घाट, किला

घाट सहित अन्य प्रमुख घाटों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने आईसीसीसी (इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर) का भी अवलोकन कर तकनीकी निगरानी व्यवस्था और समन्वय प्रणाली की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि मेला क्षेत्र से निकासी मार्गों को निर्बाध रखा जाए, ताकि किसी भी स्थान पर अवरोध उत्पन्न नहीं होने के साथ ही आकस्मिक स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पुलिस और संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा, साइबर जागरूकता, खोया-पाया केंद्र तथा सूचना तंत्र को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उस दौरान वहां ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें कर्तव्यनिष्ठा, शालीन व्यवहार और पूर्ण सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

खबर एक नजर

एसीपी बीकेटी के वाहन में मारी टक्कर, गनर घायल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। बक्शी का तालाब थाना क्षेत्र के चंद्रिका देवी मोड़ के पास में रविवार दोपहर को एसीपी बीकेटी की सरकारी वाहन से किसी कार्य से क्षेत्र में भ्रमणशील थे उसी दौरान एक संदिग्ध वाहन का पीछा कर रहे थे उसी दौरान ओवरटेक करने के दौरान उनकी गाड़ी से इनोवा कार टच होने और अचानक ब्रेक लगाने से दुर्घटनाग्रस्त हो गई हादसे में उनके सुरक्षाकर्मी को चोटें आई जिनको प्राथमिक उपचार के बाद जाने दिया गया।जानकारी के मुताबिक एसीपी ज्ञानेंद्र सिंह एक संदिग्ध वाहन का पीछा कर रहे थे उसी दौरान चंद्रिका देवी मोड़ के पास एक इनोवा कार ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। जिससे उनके सुरक्षाकर्मी घनश्याम को मामूली चोटें आई उन्हें आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत स्थिर होने के बाद जाने दिया गया। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही बीकेटी पुलिस इनोवा चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ करने के बाद एसीपी बीकेटी के निर्देश पर चालक को छोड़ दिया गया घटना में कोई नुकसान नहीं हुआ है।

संदिग्ध हालात में बुजुर्ग की मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। थाना इन्दिरानगर क्षेत्र के इंसाफनगर कॉलोनी स्थित गौतमबुद्ध पार्क, सेक्टर-10 में रहने वाले 73 वर्षीय बुजुर्ग लाल प्रताप सिंह की उपचार के दौरान मौत हो गई। मामला संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ सेवन करने से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 फरवरी 2026 को प्रातः करीब 09 बजे थाना इन्दिरानगर को चंदन हॉस्पिटल, विभूतिखंड से एक डेथ मेमो प्राप्त हुआ। मेमो में अवगत कराया गया कि उपचार के दौरान एक बुजुर्ग व्यक्ति की मृत्यु हो गई है। अस्पताल से मिली सूचना के अनुसार लाल प्रताप सिंह को 31 जनवरी 2026 की रात्रि लगभग 09 बजे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया गया कि उन्होंने किसी अज्ञात जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। चिकित्सकों द्वारा तत्काल उपचार शुरू किया गया, लेकिन रात्रि करीब 11:55 बजे उनकी मृत्यु हो गई।परिजनों के अनुसार 31 जनवरी की शाम लगभग 08 बजे मृतक की बहू जब उन्हें खाना देने उनके कमरे में पहुंची, तो उन्होंने देखा कि लाल प्रताप सिंह उल्टियां कर रहे थे। पूछने पर उन्होंने स्वयं जहरीला पदार्थ सेवन करने की बात बताई। इसके बाद परिजन तत्काल उन्हें इलाज के लिए चंदन हॉस्पिटल लेकर पहुंचे।परिजनों ने यह भी बताया कि लाल प्रताप सिंह प्रधानाध्यापक पद से सेवानिवृत्त थे। उनके परिवार में एक पुत्र और एक पुत्री हैं। घटना की सूचना मिलते ही थाना इन्दिरानगर पुलिस ने अस्पताल और मौके पर पहुंचकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

सीओ ऑपरेशन के तहत एएनटीएफ की बड़ी कार्रवाई

एक करोड़ एक लाख 62 हजार रुपए की अवैध हेरोइन व चरस बरामद

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। सूबे में जगह-जगह आतंक का पर्याय बने अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सीओ ऑपरेशन

- **लखनऊ, वाराणसी और प्रयागराज जिले से तीन तस्कर गिरफ्तार**

एएनटीएफ डॉ बीनू सिंह के नेतृत्व में एएनटीएफ यूनिट लखनऊ, एएनटीएफ यूनिट वाराणसी व एएनटीएफ यूनिट प्रयागराज की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन तस्करों को धरदबोचा।

पकड़े गए तस्करों के पास से करीब एक करोड़ एक लाख 65 हजार रुपए कीमत की हेरोइन व चरस बरामद हुई है। एएनटीएफ यूनिट मीडिया प्रभारी के मुताबिक

लखनऊ के प्रभारी दर्शन यादव के नेतृत्व में पीजीआई थाना क्षेत्र के तेलीबाग स्थित वृंदावन कालोनी के पास से वृंदावन कालोनी निवासी पवन कुमार सिंह को दबोचा है। एएनटीएफ के मुताबिक पकड़े गए तस्कर के पास से 505 ग्राम अवैध हेरोइन, एक मोबाइल फोन व 3,155 रुपए की नकदी बरामद हुई है। बरामद अवैध हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक करोड़ एक लाख रुपए बताई जा रही है। वहीं दूसरी ओर एएनटीएफ यूनिट वाराणसी के प्रभारी वाराणसी जिले के भेलूपुर थाना क्षेत्र से मधुबनी बिहार निवासी विनोद कुमार गुप्ता को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर के पास से दो किलो 500 ग्राम अवैध चरस, एक स्कूटी, एक मोबाइल फोन व 1040 रुपए की नकदी बरामद हुई है। बरामद चरस की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब सात लाख रुपए आंकी जा रही है। इसके अलावा एएनटीएफ यूनिट प्रयागराज के प्रभारी सत्येंद्र प्रधान की टीम ने प्रयागराज जिले के कर्नलगंज थाना क्षेत्र स्थित ढरहरिया के पास से झोपड़पट्टी थाना दारागंज प्रयागराज निवासी धर्मेन्द्र पटेल को गिरफ्तार किया है।

एएनटीएफ के मुताबिक पकड़े गए तस्कर के पास से 275 ग्राम अवैध हेरोइन, 2,4,790 रुपए की नकदी बरामद हुई है। बताया जा रहा है कि बरामद अवैध हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 55 लाख रुपए के करीब बताई जा रही।

दमाम से आया प्लेन लखनऊ में नहीं उतरा, दिल्ली वापस

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। खराब मौसम व कोहरे के चलते रविवार तड़के अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन प्रभावित रहा।

इसी क्रम में दमाम से लखनऊ आ रही फ्लाइनेस की अंतरराष्ट्रीय उड़ान को लखनऊ हवाई अडडे के ऊपर कई चक्कर लगाने के बाद दिल्ली वापस लौटना पड़ा। एटीसी अफसरों के मुताबिक फ्लाइनेस की विमान संख्या एक्स वाई-896 को सुबह करीब 5:15 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरना था, लेकिन कम दृश्यता (विजिबिलिटी) के कारण एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने लैंडिंग की अनुमति नहीं दी।

- **कोहरे की वजह से कई चक्कर लगाए**

विमान लखनऊ एयरपोर्ट के आसपास कुछ देर तक हवा में चक्कर लगाता रहा, लेकिन मौसम में सुधार न होने पर एटीसी के निर्देश पर उसे दिल्ली एयरपोर्ट भेज दिया गया, जहां विमान को सुरक्षित उतार लिया गया।

इस उड़ान में 200 यात्री सवार थे, जिन्हें लखनऊ के बजाय दिल्ली पहुंचना पड़ा। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि बाद में मौसम सही होने पर यह विमान दिल्ली से सुबह 9:00 बजे पुनः लखनऊ पहुंच सका। खराब मौसम का असर अन्य उड़ानों पर भी देखने को मिला। दिल्ली से सुबह 6:15 बजे लखनऊ पहुंचने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान करीब दो घंटे की देरी से लखनऊ पहुंची।

रेस्टोरेंटकर्मी का पंखे से लटका मिला शव

सुसाइड नोट में लिखा- मैं चोर नहीं हूं, चोरी का दाग लेकर जिंदा नहीं रह सकता...

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। मड़ियांव थाना क्षेत्र में रविवार को एक रेस्टोरेंट कर्मी ने फांसी का फंदा लगाकर पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। होटलकर्मियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसकी पहचान कराते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वहीं मौके से एक सुसाइड नोट मिला जिसमें लिखा है- मैं चोर नहीं हूं। पुलिस के मुताबिक अंशू कश्यप गुड बेकर्स रेस्टोरेंट काम करता था। उसका कुछ दिनों पहले अन्य कर्मियों से हिसाब व 500 रुपये की चोरी का आरोप लगाया था।

इससे आहत होकर सुसाइड नोट में उसने लिखा कि मैं अच्छा और ईमानदार कर्मचारी हूं 500 के हिसाब में अपनी गलती छिपाने के लिए मैंने झूठ बोला। अब मालिक की नजरों में मैं बेईमान साबित हो चुका हूं। बेईमानी और चोरी का दाग लेकर मैं जिंदा नहीं रह सकता, इसलिए खुदकुशी कर रहा हूं। उसने यह भी लिखा कि मेरी मां का ध्यान रखना बिना किसी को बताए पहली मंजिल पर बने हॉल में चला गया। काफी देर तक बैठा रहा। जब उसने समझ लिया कि अब यहां कोई नहीं आ रहा है तो कुर्सी पर चढ़कर छत के पंखे से फंदा बांधकर लटक गया। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्रा का कहना है कि अभी तक किसी भी तरह की लिखित शिकायत नहीं आई है। सुसाइड नोट मिला है, जिसके आधार पर जांच की जा रही है।

जानलेवा हमलावर गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत नगराम। नगराम थाना क्षेत्र के सलेमपुर अचका गांव में बीते सोमवार को रिश्तेदारों के साथ मिलकर एक युवक की लाठी-डंडों से पिटाई कर जान लेवा हमले किया था।

पीड़ित की नामजद तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी को समेसी नहर पुल के पास से घटना में प्रयुक्त हथौड़ी के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजने के साथ ही अन्य फरार लोगों की तलाश में जुटी है। थानाध्यक्ष नगराम विवेक चौधरी ने बताया कि मंगलवार के दिन सलेमपुर अचाका गांव निवासी मिठाई लाल ने पुलिस को शिकायती तहरीर देते हुए नामजद करते हुए बताया कि उनका लड़का गोबिंद बाहर रहकर मजदूरी करता है और सोमवार को घर लौटा था।

दोपहर बाद वह घर के पास स्थित किराने की दुकान पर बैठा था उसी दौरान पड़ोसी दीपक ने अपने पिता श्रीपाल, मां, बहन गुड़िया व मोहनलालगंज के हुलास खेड़ा निवासी अपने मामा के लड़के दीपक के साथ मिलकर गोबिंद पर लाठी-डंडों जान लेवा हमला कर घायल कर दिया।

मिठाई लाल द्वारा दी गई तहरीर पर सभी नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर तलाश की जा रही थी। उप निरीक्षक चंद्र बहादुर यादव व उपनिरीक्षक रजनीश कुमार द्वारा हमराही सिपाही आकाश कुमार के साथ शनिवार शाम आरोपी दीपक को घटना में प्रयुक्त हथौड़ी के साथ इंदिरा नहर के समेसी पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

कूटरचित दस्तावेजों से भूमि धोखाधड़ी का खुलासा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन अंतर्गत थाना मोहनलालगंज पुलिस ने कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से भूमि धोखाधड़ी के एक गंभीर मामले में फरार चल रहे शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा भूमि संबंधी अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई है।मामले की शुरुआत 10 अक्टूबर 2025 को उस समय हुई, जब शिकायतकर्ता सैय्यद फरहान हुसैन, निवासी ऐशबाग, लखनऊ ने थाना मोहनलालगंज में प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया कि उनके पिता स्वर्गीय मोहम्मद उवैस की मृत्यु 12 जुलाई 2025 को हो चुकी है तथा वह ग्राम घुसकर, परगना मोहनलालगंज स्थित पैतृक भूमि के वैध उत्तराधिकारी हैं। शिकायतकर्ता के अन्य चाचाओं की भी पूर्व में मृत्यु हो चुकी थी और भूमि की देखरेख स्वयं शिकायतकर्ता द्वारा की जा रही थी।दिनांक 20 अगस्त 2025 को जब शिकायतकर्ता तहसील मोहनलालगंज में विरासत दर्ज कराने पहुंचे, तब उन्हें जानकारी मिली कि शहाबुद्दीन निजामुद्दीन उस्मानी, भगवान देई चौहान और विमल गिरि द्वारा आपराधिक षड्यंत्र रचते हुए मृत व्यक्तियों के स्थान पर अन्य लोगों को प्रस्तुत कर कूटरचित दस्तावेजों व फर्जी हस्ताक्षरों के माध्यम से पैतृक भूमि का बैनामा अपने पक्ष में करा लिया गया है। शिकायतकर्ता ने स्पष्ट किया कि उनके या उनके परिवार के किसी भी सदस्य द्वारा कभी किसी के पक्ष में कोई बैनामा नहीं किया गया था।मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना मोहनलालगंज में मु0अ0सं0 393/25 अंतर्गत भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि रमेश कुमार गिरि, अग्गन और खुशीराम द्वारा फर्जी विक्रेता बनकर अपराध कारित किया गया था, जिन्हें 22 दिसंबर 2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। इसके अतिरिक्त फर्जी गवाह बनी भगवान देई चौहान को भी 30 जनवरी 2026 को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।प्रकरण में नामित अभियुक्त विमल गिरि लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस टीम द्वारा लगातार दबिश और तलाश के दौरान 31 जनवरी 2026 को सूचना प्राप्त हुई कि अभियुक्त मऊ तिराहा, थाना क्षेत्र मोहनलालगंज में मौजूद है। सूचना के आधार पर थाना मोहनलालगंज पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए समय करीब 19:15 बजे अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त को आज न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है, जबकि अन्य संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध साक्ष्य संकलन की कार्यवाही जारी है।

- **पुलिस ने फरार शातिर अभियुक्त को किया गिरफ्तार**

उन्नाव जेल अधीक्षक से लाखों की ठगी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उन्नाव के जेल अधीक्षक को ही साइबर ठगों अपना शिकार बना लिया। बेटी का मेडिकल कॉलेज में एडमिशन कराने का झांसा देकर 4 महीने में 50 लाख रुपए ठग लिए गए। जेल अधिक्षक जस्ट डायल के माध्यम से कंसल्टेंसी के प्रोपराइटर से संपर्क में आए थे। आरोपी ने उन्हें बाराबंकी के सफेदाबाद स्थित हिंद मेडिकल कॉलेज में सीट सुरक्षित कराने का आश्वासन देकर रकम ट्रांसफर कराने के बाद प्रोपराइट ने फोन बंद कर लिया फोन बंद होने पर वह लखनऊ स्थित उसके कार्यालय पहुंचे तो वह भी बंद मिला। जेल अधिक्षक ने कंसल्टेंसी संचालक और उसके साथियों के खिलाफ सदर कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई है। साइबर पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्नाव के जिला जेल में तैनात जेल अधीक्षक पंकज कुमार सिंह ने अपनी बेटी के नीट काउंसलिंग के माध्यम से 'जस्ट डायल' का सहारा लिया। उनका संपर्क 'स्टडी पाथवे कंसल्टेंसी' के प्रोपराइटर अभिनव शर्मा से की उन्होंने मेडिकल कॉलेज बेटी का प्रवेश दिलाने में सहायता मांगी। अभिनव शर्मा ने उन्हें बाराबंकी के सफेदाबाद स्थित हिंद मेडिकल कॉलेज में प्रवेश सुरक्षित कराने का आश्वासन दिया। ड्राफ्ट के जरिए 20 लाख रुपए ट्रांसफर किए पंकज कुमार सिंह ने आरोप लगाया कि इस प्रवेश के एवज में, हिंद इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के नाम पर अलग-अलग तारीखों पर बड़ी धनराशि की मांग की गई। पीड़ित के मुताबिक, अभिनव शर्मा के कहने पर कुल 20 लाख रुपए के दो बैंक ड्राफ्ट बनाए गए। 18 जुलाई 2025 को को 10 लाख रुपए का पहला ड्राफ्ट बैंक के खाते से और दूसरा 19 जुलाई 2025 को 10 लाख रुपए का ड्राफ्ट पंकज की पत्नी के खाते से बनाया गया। 30 लाख रुपए जमा कराए इसके अलावा, 24 अक्टूबर 2025 को अभिनव द्वारा बताए गए कोटक महिंद्रा बैंक, विभव खंड, गोमती नगर, लखनऊ के खाते में 30 लाख रुपए की राशि पंकज कुमार सिंह के खाते से ट्रांसफर की गई। ये सारे भुगतान उन्नाव शहर से किए गए थे।

- **बेटी को मेडिकल कॉलेज में एडमिशन दिलाने का झांसा देकर फंसाया**
- **जस्ट डायल ने वेबसाइट से हटाई जानकारी**

दो ट्रक आपस में टकराए चालक घायल

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। सरोजनी नगर क्षेत्र में रविवार तड़के कोहरे के चलते कानपुर की ओर जा रहे ट्रक ने आगे-आगे चल रहे ट्रक में टक्कर मार दी। जिससे पीछे चल रहे ट्रक के चालक व उसका एक साथी घायल होकर केबिने में फस गये। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह से चालक को निकालकर अस्पताल पहुंचाया और दोनों ट्रकों को किनारे लगाकर आवागमन संचालित कराया। पुलिस के मुताबिक सरोजनी नगर के दरोगा खेड़ा स्थित कानपुर रोड पर इटावा जिले के ऊचाहार निवासी 28 वर्षीय ट्रक चालक दीपक अपने क्लीनर विकास (कन्नौज निवासी) के साथ ट्रक चला रहा था। घने कोहरे के कारण आगे-आगे चल रहा ट्रक दूसरे रास्ते पर चला जा रहा था। राहगीरों ने तुरंत पुलिस और फायर कंट्रोल रूम को सूचना दी। सरोजनी नगर फायर स्टेशन से एफएसओ धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में दमकल टीम मौके पर पहुंची। फायर टीम ने पहले दीपक को निकालने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद हजरतगंज से मल्टी डिजास्टर रिस्क वैन (एमडीआरवी) मंगाई गई। काफी देर तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद, केबिन को काटकर गंभीर रूप से घायल दीपक को बाहर निकाला गया। उसका लोक बंधु अस्पताल में इलाज जारी है।

थार से युवक का अपहरण कर मारपीट

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। शेरपुर थाना क्षेत्र में एक युवक को थार सवार लोगों ने उसे लिफ्ट के बहाने गाड़ी में बैठाकर बंधक बनाकर उसके हाथ-पैर बांधकर पिटाई करते हुए जेब से करीब 60 हजार रुपए और फोन लूट लिया और उसे आलू के एक खेत में उसे बंधा हुआ फेंककर भाग गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस युवक से पूछताछ कर तहरीर के आधार पर कार्रवाई कर रही है। पुलिस के मुताबिक सैरपुर क्षेत्र में ग्रामीणों की सूचना मिली कि एक पीड़ित हृदय नारायण कानपुर के घाटमपुर का रहने वाला है।

वह खेत में बैठा रो रहा है और उसने लोगों को बुला रहा था यह देख लोगों ने उसके हाथ-पैर खोले। उसने बताया कि यहां एलपीजी गैस की गाड़ी चलाता है। उसने बताया कि शनिवार रात वह आमौसी स्थित एलपीजी प्लांट से ट्रक लेकर कानपुर वापस जा रहे थे। रात करीब 9 बजे अमौसी में हाइडिल के पास वह गाड़ी का इंतजार कर रहा था उसी दौरान एक थार उनके पास आकर रुकी उसमें बैठे चार युवकों ने हृदय नारायण से कानपुर जाने के बारे में पूछा और लिफ्ट देते हुए उसे गाड़ी में बैठा लिया, लेकिन कुछ दूर चलने के बाद गाड़ी को रिंग रोड की तरफ मोड़ दिया और एक युवक ने पिस्तौल निकालकर उसकी आंखों पर पट्टी बांधने के साथ ही हाथ-पैर बांधकर पूरे रास्ते भर मारते-पीटते रहे और उसकी जेब में रखे 60 हजार रुपए छीन लिए।

- **60 हजार का मोबाइल लूटकर खेत में फेंका**

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

ठोस-सशक्त आधार

आगामी वित्तीय वर्ष के लिए उम्मीदों के रंग को गाढ़ा करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत अर्थव्यवस्था की तस्वीर पिछले वर्षों से उठाए जा रहे सधे कदमों को और गति देने की दिशा में ठोस तथा दूरदर्शितापूर्ण प्रयास है। सबसे सबल पक्ष तेज रफ्तार विकास के लिए आशिकी के साथ आम क्रियाकलापों को और अधिक समाहित करने को भरपूर प्रोत्साहन देना है। रक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, विज्ञान, शिक्षा, कला, खेल आदि को महत्व देना इसमें शामिल है। शहर के साथ ग्रामीण विकास के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर को और मजबूती देने का प्रयास भी स्पष्ट दिखाई देता है। इस समय के सबसे महत्वपूर्ण रक्षा क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिएरुपए का प्रावधान सरकार की प्राथमिकता को स्पष्ट करता है। यह भारत के प्रति द्वेष भाव रखने वाले पड़ोसियों को उतना ही स्पष्ट संदेश भी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा ठोके गए अतिरिक्त पचीस प्रतिशत शुल्क से निपटने के लिए भी बड़ी गहराई से कदम उठाने के प्रस्ताव बजट में हैं। रुपए में गिरावट तथा सोने चांदी के दामों में उतार-चढ़ाव को संभालने के प्रयास भी किए गए हैं। देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयां देने वाले औद्योगिक क्षेत्र के विभिन्न पक्षों को स्वाभाविक रूप से वैश्विक प्रतिस्पर्धा के समानांतर बनाने की दिशा में भूतपूर्व प्रावधान वित्त मंत्री की दूरगामी सोच को उजागर करते हैं। विज्ञान एवं अंतरिक्ष विज्ञान में भारत विकसित देशों के बराबर आने की स्थिति में है जिसे बढ़ाने को भी अधिकतम महत्व दिया गया है। पिछले करीब पांच वर्षों के दौरान हमारे युवा खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर अपनी भरपूर धाक जमा कर पोडियम पर आते रहने का सिलसिला कायम कर रखा है। खुद प्रधानमंत्री भी इन सफलताओं के कायल होते रहे हैं। नए बजटीय प्रावधानों से निश्चित ही यह क्रम अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ेगा। विकास को अधिकतम तेजी तथा आम जन को अधिकतम राहत इसका मूल मंत्र है। यह जरूर है कि महंगाई, बेरोजगारी और असमान आय जैसी समस्याओं के उतने स्पष्ट उपाय अभी भी नहीं मिल पाए हैं। लेकिन ये एक ही झटके में हल भी तो नहीं हो सकतीं। संक्रमण काल से गुजर रही अर्थव्यवस्था में इनका थोड़े या अधिक रूप में बने रहना अधिकांशतः देखा गया है। समग्र, समावेशी एवं गंभीर चिंतन के निष्कर्षों तथा व्यापक एवं परिपक्व दूरदर्शितापूर्ण रणनीतियों पर आधारित यह लेखा-जोखा निश्चित ही देश की भावी उपलब्धियां के लिए सशक्त व ठोस आधार के रूप में सामने आएगा।

खुद भी सतर्क रहें

अपराधों के प्रति नो टॉलरेंस की यूपी सरकार की नीति प्रदेश भर में काफी प्रभावी साबित हुई है। पुलिस महकमे की विभिन्न शाखाओं ने इन्हें रोकने के लिए चुस्ती और सतर्कता ही नहीं दिखाई बल्कि पूरी रणनीति के साथ अपराधियों से चार कदम आगे चलते हुए उन्हें उनके अंजाम तक पहुंचा रही हैं। लेकिन ऐसे भी कई लोग हैं जो अपनी ज़रूरतें या शौक पूरे करने के लिए चेन और पर्स लूट या छोटी-मोटी चोरियां करने में नहीं हिचकते। सुबह मॉर्निंग वॉक या रात में खाना खाने के बाद घर से बाहर टहलने निकलने वाले ऐसी वारदातों के शिकार अधिक बन रहे हैं। बाजार या मंदिर जाने वाली महिलाएं भी इनका निशाना बनती हैं। इन वारदातों में मोबाइल, सोने की चेन या पर्स छीनने का मकसद पूरा करने के लिए मोटरसाइकिल पर आना और झपट्टा मार कर लूट लेने का तरीका अपनाया जाता है। अन्य अपराधों की तरह ये घटनाएं भी किसी तरह उचित नहीं ठहराई जा सकतीं। समस्या यह है कि कॉलोनी और मोहल्ले में यह घटनाएं ज्यादा होती है जहां सुबह या रात के वक्त ज्यादा भीड़भाड़ नहीं रहती और वहां रहने वाले ज्यादा बेफिक्र होते हैं। इसलिए यह अंदेशा भी नहीं रहता कि कोई बाइक से आकर झपट्टा मारेगा और गायब हो जाएगा। यह भी सही है कि इन सभी जगह पर पुलिस की मौजूदगी सुनिश्चित नहीं की जा सकती। हालांकि आजकल जगह-जगह लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से इस तरह के झपट्टा मारने वाले पकड़े जा रहे हैं लेकिन सभी घटनाओं में ऐसा नहीं हो पाता। इन्हीं दो बातों का फायदा उठाते हुए ऐसी घटनाएं लगातार हो रही है। तब जरूरी है कि पुरुषों और महिलाओं सहित सभी लोग इस बारे में भी सतर्कता बरतें। ठीक उसी तरह जैसे सड़क पर चलते हुए कोशिश रहती है कि किसी वाहन से टकराने न पाएं, गड्ढों से बचकर चले ताकि उनमें गिरना या ऐसे ही अन्य सावधानियां। ऐसी कोई स्थिति बनने ही न पाए जिसमें कोई झपट्टा मार हरकत करने में कामयाब हो सके। सामूहिक रूप से इस सतर्कता के लिए जागरूक होना भी अब जरूरी है। इसका असर लोगों पर खुद ही दिखने दिखाई देने लगेगा।

काँव-काँव

◆◆◆

सुनेत्रा पवार बन गयीं महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री
भाजपा समर्थित वंशवाद लोकतांत्रिक होता है!
मेरी सिर्फ एक ही पार्टी है कांग्रेस -शशि थरूर
और सिर्फ एक ही आदर्श नेता है नरेंद्र मोदी!
बंगाल में एसआईआर से घुसपैठिये बाहर-शाह
चुनाव आयोग नागरिकता जांच नहीं मानता!
मोदी सरकार सलाह बिना फैसले ले रही-कांग्रेस
सर्जिकल स्ट्राइकों का विश्व कीर्तिमान बनाना है!
उन्नीस सौ करोड़ से बनेगा राममंदिर-नृपेंद्र मिश्रा
रामभक्तों पर गोली चलवाना फायदेमंद रहा!
आपसी नफरतों में फंसे पुतिन और जेलेंस्की-ट्रंप
दो बिल्लियों की लड़ाई में बंदर का फायदा!

◆◆◆

विकसित भारत की नींव रखने वाला साहसिक बजट

यकीनन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026-27 के बजट की तस्वीर में यह उभरकर दिखाई दे रहा है कि यह बजट आम आदमी के लिए राहत और विकसित भारत के लिए साहसिक सुधारों को आगे बढ़ाने वाला ऐतिहासिक बजट है। इस बजट में वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा प्रस्तुत सुधारों की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए तीन कर्तव्यों पर बजट को आधारित किया है। इनमें उत्पादकता और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ना, लोगों की आशंकाओं को पूरा करने के लिए क्षमता निर्माण और सबका साथ, सबके विकास के मद्देनजर ढांचागत सुधार के साथ प्रगति करना शामिल है। इस बजट में रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय 12.2 लाख करोड़ रुपए सुनिश्चित किए गए हैं।

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026-27 के बजट की तस्वीर में यह उभरकर दिखाई दे रहा है कि यह बजट आम आदमी के लिए राहत और विकसित भारत के लिए साहसिक सुधारों को आगे बढ़ाने वाला ऐतिहासिक बजट है। इस बजट में वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा प्रस्तुत सुधारों की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए तीन कर्तव्यों पर बजट को आधारित किया है। इनमें उत्पादकता और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ना, लोगों की आशंकाओं को पूरा करने के लिए क्षमता निर्माण और सबका साथ, सबके विकास के मद्देनजर ढांचागत सुधार के साथ प्रगति करना शामिल है। इस बजट में रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय 12.2 लाख करोड़ रुपए सुनिश्चित किए गए हैं। यद्यपि बजट के तहत इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन एक अप्रैल 2026 से नया आयकर अधिनियम लागू किया जाना सुनिश्चित करके आयकर संबंधी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है और आयकर भरना आसान किया गया है। बजट के नए प्रावधानों से बुनियादी ढांचा, छोटे शहर, एमएसएमई, शिक्षा, पर्यटन और सर्विस सेक्टर जैसे क्षेत्रों में नई पीढ़ी के लिए रोजगार के व्यापक मौके बढ़ेंगे। खास बात यह भी है कि आगामी वर्ष के बजट के तहत वित्त मंत्री राहत और विकास के बीच सूझबूझ पूर्ण संतुलन बनाते हुए राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 फीसदी के स्तर पर सीमित रखने और सात फीसदी से अधिक विकास दर पाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ते हुए दिखाई दी हैं। गौरतलब है कि नए बजट के तहत वित्त मंत्री ने वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, भू राजनीतिक तनाव और वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में धीमेपन के बीच अगली पीढ़ी के सुधार, नीतिगत स्थिरता व दीर्घकालीन विकास की रणनीति के साथ घरेलू मांग की मजबूती पर्यावरण नवाचार, उद्यमिता बुनियादी ढांचा, कृषि विकास, गरीब, युवा, महिला और किसान वर्ग के लिए राहत के प्रभावी प्रावधानों के साथ मैन्युफैक्चरिंग, सेवा क्षेत्र रक्षा, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग (एमएसएमई) स्वदेशी प्रोत्साहन और हरित ऊर्जा पर बड़े ऐलान किए हैं। इनके साथ-साथ भारत को वैश्विक बायो फॉर्मा केंद्र बनाने, शहरी आर्थिक क्षेत्रों के निर्माण, नए राष्ट्रीय जल मार्ग, सात हाई स्पीड कोरिडोर, व्यापार सुगमता, कंटेनर निर्माण, बुजुर्गों के लिए मजबूत इकोसिस्टम, टीयर-2 और टीयर-3 शहरों के विकास के लिए प्रभावी प्रावधान किए गए हैं। निश्चित रूप से वित्तमंत्री इस बजट के माध्यम से युवाओं के रोजगार बढ़ाने, कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, डिजिटल कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को रोजगार बाजार की उभरती जरूरतों के अनुरूप ढालने, प्रधानमंत्री कौशल मुद्रा योजना, ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ाने के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण, निजी निवेश को प्रोत्साहित करने, वित्तीय समावेशन को बेहतर करने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने संबंधी प्रभावी प्रावधानों के साथ आगे बढ़ी हैं। नए बजट में हर क्षेत्र में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) को अहमियत हेतु प्रावधान किए गए है, ताकि भारत एआई का वैश्विक हब बन सके। चूंकि इस समय चीन, पाकिस्तान के साथ-साथ बांग्लादेश से भी देश की बाहरी सुरक्षा के खतरे बढ़े हैं, ऐसे में सुरक्षा क्षमता बढ़ाने के लिए बजट में अधिक धन का आवंटन किया गया है। वित्त मंत्री ने इस बजट में भारत को दुनिया के बाजार और अधिक प्रभावी रूप से जुड़ने और भारत को निर्यात का नया हब बनाने के लिए नई रणनीति प्रस्तुत की है। भारत को यूरोपीय संघ समेत विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के बाद दुनिया के बाजार में भारतीय उत्पादों की

बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बूस्ट करने के प्रोत्साहनमूलक प्रावधानों के साथ आगे बढ़ी हैं। इतना ही नहीं अमेरिका के द्वारा लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ से प्रभावित निर्यात क्षेत्रों को भी राहत देने के मद्देनजर वित्त मंत्री नए निर्यात प्रोत्साहनों की डगर पर आगे बढ़ते हुए दिखाई दी हैं। निश्चित रूप से वित्त मंत्री ने इस बजट में सीमा शुल्क के लिए जहाँ राहत दी है, वहीं सीमा शुल्क में सुधार भी किए है। निश्चित रूप से वित्त मंत्री सीतारमण के द्वारा एक फरवरी को प्रस्तुत आगामी वित्त वर्ष 2026-27 का प्रस्तुत बजट कोई साधारण वार्षिक बजट नहीं है, बल्कि यह बजट देश के आर्थिक परिदृश्य को ऐतिहासिक मोड़ देने वाला बजट है। उम्मीद करें कि इस बजट से जहाँ देश में साहसिक सुधारों का नया युग शुरू होगा, वहीं आम आदमी के लिए अधिक राहत और देश के लिए तेज विकास का नया परिदृश्य निर्मित होगा। उम्मीद करें कि एक ओर वित्त मंत्री वर्ष 2026-27 के बजट के बजट के लक्ष्य के तहत राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.3 फीसदी तक रखने में कामयाब होंगी। उम्मीद करें कि इस अभूतपूर्व बजट से देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ेगी और यह बजट देश को वर्ष 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने वाला और 2047 तक विकसित भारत बनाने की नींव रखने वाला बजट सिद्ध होगा।

।। यथार्थ गीता ।।

स्वामी अड़गड़ानंद

पंचम अध्याय

(गतांक से आगे)

(रामचरितमानस, 7/119/3) - परम प्रकाशरूप है। है तो, किन्तु हमारे उपभोग के लिये तो नहीं है, दिखायी तो नहीं देता? जब ज्ञान द्वारा अज्ञान का आवरण हट जाता है तो उसका वह ज्ञान सूर्य के सदृश परमात्मा को अपने में प्रवाहित कर लेता है। फिर उस पुरुष के लिये कहीं अन्धकार नहीं रह जाता। उस ज्ञान का स्वरूप क्या है?-

तद्बुद्धयस्तदात्मानस्तन्निष्ठास्तत्परायणाः । गच्छन्त्यपुनरावृत्तिं ज्ञाननिर्धूतकल्मषाः ।।17।।

जब उस परमतत्त्व परमात्मा के अनुरूप बुद्धि हो, तत्त्व के अनुरूप प्रवाहित मन हो, परमतत्त्व परमात्मा में एकीभाव से उसकी रहनी हो और उसी के परायण हो, इसी का नाम ज्ञान है। ज्ञान कोई बकवास या बहस नहीं है। इस ज्ञान द्वारा पापरहित हुआ पुरुष पुनरागमनरहित परमगति को प्राप्त होता है। परमगति को प्राप्त, पूर्ण जानकारी से युक्त पुरुष ही पण्डित कहलाते हैं। आगे देखें-

विद्याविनयसम्पन्ने ब्राह्मणे गवि हस्तिनि । शुनि चैव श्वपाके च पण्डिताः समदर्शिनः ।।18।।

ज्ञान के द्वारा जिनका पाप शमन हो चुका है, जो 'अपुनरावर्ती परमगति' को प्राप्त हैं, ऐसे ज्ञानीजन विद्या-विनययुक्त ब्राह्मण तथा चाण्डाल में, गाय और कुत्ते में तथा हाथी में समान दृष्टिवाले होते हैं। उनकी दृष्टि में विद्या-विनययुक्त ब्राह्मण न तो कोई विशेषता रखता है और न चाण्डाल कोई हीनता रखता है। न गाय धर्म है, न कुत्ता अधर्म और न हाथी विशालता ही रखता है। ऐसे पण्डित, ज्ञाताजन समदर्शी और समवर्ती होते हैं। उनकी दृष्टि चमड़ी पर नहीं रहती, बल्कि आत्मा पर पड़ती है। अन्तर केवल इतना है, विद्या-विनयसम्पन्न स्वरूप के समीप है और शेष कुछ पीछे हैं। कोई एक मंजिल आगे है, तो कोई पिछले पड़ाव पर। शरीर तो वस्त्र है। क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

◆◆◆

दानशक्ति प्रिय बोलिबो, धीरज उचित विचार।
ये गुण सीखे ना मिलैं, स्वाभाविक हैं चार।।

मनुष्य के अंदर कुछ गुण स्वंय से उत्पन्न होते हैं। जैसे दान करना, मीठी बातें करना, लोगों की सेवा करना, समय पर सही-गलत का निर्णय लेना। इसे कहीं और से नहीं सिखा जा सकता।

◆◆◆

तो इन्हें सताता है देश की बदनामी का डर?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारतीय जनता पार्टी के नेता व समर्थक अक्सर यह आरोप लगाते रहते हैं कि वे विदेशी की धरती पर

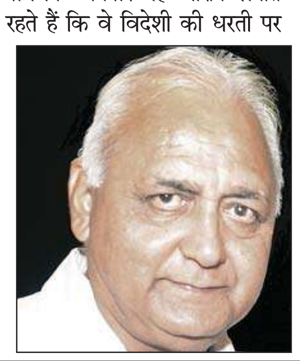

-तनवीर जाफ़री

भारतीय राजनीति, संस्थानों चुनाव आयोग, न्यायपालिका या भारतीय मीडिया व सरकार की आलोचना करके देश की छवि को ख़राब करते रहते हैं। इतना ही नहीं बल्कि भाजपा इसे 'देश-विरोधी' या 'भारत को बदनाम करने' की साज़िश तक बताती है। सवाल यह है कि आख़िर किन बातों से देश की बदनामी होती है और बदनामी और नेकनामी का पैमाना है क्या? याद कीजिये जब राहुल गांधी ने 2023 में कैंब्रिज यूनिवर्सिटी (यू के) में कहा कि भारत में विपक्ष को दबाया जा रहा है और चीन का ख़तरा समझा नहीं जा रहा है। इसमें राहुल ने क्या ग़लत कहा था? परन्तु भाजपा ने राहुल के इस सच्चाई भरे वक्तव्य को 'भारत को बदनाम करना' बताया था। इसी तरह जब 2023 में कोलंबिया की एक यूनिवर्सिटी में राहुल ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र पर 'हमला' हो रहा है और कुछ बड़े व्यापारियों का अर्थव्यवस्था पर क़ब्ज़ा है तब भी भाजपा ने इसे राहुल द्वारा 'विदेशी धरती पर भारत को बदनाम करना' बताया था। अभी कुछ समय पूर्व ही जब राहुल गाँधी ने बर्लिन (जर्मनी) में चुनाव आयोग पर सवाल उठाए और कहा कि हरियाणा चुनाव में धांधली हुई उस समय भी भाजपा ने इसे 'संस्थानों को बदनाम करने की साज़िश' बताया था। राहुल गाँधी के ऐसे आरोपों से भाजपा इतना तिलमिला जाती है कि वह राहुल की आलोचना को 'एंटी-इंडिया फ़ोर्सेज़' से जोड़कर कांग्रेस को कमज़ोर करने की कोशिश करने लगती है। यहाँ तक कि कुछ भाजपा नेता इसे 'चाइना की तारीफ़' या 'विदेशी हस्तक्षेप' को आमंत्रित करने तक के रूप में परिभाषित कर देते हैं। भाजपाई कहते हैं कि इससे भारत की 'ग्लोबल इमेज' ख़राब होती है। इस विषय पर कांग्रेस व राहुल गाँधी का कहना है कि वे सिर्फ़ 'सच्चाई' बोलते हैं,और आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है। लिहाज़ा राहुल भाजपा के आरोपों को ख़ारिज करते हुए कहते हैं कि चीन जैसे मुद्दों पर तो मोदी ख़ुद ही विदेश में भारत को बदनाम करते हैं। कुछ का मत है कि राहुल विदेश में कुछ नया नहीं कहते,वे भारत में भी यही कहते हैं। कांग्रेस के अनुसार समस्या चुनावी प्रक्रिया में है, न कि आलोचना में। कांग्रेस इसे 'साइलेंट करने' की कोशिश बताती है। और सच भी है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक नेता प्रायः विदेश में अपनी सरकार की आलोचना करते हैं, और यह 'फ़्री स्पीच' का हिस्सा माना जाता है। इससे देश की बदनामी नहीं होती, बल्कि इससे किसी भी देश के लोकतान्त्रिक मूल्य नज़र आते हैं। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी कि ऐसे भी कोई प्रमाण नहीं है कि विदेश में की गयी राहुल की बातों से भारत की अर्थव्यवस्था, निवेश या कूटनीति पर कभी कोई नकारात्मक प्रभाव पड़ा हो। सरकार ख़ुद ही तो बताती रहती है कि भारत की जी डी पी ग्रोथ और ग्लोबल रैंकिंग मज़बूत बनी हुई है?

इसी तरह राहुल गांधी व कांग्रेस के कई नेता नरेंद्र मोदी पर भी यह आरोप लगा चुके हैं कि वे विदेशी धरती पर भारत या पिछले 70 वर्षों के शासन की आलोचना कर देश को बदनाम करते हैं। नरेंद्र मोदी ने 2014 से 2023 के दौरान देश विदेश में कई बार यह दोहराया कि 'पिछले 70 सालों में भारत में कुछ ख़ास नहीं हुआ', 'पहले

लोग भारत में जन्म लेना दुर्भाग्य मानते थे', या '70 साल में विकास नहीं हुआ'। इसी तरह मोदी ने 2022 में रूस में एक कार्यक्रम में भारत के पिछड़ापन, ग़रीबी या पिछली सरकारों की कमियों पर बात की थी। अमेरिका, यूके या अन्य देशों में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए मोदी ने अक्सर पूर्व सरकारों की 'कमज़ोर विदेश नीति', उनके 'घोटालों' या उस दौर में 'विकास की कमी' पर ज़ोर दिया है। कांग्रेस भी मोदी की इन बातों को 'भारत की बदनामी' बताती है। कांग्रेस के अनुसार, मोदी ने कम से कम 4-5 बार विदेश में ऐसा कहा कि कांग्रेस शासन में 'भारत को दुनिया ने गंभीरता से नहीं लिया' या 'पिछले शासकों ने देश को कमज़ोर बनाया' आदि। कांग्रेस इसे भारत और भारतीयों ख़ास तौर से पिछली पीढ़ियों का अपमान मानती है, क्योंकि यह कांग्रेस के शासन काल को नकारात्मक रूप से पेश करता है। राहुल गांधी ने 2023 में लंदन में कहा भी था कि मोदी ख़ुद विदेश में भारत को बदनाम करते हैं, क्योंकि वे हर भारतीय, उनके माता-पिता और दादा-दादी का अपमान करते हैं। ऐसे में यह समझना भी ज़रूरी है कि दरअसल सत्ता व विपक्ष के उपरोक्त आरोपों प्रत्यारोपों से ही देश की बदनामी होती है या फिर इसतरह के आरोप प्रत्यारोप ही एक दूसरे नेताओं व उनके दलों को नीचा दिखाने व उन्हें जनता में बदनाम करने जैसा एक षड्यंत्र मात्र है? या फिर वास्तव में जनता को इस तरह की बहस में उलझाकर उन वास्तविक समस्याओं व विषयों पर पर्दा डालने का प्रयास है जिससे हक़ीक़त में देश की बदनामी होती है? क्या ग़लत कहते है राहुल गांधी कि चुनाव आयोग संदिग्ध है? वे चुनाव आयोग सामने कितने सबूत पेश कर चुके जिनका कोई जवाब नहीं आया? क्या देश के अनेक महत्वपूर्ण संस्थानों व संसाधनों पर अडानी का क़ब्ज़ा नहीं होता जा रहा? क्या सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग विपक्ष को परेशान करने के लिये नहीं किया जा रहा? जब देश में मॉब लिंचिंग होती है तो क्या देश की बदनामी नहीं होती? देश में सत्तारूढ़ दल की ओर से मंत्री व मुख्यमंत्री स्तर के लोग खुले आम साम्प्रदायिकता फैलाने वाली बातें कर ओछी राजनीति करते हैं तो क्या देश की बदनामी नहीं होती? देश की राजनीति को संविधान से अलग हटकर सांप्रदायिकता के रंग में चलाने के प्रयास क्या देश की बदनामी का कारण नहीं?

प्रेरक प्रसंग

परिश्रम और भाग्य

एक पान वाला था। जब भी पान खाने जाओ ऐसा लगता कि वह हमारा ही रास्ता देख रहा हो। हर विषय पर बात करने में उसे बड़ा मज़ा आता। कई बार उसे कहा की भाई देर हो जाती है जल्दी पान लगा दिया करो पर उसकी बात ख़त्म ही नही होती।

एक दिन अचानक कर्म और भाग्य पर बात शुरू हो गई। तक़दीर और तदबीर की बात सुन मैनें सोचा कि चलो आज उसकी फ़िलासफ़ी देख ही लेते हैं। मैंने एक सवाल उछाल दिया।

मेरा सवाल था कि आदमी मेहनत से आगे बढ़ता है या भाग्य से?

और उसके जवाब से मेरे दिमाग़ के सारे जाले ही साफ़ हो गए।

कहने लगा,आपका किसी बैंक में लाकर तो होगा? उसकी चाभियाँ ही इस सवाल का जवाब है। हर लाकर की दो चाभियाँ होती हैं।

एक आप के पास होती है और एक मैनेजर के पास।

आप के पास जो चाभी है वह है परिश्रम और मैनेजर के पास वाली भाग्य।

जब तक दोनों नहीं लगतीं ताला नही खुल सकता।

आप कर्मयोगी पुरुष हैं ओर मैनेजर भगवान।

आप को अपनी चाभी भी लगाते रहना चाहिये। पता नहीं ऊपर वाला कब अपनी चाभी लगा दे। कहीं ऐसा न हो की भगवान अपनी भाग्यवाली चाभी लगा रहा हो और हम परिश्रम वाली चाभी न लगा पायें और ताला खुलने से रह जाये..!!

आपका पत्र मिला

विकसित भारत की राह का दूरगामी सोच वाला बजट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लगातार नौवीं बार और भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में पहली बार रविवार, एक फरवरी को देश का बजट प्रस्तुत कर यह स्पष्ट कर दिया है कि केंद्र सरकार की प्राथमिकता तात्कालिक लोकलुभावन घोषणाओं से अधिक दीर्घकालीन राष्ट्र निर्माण है। आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ से पहले भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में यह बजट एक ठोस संकेत देता है। इस बजट की सबसे महत्वपूर्ण और मानवीय घोषणा कैंसर व दुर्लभ बीमारियों में प्रयुक्त जीवनरक्षक दवाओं पर आयात शुल्क समाप्त करना रही, जिससे लाखों मरीजों को सीधी राहत मिलेगी। जबकि विपक्ष हमेशा सरकार पर आम आदमी की उपेक्षा का आरोप लगाता रहा है, यह निर्णय उस आरोप को कमजोर करता है। सरकार ने यह भी साफ किया है कि भारत को केवल इलाज का केंद्र ही नहीं, बल्कि विश्वसनीय मेडिकल टूरिज्म हब बनाने की रणनीति पर काम किया जा रहा है। भारत की चिकित्सा सेवाएं पहले से ही दुनिया के कई विकसित देशों की तुलना में सस्ती और प्रभावी हैं। इसी क्षमता को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से बजट में तीन नए एम्स और पाँच मेडिकल हब स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। इससे न केवल स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ेंगी, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार भी सृजित होंगे जिस पर विपक्ष अक्सर सरकार को घेरता रहा है। महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत की बात करते हुए सरकार ने देशभर के जिलों में बालिकाओं के लिए गर्ल्स हॉस्टल निर्माण का निर्णय लिया है। यह फैसला उन आलोचकों के लिए जवाब है जो सरकार को केवल चुनावी राजनीति तक सीमित बताते हैं। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उठाए गए कदम इस बजट की एक और मजबूत कड़ी हैं।

अरविंद रावल
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है। आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं। **संपादक, स्वतंत्र भारत 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001** E-mail : swatantrabharat77@gmail.com

भारत की पहली महिला जिसने फाइटर जेट उड़ाया

इस वर्ष 26 जनवरी की परेड में महिला सशक्तिकरण का शानदार नजारा दिखा। एयरफोर्स से लेकर नौसेना की झांकी से लेकर एयरफोर्स और सीआरपीएफ तक महिला अधिकारियों ने नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया। सशस्त्र सुरक्षा बलों में महिलाओं की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। इन्हीं सशक्त महिलाओं में से एक फ्लाइट लेफ्टिनेंट अवनी चतुर्वेदी का नाम एयरफोर्स के इतिहास में दर्ज हो गया है। फ्लाइट लेफ्टिनेंट अवनी चतुर्वेदी भारत की पहली महिला फाइटर पायलटों में से एक हैं। साथ ही पहली भारतीय महिला हैं जिसने फाइटर जेट को सोलो उड़ाया। यह सिर्फ़ एक उपलब्धि नहीं थी, यह भारतीय सोच की सीमा को चीरने वाला पल था। आइए जानते हैं पायलट अवनी चतुर्वेदी के बारे में।

भारत की पहली महिला फाइटर जेट पायलट कौन हैं?

उत्तर है फ्लाइट लेफ्टिनेंट अवनी चतुर्वेदी।

अवनी भारत की पहली महिला फाइटर पायलटों की तिकड़ी में शामिल थीं। पहली भारतीय महिला हैं जिन्होंने MiG-21 Bison को सोलो उड़ाया।

अवनी चतुर्वेदी का प्रारंभिक जीवन

अवनी चतुर्वेदी का जन्म 27 अक्टूबर 1993 को मध्य पदेश के रीवा ज़िले में हुआ। यह इलाका किसी एविएशन हब के लिए नहीं जाना जाता, लेकिन यहीं से एक इतिहास ने उड़ान भरी।

अवनी चतुर्वेदी की शिक्षा

स्कूली शिक्षा- देओस, मध्य प्रदेश

कॉलेज- बनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान। पढ़ाई के दौरान एनसीसी से जुड़ी और यहीं से वायुसेना का सपना पुख्ता हुआ।

सपनों को मिला परिवार का सहारा

अवनी चतुर्वेदी के पिता सतीश चतुर्वेदी, भारतीय सेना में अधिकारी रह चुके हैं और मां गृहिणी हैं। जब घर में अनुशासन और देशसेवा की समझ हो, तो बेटियां भी आसमान को लक्ष्य बनाती हैं।

भारतीय वायुसेना में चयन का सफर

2016 में भारतीय वायुसेना ने इतिहास रचा जब महिलाओं को पहली बार फाइटर स्ट्रीम में शामिल किया गया। इन महिलाओं में शामिल थी, अवनी चतुर्वेदी, भावना कांत और मोहना सिंह। वायुसेना की इन ... महिला अधिकारियों ने हैदराबाद एयर फोर्स अकादमी से प्रशिक्षण लिया।

उनका स्ट्रीम फाइटर पायलट है।

एयरक्राफ्ट ट्रेनिंग Hawk Mk-132 है।

उनका चयन सिर्फ़ योग्यता के आधार पर हुआ। कोई रियायत नहीं, कोई शॉर्टकट नहीं।

ऐतिहासिक उपलब्धि- MiG-21 की सोलो उड़ान।

19 फरवरी 2018 को भारतीय वायुसेना के इतिहास का सुनहरा दिन था।

अवनी चतुर्वेदी ने MiG-21 Bison अकेले अंबाला एयरबेस से उड़ाया।

MiG-21 दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण फाइटर जेट्स में गिना जाता है।

करियर और जिम्मेदारियां

अवनी चतुर्वेदी को फाइटर स्क्वाड्रन में तैनाती मिली।

एयर डिफेंस, इंटरसेप्शन और कॉम्बैट ट्रेनिंग में सक्रिय भूमिका निभाई।

ऑपरेशनल फाइटर पायलट के तौर पर कार्यरत रहीं।

पुरस्कार और पहचान

देश-विदेश में भारतीय महिला ... सशक्तिकरण की पहचान।

कई राष्ट्रीय मंचों पर सम्मान।

युवाओं, खासकर लड़कियों के लिए रोल मॉडल।

निर्मला सीतारमण : साड़ी से सियासी संदेश?

इस बार कांजीवरम साड़ी... 8 साल में निर्मला सीतारमण ने साड़ी से कब क्या दिए सियासी संदेश? भारत में यूनियन बजट का दिन हमेशा एक हाई-प्रोफाइल इवेंट होता है, जिसे नागरिक, बिज़नेस और ग्लोबल इन्वेस्टर सभी देखते हैं. टैक्स से जुड़े ऐलानों, सरकारी खर्च और आर्थिक नीति पर सबकी नजर होती है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस दिन के फैशन में एक और एलिमेंट जोड़ा है, जो कल्चर और हेरिटेज को दिखाता है। 1 फरवरी, 2026 को अपने लगातार नौवें बजट प्रेजेंटेशन के लिए, सीतारमण ने हाथ से बुनी हुई शानदार कांजीवरम साड़ी पहनी थी, सिल्क की है. यह साड़ी अपने चमकीलेरंगों, रिच टेक्सचर और सोने की ज़री के बॉर्डर के लिए मशहूर है. पिछले कुछ सालों में साड़ी का सेलेक्शन सोच-समझकर किया गया है, जो भारत की क्षेत्रीय कपड़ा परंपराओं और स्थानीय बुनकरों की कला को लाइम-लाइट में लाती है.

कांचीवरम साड़ी- विरासत का प्रतीक

तमिलनाडु से संबंधित कांजीवरम साड़ी का इतिहास सदियों पुराना है. बजट के दिन इसे पहनकर, निर्मला सीतारमण न सिर्फ भारत की सांस्कृतिक विरासत को अपनाती हैं, बल्कि आधुनिक आर्थिक युग में पारंपरिक कारीगरी की अहमियत को भी बारीकी से उजागर करती हैं। कांचीवरम साड़ियों को भारत की सबसे प्रतिष्ठित हाथ से बुनी सिल्क साड़ियों में गिना जाता है. अपने चमकीले रंगों, मोटी बॉर्डर और सोने की ज़री के काम के लिए.जानी जाने वाली ये साड़ियां सुंदरता और टिकाऊपन की पहचान हैं। अपने नौवें बजट के लिए कांचीवरम साड़ी चुनकर, निर्मला सीतारमण ने भारत की समृद्ध बुनाई परंपराओं को अहमियत दी है. इसके साथ ही, अपने प्रजेंटेशन में गरिमा और अधिकार का भाव भी जोड़ा है.

साल-दर-साल वित्त मंत्री की स्पेशल साड़ी

वित्त मंत्री के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान, निर्मला सीतारमण स्पेशल साड़ियां चुनने के लिए पहचानी जाती है।

2025- बिहार की मधुबनी की साड़ी, जिसमें मछली के मोटिफ थे. इसके जरिए क्षेत्रीय फोकस को उजागर किया गया।

2024- आंध्र प्रदेश और बंगाल की मंगलगीरी कॉटन और और टसर सिल्क ने क्षेत्रीय विकास का संकेत दिया।

2023- कसूती कढ़ाई वाली लाल इल्कल साड़ी, जो ताकत और निरंतरता का प्रतीक है।

2022- ओडिशा की बोमकाई साड़ी, जिसने ग्रामीण सशक्तिकरण को उजागर किया.

2021-तेलंगाना की पोचमपल्ली इकत ने महामारी के बाद लचीलेपन को दर्शाया.

2020- चमकीली पीली-सुनहरी सिल्क साड़ी।

2019-सुनहरे बॉर्डर वाली गुलाबी मंगलगीरी साड़ी।

निर्मला सीतारमण की हर साड़ी एक कहानी कहती है और 2026 के लिए कांजीवरम साड़ी मकसद के साथ फैशन की इस परंपरा को जारी रखती है।

त्वचा से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा दिलाती है तुलसी

तुसली का धार्मिक महत्व तो आपने कई बार सुना होगा, लेकिन क्या आपको स्किन केयर में इसका इस्तेमाल मालूम है? बता दें, ये आपको त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं जैसे पिंपल्स, दाग-धब्बे और ब्लैकहेड्स से छुटकारा दिला सकती है। आइए बिना देर किए जान लीजिए इसका इस्तेमाल और फायदे। ऐसे तुलसी दिलाएगी दमकती त्वचा : तुलसी में प्यूरिफाइंग गुण पाए जाते हैं। ऐसे में ये आपकी स्किन के पोर्स को डीप क्लीन तो करती ही है, साथ ही स्किन पर होने वाली रेडनेस और इरीटेशन से भी राहत दिलाती है। इसके लिए आप थोड़े पानी में इसकी कुछ पत्तियां डालकर उसे उबाल लें और रोजाना फेस वॉश के बाद इसे टोनर के रूप में यूज करें। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स स्किन से जुड़ी कई समस्याओं से निजात दिलाने का काम करते हैं। इसके लिए आप इसे सुखाकर इसका पाउडर बना लें और इसे मुलतानी मिट्टी और एलोवेरा जेल के साथ फेसपैक की तरह इस्तेमाल करें। आजकल के अनहेल्दी खान-पान में त्वचा पर पिंपल्स से हर कोई परेशान रहता है। इससे छुटकारा पाने के लिए आप तुलसी के पत्तों को पीसकर इसमें एक चुटकी हल्दी पाउडर और गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर अप्लाई कर सकते हैं। इससे आपको कील-मुंहासों से छुटकारा मिल सकता है। अक्सर पिंपल्स जाने के बाद जो दाग-धब्बे चेहरे पर ठहर जाते हैं, उनसे छुटकारा पाने के लिए भी तुलसी का यूज काफी फायदेमंद है। इसके लिए आप एक मिक्सर में तुलसी के पत्ते, संतरे के छिलके और गुलाब जल मिलाकर इसके पेस्ट को चेहरे पर 15-20 मिनट के लिए लगा सकते हैं। इससे ये निशान धीरे-धीरे कम होने लगेंगे। ब्लैकहेड्स को हटाने के लिए भी आप तुलसी का यूज कर सकते हैं। इसके लिए आपको इसे नीम के कुछ पत्तों और शहद के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाना है और 10 मिनट बाद धो लेना है। ये फेस पर आने वाले एक्सट्रा ऑयल के साथ-साथ आपकी स्किन को कई समस्याओं से निजात दिला सकता है।

स्प्रिंग सीजन में ये ड्रेसेस होंगी कूल और स्टाइलिश?

थोड़े दिनों में ही स्प्रिंग सीजन शुरू होने वाला है और इस सीजन में महिलाएं अपने लुक को स्टाइलिश बनाने के लिए एक से एक आउटफिट पहनना पसंद करती हैं। अगर आप भी स्प्रिंग सीजन के लिए लेटेस्ट और ट्रेंडी ड्रेसेस तलाश रही हैं, तो यह खबर आपके लिए बेस्ट हो सकती है। आज हम आपको कुछ ऐसी लेटेस्ट और ट्रेंडी ड्रेसेस बताएंगे, जो स्प्रिंग सीजन में पहनने के लिए परफेक्ट रहेगी।

शोल्डर स्ट्रेप मिडी लेंथ फ्लोरल प्रिंट ड्रेस

अपनी खूबसूरती से सभी को अट्रैक्ट करने के लिए और स्प्रिंग सीजन के दौरान अपने लुक को परफेक्ट बनाने के लिए आप इस तरह की शोल्डर स्ट्रेप मिडी लेंथ फ्लोरल प्रिंट ड्रेस को शामिल कर सकती हैं। ऐसी ड्रेस आपको नजदीकी बाजार में किसी शॉप पर मिल जाएगी या आप इसे ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट से भी खरीद सकती हैं।

ग्रीन फ्लोरल प्रिंट व्रैप स्टाइल ड्रेस-अगर आपको एक से एक ड्रेस पहनना पसंद हैं और आप बदल-बदल कर ड्रेस ट्राई करती हैं, तो आपके लिए इस तरह की ग्रीन फ्लोरल प्रिंट व्रैप स्टाइल ड्रेस भी एक परफेक्ट ऑप्शन हो सकती हैं। इसे आप स्प्रिंग सीजन के दौरान पहनकर अपनी खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं। इस तरह की ड्रेस स्प्रिंग सीजन में पहनने के लिए बेस्ट हो सकती हैं।

ऑफ व्हाइट फ्लोरल प्रिंट ए-लाइन ड्रेस

अगर आप स्प्रिंग सीजन में पहनने के लिए ड्रेस तलाश रही हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप इस खूबसूरत ऑफ व्हाइट फ्लोरल प्रिंट ए-लाइन ड्रेस को स्प्रिंग सीजन के दौरान पहनकर अपने कॉलेज या ऑफिस जा सकती हैं। ऐसे ड्रेस आपके लुक को स्टाइलिश और एलिगेंट टच देने में मदद करेंगी साथ ही आपकी खूबसूरती को भी बढ़ा देगी।

फ्लोरल प्रिंट हॉल्टर नेक लेयर्ड ड्रेस

अगर आप वर्किंग वुमन हैं और अपने लुक को स्टाइलिश बनाना चाहती हैं, तो स्प्रिंग सीजन के दौरान आप इस फ्लोरल प्रिंट हॉल्टर नेक लेयर्ड ड्रेस को ट्राई कर सकती हैं। ऐसी ड्रेस खासकर स्प्रिंग सीजन में पहनने के लिए एक बेस्ट ऑप्शन हो सकती है। इसे आप नजदीकी बाजार से खरीद सकती हैं या ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट पर भी आपको मिल जाएगी।

हिंदू एकता की बात : दिखावे के हाथी दांत!

- रघोत्तम शुक्ल

देश की सत्ताधारी पार्टी भी खूब मज़ाकिया है।सामान्यतया हिंदू समाज में होली में हँसी ठिठोली चलती है और अंग्रेज़ी पद्धति पर चलें,तो पहली अप्रैल को एक दूसरे को मूर्ख बनाने की परम्परा है;किंतु अपनी सत्ता वाली पार्टी जब चाहती है दिल्लगी करने लगती है।उसके कर्णधारों को भ्रम है कि आम हिंदू बुद्धिहीन है,सिर्फ उनको यानी नेतावों को ही ब्रह्मा जी से सारी बुद्धि मिली है।अब देखिये-जगह जगह हिंदू सम्मेलनों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है।इनमें बैनर चाहे जो हो,वे सब है सत्तताधीशों के चट्टे बट्टे ही।इन मञ्चों से वक्तागण हिंदू एकता का आह्वान गला फाड़ फाड़ कर कर रहे हैं।इतना ही नही,कुछ ही दिन पहले सन्यासीनुमा नेता ने एक नारा दिया था,÷बटोगे तो कटोगे÷।इशारा साफ था कि सारे हिंदुवो!अगर एक और संगठित नहीं होगे,तो मुसलमान तुम्हें जीने नहीं देंगे।हालॉकि असलियत यह है कि सरकार खुद हिदू को बॉट रही है और उसका एकता का आह्वान सिर्फ इसलिये है कि संगठित होकर हमारी पार्टी के वोट बैंक बनो।वैसे रोजमर्रा के व्यावहारिक जीवॅन में लड़ो।लड़ने और सिर फुटौव्वल के मुद्दे हम देते रहेंगे।जरा सोचिये जब तक जातीय आरक्षण मौजूद है और हिंदू चार भागों मे बॅटा है और परस्पर उनके हित टकराते हैं,तबतक वे एक कैसे हो पायेंगे?पहले आरक्षणीय विभाजन से हिंदू के तीन विभाजन थे-दलित,अन्य पिछ्ड़ा वर्ग और सामान्य।भाजपा/मोदी ने सामान्य के भी दो टुकड़े कर दिये।इसके द्वारा 10त्न गरीब सामान्य को हिस्सा देकर %जनरल% के प्रतिभावान युवकों के पैरों में बेड़ियॉ डाल दी गईं।मालूम हो कि संविधान में यह व्यवस्था 10 वर्ष के लिये की गई थी,लेकिन अब यह द्रौपदी के चीर की तरह कभी न खत्म होने वाली हो गई है।ज्यादा नम्बर पाने वाला क्लर्क और कम नम्बर पाने वाला कलेक्टर बनाया जा रहा है।तब पारस्परिक द्वेष और डाह कैसे नहीं होगा!%हित अनहित पशु पक्षिहु जाना%।एक दलित ऐक्ट भी है,जिसमें उस वर्ग के कथित उत्पीड़न पर केवल उसके कह देने मात्र से गैर दलित की गिरफ्तारी हो जाती है।इतना घातक हथियार हिदू के एक वर्ग को दिया गया है,दूसरे हिदू वर्ग पर चलाने के लिये।यह दुष्ट कार्य कॉग्रेस सरकार ने किया था;कितु मोदी युग में सुप्रीमकोर्ट ने एक हलकी सी राहत दी थी,कि पहले जॉच करा ली जाय तब गिरफ्तारी हो;किंतु मोदी ने आनन फानन में इस रियायत को धूल चटा दी।पहले कानून बनाकर,फिर पैरवी करके अदालत से पलटवा दिया।यह है मोदी की सवर्ण विनाशिनी नीति!

इतनी मार से कराह रहे सवर्ण को नरेंद्र जी ने यूजीसी नियमावली में परिवर्तन कर उच्च शिक्षण संस्थावों में,हाल ही में,सवर्ण पर एक भीषण प्रहार और किया था,जो फिलहाल सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्थगित कर दिया गया है।अंतिम निर्णय अभी बाकी है। उक्त परिस्थितियों मे सरकारी पार्टी और उसके अनुषांगिक संगठनों द्वारा किये जा रहे हिंदू सम्मेलन और हिंदू एकता की पुकार केवल चुनाव में वोटों से उनकी झोली भरने का हथकण्डा ही है।सवर्ण वर्ग अपना अलग संघ बनाये और चुनाव में प्रत्याशी खड़े करके सदनों में पहुँचाये।तभी उनकी कुछ आवाज़ होगी।इस मिशन में वह मुसलमानो को अपने साथ ले ले,क्योंकि मौजूदा सरकार का रवैया उनके प्रति भी बहुत उपेक्षा पूर्ण एवं त्रासक है।ये दोनो राम-सुग्रीव की तरह अत्याचार को पराजित कर सकते है।

आंखों के डार्क सर्कल्स को दूर करने के लिए लाइफस्टाइल में करें ये बदलाव

आंखों के आस-पास होने वाले ये काले गहरे घेरे, डार्क सर्कल्स कहलाते हैं। डार्क सर्कल्स होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे आपकी लाइफस्टाइल, डाइट, स्क्रीन टाइम, कोई एलर्जी और सोने की आदतें आदि। इन वजहों से, डार्क सर्कल्स की समस्या हो सकती है और यह जल्दी ठीक भी नहीं होते। इसलिए जरूरी है कि हम इन आदतों में बदलाव करें ताकि डार्क सर्कल्स की परेशानी न झेलनी पड़े। आइए जानतें हैं किन हेल्दी आदतों की मदद से डार्क सर्कल्स से छुटकारा पाया जा सकता है। डार्क सर्कल्स की सबसे बड़ी वजह नींद पूरी न होना होता है। इसलिए रोज 7 घंटे की नींद जरूर लें और अपने सोने और उठने का टाइम फिक्स करें ताकि आपकी स्लीप साइकिल दुरुस्त रहे। डार्क सर्कल्स की एक वजह स्किन में मॉइस्चर की कमी भी है। आंखों के आस-पास की त्वचा का अक्सर ही हम ख्याल नहीं रखते। इसकी वजह से, आपकी आंखों के आस-पास का एरिया पिग्मेंटेड हो जाए। इसलिए रोज अपनी आंखों के आस-पास की त्वचा को भी मॉइस्चराइज करें। इसके अलावा, मॉइस्चराइज करने से आंखों के आस-पास फाइन लाइन्स की समस्या भी नहीं होती। शरीर में पानी की कमी की वजह से आपकी आंखों के पास डार्क सर्कल्स हो सकते हैं। इसलिए भरपूर मात्रा में पानी पीएं। पानी की कमी की वजह से, त्वचा में रूखेपन की समस्या भी हो सकती है। सूरज की रोशनी मेलानिन के प्रोडक्शन को बढ़ाती है, जिस वजह से आंखों के आस-पास पिग्मेंटेशन भी हो सकती है। इसलिए बाहर निकलने से पहले सन स्क्रीन लगाना न भूलें। इसके साथ ही, सन स्क्रीन आपकी त्वचा को हानिकारक यूवी किरणों से भी बचाता है। एंटी-ऑक्सिडेंट्स एंटी-ऑक्सिडेंट्स डार्क सर्कल्स की समस्या को कम करने में मदद कर सकते हैं। ये ऑक्सिडेटिव डैमेज को कम करने में भी मदद करते हैं। आप इसे अपनी डाइट में संतरा, कीवी, ब्रोकली आदि को शामिल कर सकते हैं।

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ

सोमवार, 2 फरवरी, 2026

श्री शुभ सम्वत् 2082 शके1947 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी दक्षिण गोलगते हेमंत ऋतौ फाल्गुनी मासोत्तमे कृष्ण पक्षे, प्रतिपदा तिथौ सोम वासरे 25/53/ आश्लेषा नक्षत्रे 22/48/ आयुष्मान योग 07/21/ बालव करणे 14/46/ सिंह राशिगत चन्द्रमा घं.22मि.48पर।

व्रत एवं त्यौहार - फाल्गुन मास कृष्ण पक्षारम्भ।

मेष : परिश्रम से ही महान कार्यों की सिद्धि होगी। दूसरों को आरोपित करना उचित नहीं होगा। शुभ कार्यों का परिणाम उत्साहवर्धक होगा। दुविधाएं समाप्त होंगी।

वृष : श्रेष्ठजनों का सहयोग रहेगा। रुके धन की प्राप्ति होगी। मित्रों का सहयोग रहेगा। घरेलू सुख उत्तम रहेगा।

मिथुन : स्वास्थ्य नरम रहेगा। आकस्मिक व्यय होगा। कार्य बंधन से मन में खिन्नता रहेगी। वाद-विवाद व आरोप का भय होगा।

कर्क : रुके धन की प्राप्ति होगी। कारोबारी प्रगति होगी। स्वजन हित पीडा देंगे। निजी कार्यों में प्रगति होगी। प्रसन्न रहेंगे।

सिंह : रचनात्मक प्रवृत्ति बढ़ेगी। अधीनस्थों से उपेक्षा मिलेगी। वाणिज्यिक कार्यों पर व्यय बढ़ेगा। आस्था बढ़ेगी।

कन्या : संदेह और संकोच नष्ट हो जाएंगे। नवीन योजनाओं के प्रति उत्साह प्रबल होगा। मनस्ताप भी समाप्त होंगे।

तुला : कारोबारी विषमता दूर होगी। धन प्राप्ति का मार्ग बनेगा। सम्मान प्राप्ति होगी। चोट का भय रहेगा।

वृश्चिक : भविष्य की योजनाएं पूरी होंगी। अभिभावकों की मदद मिलेगी। नये संपर्कों पर व्यय होगा।

धनु : आय व्यय समानता रहेगी। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। मनोकूल कार्य की सिद्धि होगी। सश्रम सफलता मिलेगी।

मकर : जनसंपर्क बढ़ेगा। संचित धन व्यय होगा। पारिवारिक उलझनें बढ़ेंगी। वृद्ध परिजन को स्वास्थ्य हानि मिलेगी।

कुंभ : मित्रों से उपहार मिलेंगे। धार्मिक कृत्यों में आस्था होगी। पत्नी का सुख उत्तम रहेगा।

मीन : धार्मिक कार्यों में आस्था रहेगी। पराक्रमों में वृद्धि होगी। लाभ मार्ग प्रशस्त होगा। विशेष प्रयास सार्थक होंगे।

संतुलन की पतली रस्सी पर बजट 2026

- डॉ. प्रियंका सौरभ

1 फरवरी 2026 को संसद में पेश केंद्रीय बजट 2026 ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सरकार आर्थिक अनुशासन और जनता की आकांक्षाओं के बीच संकरी राह पर चल रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भाषण की शुरुआत ही स्थिरता, निरंतरता और दीर्घकालिक विकास की सोच से की। कोई अप्रत्याशित लोकलुभावन घोषणाओं का धमाका नहीं हुआ, बल्कि बजट ने यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाया। राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2026 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 प्रतिशत रखा गया, जो पूर्व निर्धारित 4.5 प्रतिशत लक्ष्य से भी नीचे है। यह कदम वित्तीय अनुशासन की मजबूत मिसाल पेश करता है। पूंजीगत व्यय को पिछले वर्ष के 11.2 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 12.5 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया, जो लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह बढ़ोतरी बुनियादी ढांचे, शहरी विकास परियोजनाओं और डिजिटल तकनीक क्षेत्रों पर केंद्रित है। निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संपत्ति मुद्रीकरण योजना के तहत 10 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले वित्तीय वर्ष में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की थी, लेकिन वैश्विक आर्थिक मंदी, अमेरिका-चीन व्यापार तनाव और घरेलू मुद्रास्फीति जैसी चुनौतियां बरकरार हैं। बजट ने राजकोषीय घाटे को सख्ती से 4.4 प्रतिशत पर नियंत्रित रखा, जबकि प्रभावी राजस्व घाटे को 96,654 करोड़ रुपये तक सीमित किया गया, जो जीडीपी का मात्र 0.3 प्रतिशत है। पूंजीगत व्यय पर 12.5 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा पाइपलाइन को नई गति देगा। राजमार्ग निर्माण में अतिरिक्त 50,000 किलोमीटर का लक्ष्य, रेलवे विद्युतीकरण और आधुनिकीकरण पर 2.5 लाख करोड़ रुपये का आवंटन भविष्य की नींव को अटल बनाने का संकल्प दिखाता है। राज्यों को 1.5 लाख करोड़ रुपये का 50 वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जो संघीय ढांचे को मजबूत करेगा। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल को बढ़ावा देने के लिए कर छूट, एकल खिड़की प्रणाली और तेज मंजूरी प्रक्रिया जैसे उपाय किए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है–निवेशक आइए, हम पूरी तरह तैयार हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या ये विशाल निवेश ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रोजगार सृजन करेंगे, या केवल महानगरों की चकाचौंध तक सीमित रहेंगे? मध्यम वर्ग, जो देश की जीडीपी में लगभग 40 प्रतिशत योगदान देता है, को इस बजट में ठोस कर राहत? मिली है। पुरानी कर व्यवस्था में मानक कटौती को 50,000 रुपये से दोगुना बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दिया गया, जबकि वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह और अधिक उदार है। नई कर व्यवस्था में स्लैबों को सरल बनाया गया–5 लाख रुपये तक की आय पर शून्य कर। शिक्षा ऋण पर टीसीएस हटाया गया (10 लाख रुपये तक), जबकि किराया टीडीएस सीमा को 2.4 लाख से बढ़ाकर 6 लाख रुपये किया गया। दो स्व-व्यवहृत आवासीय संपत्तियों पर कर राहत का प्रावधान, आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा को 2 वर्ष से बढ़ाकर 4 वर्ष किया गया। कर संहिता को 819 धाराओं से घटाकर 536 धाराओं में सरलीकृत करने का वादा सराहनीय है। ये कदम करदाता को राजस्व का मात्र स्रोत न मानकर भरोसेमंद भागीदार बनाने की दिशा में हैं। हालांकि, जमीनी स्तर पर अनुपालन प्रक्रिया को और सरल बनाना होगा, वरना ये राहतें कागजी औपचारिकताओं तक सीमित रह सकती हैं। कृषि क्षेत्र, जो अभी भी 18 प्रतिशत जीडीपी और 65 प्रतिशत ग्रामीण आबादी का आधार है, पर बजट ने विशेष ध्यान दिया। प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना को 100 जिलों में विस्तारित किया गया, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन, सिंचाई और भंडारण क्षमता बढ़ाने पर जोर। पीएम किसान सम्मान निधि में वृद्धि, किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाई गई। मत्स्य पालन विकास के लिए अंडमान-लक्षद्वीप में आर्थिक क्षेत्र घोषित, फल-सब्जी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने का प्रावधान।

खबर एक नजर

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई संत शिरोमणि रविदास की जयंती

महराजगंज रायबरेली। क्षेत्र के सड़कहा बावन बुजुर्ग बल्ला स्थित अंसल पब्लिक स्कूल के प्रांगण में संत शिरोमणी भक्त रविदास की जयंती रविवार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गयी। जयंती के समारोह में आये कवि आदित्य मौर्या प्रेम पथिक व केपी द्वारा मनमोहक काव्य पाठ से समारोह को सफल मनाया गया। विद्यालय प्रबंधक अशोक कुमार यादव ने संत रविदास जयंती के अवसर पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमे क्षेत्र सैकड़ो लोगो ने प्रसाद भी ग्रहण किया। समारोह के अवसर पर राम हरी, शारदा यादव, नकुल, गया प्रसाद, अशोक अवस्थी, छंगा गुप्ता, राम अचल मौर्य, रामेश्वर पासवान, राम सुमेर पाल, राजन, बिजय, राम शांकर, छोटे लाल, राम हेतु, राजेश, शत्रुहन, उदय भान, तेज भान, रामबकुमार सहित सैकड़ो लोगो मौजूद रहे। साथ ही नई गांव में शिरोमणि संत रविदास की जयंती पर आयोजित प्रतिमा अनावरण समारोह सामाजिक चेतना और भावनाओं का सशक्त संगम बनकर उभरा। समाजसेवी दिनेश कुमार रैदास ने संत रविदास की प्रतिमा का अनावरण किया। पूरा गांव जयघोषों से गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान संत रविदास के जीवन संघर्ष, उनकी वाणी और सामाजिक क्रांति पर वक्ताओं ने प्रकाश डाला। भजन-कीर्तन और श्रद्धा गीतों से वातावरण भावनाओं से भर गया। बुजुर्गों के साथ-साथ युवाओं की सक्रिय सहभागिता ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। समारोह के समापन पर उपस्थित जनसमूह ने एक स्वर में संकल्प लिया कि संत रविदास के आदर्शोंकुमानवता, भाईचारा और सामाजिक न्यायकुको घर.घर तक पहुंचाकर एक समरस और सशक्त समाज का निर्माण किया जाएगा। इस मौके पर पूर्व प्रधान छंगा सिंह, छेदीलाल, हरी नारायण, राम बालक, भगवानदीन, राज कुमार, अवस्सान, छोटे लाल, राम अभिलेख, राम दुलारे, दया राम, राम मिलन, मनोज कुमार, अंकित, मोहन लाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर जातिगत टिप्पणी करने पर युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

खीरों, रायबरेली। थाना क्षेत्र के गांव खानपुरखुरटी निवासी एक दलित युवक द्वारा सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म फेसबुक पर जाति विशेष ब्राह्मण समुदाय पर अभद्र, अश्लील और आपत्तिजनक टिप्पणी करना महंगा पड़ गया। खीरों पुलिस ने तिवारिनखेड़ा मजरे खजुहा निवासी एक ब्राह्मण समुदाय के युवक की तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। तिवारिनखेड़ा मजरे खजुहा गांव निवासी अंकित कुमार तिवारी पुत्र कृष्ण कुमार तिवारी ने खीरों थाने में तहरीर देते हुए आरोप लगाया है कि खानपुरखुरटी गांव निवासी अनुज कुमार पुत्र अज्ञात द्वारा सामाजिक भाईचारा और आपसी सौहार्द बिगाड़ने के उद्देश्य से सोशल मीडिया के प्लेटफार्म फेसबुक पर जाति विशेष ब्राह्मण समुदाय को लेकर अभद्र अश्लील और आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है। जो कि सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। जिससे ब्राह्मण समाज के लोग व्यापक रूप से आक्रोशित हैं। अनुज कुमार द्वारा आपसी सामाजिक सौहार्द और भाईचारा बिगाड़ने के उद्देश्य से टिप्पणी कर यह कुत्सित प्रयास किया है। उन्होंने अनुज कुमार के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। खीरों पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक सन्तोष कुमार सिंह ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई करते हुए आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में आस्था की डुबकी

डलमऊ रायबरेली। माघ माह के माघी पूर्णिमा के शुभ अवसर पर विभिन्न क्षेत्र एवं जनपदों से आकर हजारों श्रद्धालुओं ने डलमऊ गंगा तट पर हर हर गंगे के जयकारों के साथ आस्था की डुबकी लगाई तथा गंगा घाट पर स्थित देवी देवताओं के मंदिरों में पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना के साथ मन्नतें मांगी। माघ माह के माघी पूर्णिमा के शुभ अवसर पर रविवार को विभिन्न जनपदों एवं क्षेत्रों से श्रद्धालुओं की भीड़ डलमऊ गंगा घाट पर लगी रही। जनपद समेत विभिन्न क्षेत्रों एवं जनपदों से श्रद्धालुओं ने पूर्णिमा के एक दिन पूर्व ही गंगा घाट पर तीर्थ पुरोहितों के घरों में अपना डेरा डाल दिया था। सुबह होने पर श्रद्धालुओं ने गंगा नदी में स्नान करना प्रारंभ कर दिया था।

यह बजट आम आदमी की बजाय बड़े उद्योगों और पूंजीगत हितों को अधिक प्राथमिकता–अतुल

रायबरेली। कांग्रेस पार्टी के पूर्व ऊंचाहार विधान सभा प्रत्याशी अतुल सिंह ने प्रेस के माध्यम से कहाकि मोदी सरकार ने केंद्रीय बजट से आम नागरिक, मध्यम वर्ग, किसानों और युवाओं को महंगाई से राहत, रोजगार सृजन और बेहतर सार्वजनिक सेवाओं को निराशा हुई है बजट का समग्र अध्ययन यह दर्शाता है कि यह आम जनता की जमीनी समस्याओं को प्राथमिकता देने में कमजोर रहा है। बढ़ती महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजमर्रा के खर्चों के मुकाबले अपर्याप्त है। महंगाई नियंत्रण के लिए पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और आवश्यक वस्तुओं पर कोई ठोस राहत नहीं दी गई, जबकि यही खर्च आम परिवार को सबसे अधिक प्रभावित करते हैं। बेरोजगारी देश की एक गंभीर समस्या बनी हुई है। स्थायी और गुणवत्तापूर्ण नौकरियों के लिए कोई स्पष्ट कार्ययोजना सामने नहीं आई, जिससे विशेषकर शिक्षित युवाओं में निराशा है। कृषि क्षेत्र में किसानों की आय बढ़ाने के दावे दोहरा, गए, परंतु खेती की बढ़ती लागत, एमएसपी की गारंटी और छोटे किसानों की समस्याओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्रों में अपेक्षित निवेश की कमी और निजीकरण पर बढ़ता जोर चिंता का विषय है। यह बजट आम आदमी की जरूरतों के बजाय बड़े उद्योगों और पूंजीगत हितों को अधिक प्राथमिकता देने वाला है। देश को ऐसे बजट की आवश्यकता है जो आम नागरिक के जीवन में वास्तविक राहत और भरोसा पैदा करे।

बिट्ठल भगवान की प्रेरणा स्वर्णकार समाज के लिए प्रेरणादाई

ऊंचाहार, रायबरेली। आराध्य नरहरी दास जी बिट्ठल भगवान संपूर्ण स्वर्ण समाज के लिए प्रेरणादाई है। उनका अनुसरण करके ही समाज आगे बढ़ सकता है। यह विचार स्वर्ण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने ऊंचाहार में व्यक्त किए। रविवार को भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रांतीय मंत्री अभिलाष चंद्र कौशल के कैम्प कार्यालय पर स्वर्णकार समाज के आराध्य संत शिरोमणि नरहरी दास की जयंती मनाई गई।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा स्वर्णकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत नरहरी दास के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा हमारे आराध्य नरहरी दास जी बिट्ठल भगवान के अत्यंत परम भक्त थे और उनकी प्रेरणा और नियम को आज स्वर्णकार समाज आज भी अनुसरण कर रहा है।

पुण्यतिथि पर विशाल भण्डारे का हुआ आयोजन'

डलमऊ रायबरेली। सनातन धर्म पीठ बड़ा मठ डलमऊ के 22 वें महंत रहे स्वामी बद्री नारायण गिरी महाराज के निर्वाण दिवस पर विशाल भंडारे एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने भंडारे के प्रसाद का स्वाद चखा और आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम प्रातः काल ब्रह्ममलीन महंत बद्री नारायण गिरी महाराज की मूर्ति का षोसपचार विधि से पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात भंडारे का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में पधारे महंत कृष्णानंद भारती ने बताया कि महंत बद्री नारायण गिरी महाराज ने अपने कार्यकाल में बड़ा मठ डलमऊ में विद्यालय की स्थापना की थी वह मां गंगा की अनन्य भक्त थे वह प्रतिदिन मां गंगा की आरती पूजन करते थे तथा मां गंगा को भोजन का भोग लगाते थे मां गंगा के प्रति उनका अपार स्नेह था।

सपा द्वारा संत शिरोमणि रविदास एवं प्रख्यात संत नरहरि दास सोनार की मनायी गयी जयंती

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देशानुसार महान संत रविदास एवं प्रख्यात संत नरहरि दास सोनार की जयंती पर समाजवादी पार्टी कार्यालय सुपर मार्केट में जिला अध्यक्ष इ. वीरेन्द्र यादव की अध्यक्षता में विचार गोष्ठी आयोजित की गयी। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए ज़िलाध्यक्ष इ. वीरेंद्र यादव ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी भक्ति आंदोलन के महान संत कवि थे उनका जन्म वाराणसी जनपद के पास हुआ था वह मोची का काम करते थे उन्होंने जाति-पाति का खंडन कर सामाजिक समानता और निर्गुण ईश्वर की भक्ति का संदेश दिया और उनके भजन गुरु ग्रंथ साहिब में भी शामिल हैं जिससे वे रविदासिया पंथ के संस्थापक और समाज सुधारक के रूप में पूजे जाते हैं उन्होंने गरीबों, पिछड़ों के उत्थान के लिए अनेकों जनसंदेश दिये। वरिष्ठ नेता गंगासागर ने संत नरिहर दास सोनार के जीवन दर्शन पर चर्चा करते हुए कहा कि वह महान कवि तुलसीदास के समकालीन थे संत नरहरिदास का जन्म महाराष्ट्र के देवगिरी वर्तमान औरंगाबाद में एक सुनार परिवार में हुआ था उनका जन्म माघ पूर्णिमा के दिन हुआ था नरिहर दास के पिता स्वर्णाभूषण बनाने का कार्य करते थे जिसमें वह भी निपुण थे उनका पारिवारिक वातावरण धार्मिक था इसलिए बचपन से ही नरहरिदास की भक्ति और साधना के प्रति आकर्षण व अटूट श्रद्धा थी। महान संत रविदास एवं संत नरहरि दास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर वरिष्ठ नेता सुरेश निर्मल, श्रवण आज़ाद, बलराज राना, अरविन्द चौधरी, राजीव गौतम, चंद्र प्रकाश आज़ाद, गंगासागर यादव, मो.अरशद खान, श्रवण चौधरी, सुरजीत सिंह, आफ ़ताब अहमद रज्जू ख़ान, राजेश मौर्य, शिवदुलारी यादव, शकील मंसूरी, राम खेलावन प्रजापति, नैय्यर इस्लाम, राजेंद्र बहादुर, नीलेश यादव, इज़हार अज्जू, शुभम पाल, विनय यादव सहित अनेकों लोगों ने चर्चा किया। इस अवसर पर देवता पासी, शैलेंद्र यादव, मो वसीम, रजोले यादव, लक्ष्मी देवी, चंद्रवती, रेशमा, सावित्री वर्मा, ओम प्रकाश रावत, गुड़िया, गीता देवी, देवता दीन यादव आदि अनेकों कार्यकर्ताओं ने संत रविदास एवं संत नरहरि दास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया।

नगर पालिका के द्वारा रची जा रही साजिश के खिलाफ 4 जनवरी को देगे ज्ञापन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। गुरु तेग बहादुर मार्केट सुपर मार्केट व्यापार मंडल के व्यापारियों ने मार्केट के अध्यक्ष परमजीत सिंह गांधी के नेतृत्व में एक बैठक आहूत की। बैठक में प्रमुख रूप से निर्णय लिया गया कि नगर पालिका के द्वारा किए जा रहे हैं उत्पीड़न के खिलाफ समस्त व्यापारी बुधवार 4 जनवरी को एकत्रित होकर गुरुदेग बहादुर सुपर मार्केट से जिला अधिकारी कार्यालय तक जाएगा एवं वहां पहुंचकर जिलाधिकारी को नगर पालिका के द्वारा रची जा रही साजिश के खिलाफ ज्ञापन देने का कार्य करेगा। जिले के व्यापार मंडल प्रमुख रूप से अतुल गुप्ता, पंकज मुरारका, सरदार बसंत सिंह बग्गा, प्रभाकर गुप्ता एवं गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष सरदार हरिमिन्दर सिंह सलूजा ने बुधवार को होने वाले गुरूतेग बहादुर मार्केट के व्यापारियों द्वारा ज्ञापन के कार्यक्रम में अपनी पूरी ऊर्जा के साथ उपस्थित रहने का एवं सदैव नेतृत्व करने का आवाहन किया। यह जानकारी गुरु तेग बहादुर मार्केट के मीडिया प्रभारी पारुल बाजपेई द्वारा दी गयी।

कृष्णपुर ताला में लगे निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में सात सौ लोगों ने कराई जांच

गठिया, लिकोरिया व बैक पेन से पीड़ित मिले अधिकांश मरीज, की गई निशुल्क जाँच व दी गई दवायें

स्वतंत्र भारत संवाददाता, सताँव, रायबरेली। ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से फ ीनिक्स हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर, रायबरेली द्वारा रविवार को कृष्णपुर ताला स्थित काका मार्केट कैंपस में एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सम्राट मेडिकल स्टोर के सहयोग से सम्पन्न हुये इस शिविर में आसपास के गाँवों से भारी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। शिविर में फीनिक्स हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों एवं उनकी मेडिकल टीम ने मरीजों की निःशुल्क जांच की, चिकित्सकीय परामर्श दिये तथा निशुल्क दवाओं का वितरण किया। शिविर में आरएलसी क्योर पैठ लैब ने भी सराहनीय भूमिका निभाई। शिविर में करीब सात सौ मरीजों की जांच कर उन्हें निःशुल्क उपचार प्रदान किया गया। शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए डॉ इरशाद ने बताया कि शिविर में आये अधिकांश मरीज गठिया रोग से पीड़ित मिले। महिलाओं में लिकोरिया सफेद पानी की समस्या तथा पैरों में ऐंठन की समस्या दिखी। टीम मे शामिल डॉ सईद ने बताया कि लो बैक पेन कमर दर्द से पीड़ित मरीजों की भी संख्या अधिक रही। जनरल रोगों जैसे बुखार, सर्दी-खांसी, कमजोरी आदि के मरीज भी बड़ी संख्या में जांच के लिए आए। डॉक्टरों ने सभी मरीजों को आवश्यक दवाएं देने के साथ रोगों से बचाव एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। शिविर में महिलाओं बुजुर्गों और बच्चों की विशेष रूप से जांच की गई। स्थानीय लोगों ने फीनिक्स हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर की इस जनहितकारी पहल की सराहना की। फ ीनिक्स हॉस्पिटल प्रबंधन ने भविष्य में भी ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की बात कही। शिविर में डॉ इरशाद, डॉ सईद, डॉ इकरार हुसैन, अकरम, अनूप यादव, रोशनी यादव, रोशनी खान, मोनू यादव, मोहम्मद सुहैल, अनुपम सरोज, सूर्यपाल लोधी, श्री पाल लोधी, ऋ षभ सिंह, आशीष सिंह एवं अजय बाजपेई आदि ने भी सक्रिय भूमिका अदा की।

बसंतोत्सव मेले में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का किया गया भव्य आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, बछरावां रायबरेली। बछरावां विकासखंड के अंतर्गत श्री कंजेश्वर धाम पस्तौर में बसंत पंचमी पर लगने वाला एक पखवाड़ा मेला श्रद्धा और संस्कृति में रंगा हुआ लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। वही प्राचीन भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को ध्यान में रखते हुए श्री कंजेश्वर धाम के पीठाधीश्वर स्वामी विचित्रानंद महाराज ने एक राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें क्षेत्रीय कवियों के साथ-साथ राष्ट्रीय कवि भी उपस्थित रहे। इस राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का शुभारंभ संयुक्त रूप से स्वामी जी एवं ब्लाक प्रमुख अमन सिंह दउवा बछरावां के द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम को गति दी गई। इस कार्यक्रम में हास्य, व्यंग्य, लोकगीत और गजलों को खूब सराहा गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के सियासी दिग्गज, जिला पंचायत सदस्य, प्रधान के साथ साथ प्रबुद्ध वर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित रहा और कवियों का हौसला आफ़जाई करता रहा। जिससे कवियों ने भी खुलकर अपने अंदर के उद्गार व्यक्त किये। कार्यक्रम का कुशल संचालन कर रहे डॉक्टर नीरज पांडे ने कवियों को एक सुंदर श्रृंखला में जोड़ने का काम किया। इस काव्य मंच को सुशोभित करने वाले कवि डॉ राजेंद्र सिंह व्यंग्य, शिवकुमार व्यास ओज, डॉ अनुज पांडे गजल, चेतराम अज्ञानी हास्य, देशराज मधुसूदन गीत, राजेश पांडे ओज, शिवम मिश्रा गजल, मधु श्रीवास्तव नर कंकाल हास्य, डॉ देवी बक्स सिंह गीत, निर्मल श्रीवास्तव गीत, सुखदेव प्रसाद छैल, सौरभ शुक्ला, लोकतंत्र शुक्ला, उत्कर्ष उत्तम, विनोद दीक्षित पागल, रमाकांत पांडे, आशीष मासूम आदि ने शमा बांध दिया। वही इस कार्यक्रम को सुनने के लिए बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जन सैलाब उपस्थित रहा। वही इस कार्यक्रम में शिरकत करने वाले नरेंद्र त्रिपाठी पूर्व प्रधान करदहा, श्रीधर मिश्रा, पवन यादव प्रबंधक हेह पब्लिक इंटर कॉलेज लकड़िया खेड़ा, संत प्रसाद सिंह पूर्व प्रधान पस्तौर, त्रिभुवन सिंह यादव जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी बछरावां, मोहम्मद रसीद सिद्दीकी, राम बहादुर यादव पूर्व प्रधान रैन, अनुज द्विवेदी प्रधान मुबारकपुर सांपों, संजय पांडे राजामऊ, हरिराम प्रधान पस्तौर, संतोष मिश्रा, प्रसून कुमार द्विवेदी, रामविलास, आलोक कुमार शुक्ला, अजय सिंह नंदा खेड़ा, कृष्ण कुमार यादव, शिव बरन सिंह, राजकिशोर यादव, मोहनलाल मास्टर, अंजनी पांडे, बबलू शर्मा, रामराज गौड़ आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

मनाई गई संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के अवसर पर कांग्रेस कार्यालय तिलक भवन में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर जिला व शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने सभी को महान संत गुरु रविदास की जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी की शिक्षा हमें मानवता की सेवा, समानता और भाईचारे का संदेश देती है। शहर अध्यक्ष धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि संत रविदास जी का जीवन हमें जात-पात और धार्मिक आडंबरों से मुक्ति का मार्ग दिखता है। कांग्रेस प्रवक्ता महताब आलम ने कहा कि मन चंगा तो कठौती में गंगा का संदेश देने वाले संत रविदास जी भक्ति आंदोलन के प्रमुख कवि एवं संत थे उनके प्रमुख विचार मन की शुद्धता और मानवता की सेवा ही सच्ची भक्ति है। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष वीके शुक्ला, नगर पालिका अध्यक्ष शत्रोहन सोनकर, राजेश यादव, विजयशंकर अग्निहोत्री, निर्मल शुक्ला, सुनील कुमार, अंबरीश बाजपेई आदि उपस्थित रहे।

पाखंड और ढोंग के खिलाफ थे संत रविदास–गोविंद सिंह

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। आजाद शक्ति सेवा संगठन के द्वारा संत रविदास जी की 649 में जयंती पर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि करते हुए उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष गोविंद सिंह एडवोकेट में कहा कि मन चंगा तो कठौती में गंगा, यह कहावत अक्सर लोगों से हम सभी ने सुना होगा यह कहने वाले थे। आध्यात्मिक गुरु बाबा रविदास, संतरविदास ने समाज में सामाजिक समरसता लाने के लिए सदैव प्रयासरत रहने का कार्य किया था उन्होंने समाज में फैले पाखंड से छुआछूत से और सामाजिक असमानता से अपने जीवन पर्यंत मजबूती से लड़ाई लड़ने का काम किया। आजाद शक्ति सेवा संगठन के उपाध्यक्ष मयंक श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि उनका अपना मानना था कि लोगों को आस्थावान अपने मन से होना चाहिए बाहरी दिखावा करते हुए आडंबर और पाखंड फैलाने पर विश्वास नहीं करना चाहिए यदि लोग अपने मन से भक्ति भाव रख कर ईश्वर का स्मरण करेंगे तो ईश्वर कण-कण में उनके पास ही दिखाई देगा। आजाद शक्ति सेवा संगठन के प्रवक्ता विवेक राठौर एडवोकेट ने कहा कि कुछ लोगों से मैंने यह किस्सा भी सुना है कि एक बार संत रविदास जूते बनाने का काम कर रहे थे तब उनके गांव के कुछ लोग आते हैं और बाबा बक्सर कहा करते हैं कि मन चंगा तो कठौती में गंगा, आज गांव के भला व्यक्ति की नई नवेली पुत्रवधू आई थी वे लोग जोड़े सहित गंगा स्नान करने गए थे। गंगा में उनकी कहीं पायल गिर गई है लोगों के कहने पर बाबा ने जी कुड़ी में चमड़ा धोया जाता है। इस कुड़ी में हाथ डाला और भक्ति भाव से ईश्वर का स्मरण किया और बाबा ने जब हाथ बाहर निकाला तो उनके हाथ में उसे नई वधू की पायल थी इस तरह से बाबा ने अपनी कहावत को चरितार्थ भी किया। आजाद शक्ति सेवा संगठन के जिला संगठन प्रभारी दिवाकर सिंह एडवोकेट ने कहा कि इतिहासकार बताते हैं कि राणा सांगा को संत रविदास की भक्ति उनकी उपासना पद्धति के बारे में पता चला और उनकी चर्चाओं से प्रभावित होकर वह बनारस आए और उन्हें अपने साथ ले गए और उन्होंने अपने राजमहल में उनका रहने का जो है पूरा प्रबंध कराया और उन्होंने अपने यहां अपने गुरु के रूप में संत रविदास को सम्मान देने का काम किया।

आजाद शक्ति सेवा संगठन के अभिषेक श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि इस गुरु बनाए जाने के पीछे उनका समाज के कुछ विशेष लोगों ने विरोध भी करने का प्रयास किया इसके बावजूद भी राणा साहब ने संत रविदास को अपने अपना गुरु मान उनका परिवार उन्हें अपना गुरु मानता है आज भी आप जाएंगे तो उसे किले में संत रविदास का मंदिर बना हुआ है यह उस समय की सामाजिक समरसता का जीवंत उदाहरण है। आजाद शक्ति सेवा संगठन के पदाधिकारियों ने संत रविदास के मंदिर पहुंचकर उनकी मूर्ति को प्रणाम करते हुए पुष्पांजलि करने का कार्य किया।

विकास की बुनियाद को मजबूत कर जन विश्वास को बढ़ाने वाला है बजट–उद्यान मंत्री

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि भारत देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आज संसद में बजट प्रस्तुत किया गया, जो सर्वस्पर्शी, समावेशी, जनहितकारी बजट के रूप में जाना जायेगा। बजट में किसानों, नौजवानों, महिलाओं, सुरक्षा, चिकित्सा, शिक्षा, अवस्थापना और व्यापार जगत को संबल देने वाला बजट है। विकसित और सुरक्षित भारत की परिकल्पना साकार हो रही है। विकास भी और विरासत भी के वायदे के साथ सबका साथ सबका विकास बजट में स्पष्ट परिलक्षित हो रहा है। प्रस्तुत बजट विकास की बुनियाद को मजबूत कर जन विश्वास को बढ़ाने वाला है। इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट विनिर्माण स्कीम, वस्त्र उद्योग के लिए एकीकृत कार्यक्रम, कंटेनर निर्माण की स्कीम, उच्च मूल्य और प्रौद्योगिकी, उन्नत विनिर्माण और संरचना के उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने वाला, दो सौ से अधिक पुराने उद्योग समूहों को पुनर्जीवित करने, सेमी कंडक्टर, बायो परमाणु शक्ति, रेयर अर्थ परमानेंट मैगनेट, कम उपज वाले फल, उद्यानों के कायाकल्प तथा अखरोट, बादाम और खुमानी का उच्च धनत्व वाले बागवानी को बढ़ाने वाला बजट है। पशु पालन, मत्स्य पालन और कृषि के क्षेत्र में प्रस्तुत बजट लाभकारी परिणाम देने वाला होगा। प्रस्तुत बजट में सौर्य ऊर्जा आधारित परियोजनाओं का संवर्द्धन होगा। ग्रामीण विकास, शहरी विकास और सामाजिक कल्याण को समर्पित बजट है। मैं रायबरेली वासियों और उत्तर प्रदेश वासियों की ओर से देश के प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

उन्मुख फाउंडेशन के सहयोग से दिव्यांग जनों को दिया गया कंबल

रायबरेली। ठंड से राहत दिलाने के उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्र में दिव्यांग जनों को उन्मुख फ ाउंडेशन के प्रयास से कंबल दिलाया गया। बीते दिनों सलोन के बघौला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्मुख फाउंडेशन की प्रबंधक रीता पाण्डेय के प्रयास से स्थानीय स्तर के दिव्यांग जनों को कंबल वितरित कराकर भीषण ठंड से राहत दिलाया गया जिसकी दिव्यांग जनों ने जमकर प्रशंसा की। दिव्यांग रोहित लाल एवं रईस ने कहा कि उन्मुख फ ाउंडेशन पिछले कई वर्षों से दिव्यांगजनों एवं दिव्यांग बच्चों के लिए निरंतर सहयोग करता रहा है। जिससे विकास क्षेत्र डीह, छतोह एवं सलोन के दिव्यांग जनों को काफ ी सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कुछ दिन पूर्व योग दिवस पर दिव्यांगों को योग कराया गया इसके बाद व्यापार मंडल एवं अन्य संस्थाओं द्वारा ठंड में कंबल की सुविधा दिलाई गई।

राजस्व निरीक्षक संघ चुनाव संपन्न, धर्मेंद्र कुमार मिश्रा निर्विरोध जिला चुने गए अध्यक्ष

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। जनपद के लेखपाल संघ भवन में उत्तर प्रदेश राजस्व निरीक्षक संघ उप.शाखा रायबरेली का द्विवार्षिक चुनाव शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हुआ। चुनाव में सभी पदों पर निर्विरोध चयन हुआ, जो संगठन में सदस्यों की पूर्ण एकजुटता और आपसी भरोसे को दर्शाता है। चुनाव की प्रक्रिया की निगरानी मंडल अध्यक्ष मनीष पाठक, खंड मंत्री महेश प्रसाद सोनकर और रवि मिश्रा ने की। सभी तहसीलों से राजस्व निरीक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और नए पदाधिकारियों को बधाई दी। नई कार्यकारिणी मे अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार मिश्रा निर्विरोध, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविन्द कुमार सिंह, कनिष्ठ उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, महामंत्री मोहम्मद अहमद, उप मंत्री श्री हनुमान यादव, संगठन मंत्री वीरेंद्र त्रिवेदी, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह यादव, ऑडिटर मेवालाल है। नवनियुक्त अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार मिश्रा ने अपनी प्राथमिकताएं बताते हुए कहा श्संगठन का मुख्य लक्ष्य राजस्व निरीक्षकों के हितों की रक्षा करना है। हम लंबित मांगों और समस्याओं को अधिकारियों के साथ संवाद तथा बेहतर सामंजस्य से हल करेंगे। कार्यक्षेत्र की चुनौतियों को सामूहिक प्रयास से दूर किया जाएगा। महामंत्री मोहम्मद अहमद ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि निर्विरोध चुनाव संघ की मजबूत एकता का प्रतीक है। उन्होंने सदस्यों के कल्याण और संगठन की मजबूती के लिए निरंतर सक्रिय रहने का संकल्प लिया।

22 लाख कीमत के 106 मोबाइल फोन बरामद

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। सर्विलांस सेल व थाना स्तर की संयुक्त टीमों द्वारा सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से गुम हुए करीब 22 लाख रुपये कीमत के 106 मोबाइल फोन किये गये बरामद, अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा मोबाइलों को उनके स्वामियों के सुपुर्द किया गया। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय द्वारा आम जनता के मोबाइल फोन गुम होने की प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु सर्विलांस सेल व समस्त थानों को निर्देशित किया गया। इसी क्रम में सर्विलांस सेल व थाना स्तर की संयुक्त टीमों ने प्राप्त शिकायतों के आधार पर एक विशेष अभियान के तहत, सीईआईआर पोर्टल (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) का उपयोग करके तकनीकी विश्लेषण और ट्रैकिंग के माध्यम से गुमशुदा हुए 106 मोबाइल फोन को सफलतापूर्वक बरामद किया। इन बरामद मोबाइल फोनों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 22 लाख रुपये है। पुलिस लाइन स्थित सभागार में आज आयोजित कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी विकास चन्द्र त्रिपाठी द्वारा बरामद मोबाइलों के वास्तविक स्वामियों को उनके मोबाइल फोन सौंपे गए। अपने खोए हुए फोन व अपना महत्वूर्ण डाटा वापस पाकर मोबाइल स्वामियों द्वारा प्रसन्नता प्रकट करते हुए बाराबंकी पुलिस का आभार व्यक्त किया गया। बाराबंकी पुलिस नागरिकों से अपील करती है कि वे अपने खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन की शिकायत तुरंत अपने निकटतम पुलिस स्टेशन में दर्ज कराएं या सीधे सीईआईआर पोर्टल पर ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज करें, यह पोर्टल खोए हुए मोबाइल फोन को शीघ्रता से ट्रैक करने, ब्लॉक करने और बरामद करने में मदद करता है। *साथ ही मोबाइल स्वामियों को साइबर फ्रॉड से बचने के उपाय व साइबर हेल्प लाइन नम्बर 1930 व cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करने के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से बताया गया।

दुर्घटना में अधेड़ घायल

हैदरगढ़ बाराबंकी। स्थानीय कोतवाली अंतर्गत हैदरगढ़ अवसानेश्वर मार्ग पर रविवार शाम बिबियापुर गाँव के निकट सड़क पार करते समय तेज रफ्तार अल्ट्रो कार की चपेट में आकर अधेड़ घायल हो गया। गाँव निवासी यार मोहम्मद 57 गांव के बाहर अंडे की दुकान लगाते है। रविवार शाम 4 बजे गांव के गेट से ठेलिया लेकर सड़क पार करके दुकान खोलने जा रहे थे कि तभी कार ठोकर मारकर फर्राटे भरते हुए निकल गई। एम्बुलेंस से सीएचसी हैदरगढ़ लाये गये अधेड़ को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है।

इंजन चोरी में दो गिरफ्तार

हैदरगढ़ बाराबंकी। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत भिखरा गांव से एक दिन पूर्व चोरी गये पंपिंग सेट को बरामद करते हुए पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार की रात चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने चौबिसी गांव के समीप एक ट्रैक्टर-ट्रॉली व उस पर लदे चोरी के इंजन को पकड़ लिया।इंजन को बेचने जा रहे ट्रैक्टर पर सवार भिखरा गांव निवासी आरोपी शिवशंकर व दीपक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

शब-ए-बारात व महाशिवरात्रि को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी। रविवार को मसौली थाना परिसर में शब-ए-बारात और महाशिवरात्रि को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। प्रभारी निरीक्षक अजय प्रकाश त्रिपाठी ने सभी जनप्रतिनिधियों और उपस्थित प्रबुद्धजनों से अनुरोध किया की आपसी भाईचारे के साथ पर्व को मनाए। प्रभारी निरीक्षक अजय प्रकाश त्रिपाठी ने पूर्वजों की याद में मनाए जाने वाले शव-ए- बारात को लेकर जहां-जहां कब्रगाह है उसके लोकेशन की जानकारी ली गई, ताकि पुलिस चौकसी की जा सके। वही लोधेश्वर महादेवा मंदिर पर महाशिवरात्रि पर्व के दौरान जाने वाले कावड़ियाँ श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सबके सहयोग की अपील की प्रभारी निरीक्षक ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अफवाह, असामाजिक गतिविधि या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने के प्रयास को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा कावड़ यात्रा के दौरान वाहनों में की जा रही ओवरलोडिंग की समस्या और लोगों द्वारा हेलमेट के प्रयोग के साथ यातायात नियम पालन करने पर बल दिया। बैठक में उपस्थित लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया तथा त्योहारों को आपसी सद्भाव और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने पर लोगों ने सहमति जताई। शांति समिति की बैठक मे अतरिक्त प्रभारी निरीक्षक सनत मिश्रा, कस्बा प्रभारी अभय गुप्ता, उपनिरीक्षक राशिद अली खान, सत्यपाल सिंह ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मुईन अंसारी, रामसिंह यादव, उमाकांत राव, नूर मोहम्मद, धीरज, जितेंद्र वर्मा, ज्ववाद खान, सलमान, प्रेमनंद वर्मा, मुन्ना कुरैशी, अरुण कुमार सहित अन्य जिम्मेदार लोग मौजूद रहे।

जब तक जाति खत्म नहीं होगी तब तक मानवता नहीं जुड़ सकती : पीएल पुनिया

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। सांसद आवास ओवरी पर पर पूर्व सांसद पी0एल0 पुनिया ने सन्त शिरोमणी रविदास की जयंती के शुभ अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं नमन करते हुये कहा कि, संत शिरोमणि रविदास जिन्हें भक्त रविदास या गुरू रविदास जी के नाम से भी जाना जाता है। पूर्व सांसद पीएल पुनिया ने कहा कि, ''जाति-जाति में जाति है जो केतन के पात रैदास मनुष न जुड़ सके, जब तक जाति न जाति'' जिस प्रकार केले के तने को छीलने पर पत्तों के नीचे पत्ता निकलता और अंत में कुछ नही बचता वैसे इंसान को जातियों में बाँट दिया गया है। जब तक जाति खतम नही होगी तब तक मानवता नही जुड़ सकती। जयन्ती के शुभ अवसर पर पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन, नगर अध्यक्ष राजेन्द्र वर्मा, अजीत वर्मा, के.सी. श्रीवास्तव, विजयपाल गौतम, राम हरख रावत, कमल भल्ला, सबनम वारसी, अजय रावत, अभय गौतम, अश्वनी गौतम, नेकचन्द्र त्रिपाठी संत शरण वर्मा इत्यादि लोग मौजूद थे।

महादेवा मेले में दुकानें लगाने को लेकर असमंजस की स्थिति

स्वतंत्रभारत, रामनगर, बाराबंकी। सुप्रसिद्ध लोधेश्वर महादेवा में लगने वाले फाल्गुनी मेले में दुकानें लगाने को लेकर इस बार दुकानदारों में असमंजस और नाराज़गी की स्थिति बनी हुई है। वर्षों से मेले में निर्धारित स्थानों पर दुकान लगाने वाले कई दुकानदारों को हल्का लेखपाल द्वारा उच्चाधिकारियों का हवाला देकर पुराने स्थानों पर दुकान लगाने से मना कर दिया गया, जिससे बाहर से आए दुकानदार इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं।गौरतलब है कि लोधेश्वर महादेवा में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी फाल्गुनी मेले का आयोजन चंद दिनों में शुरू होने जा रहा है। मेले को लेकर प्रशासन द्वारा युद्धस्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

क्षेत्रीय समेत दूर-दराज से बड़ी संख्या में दुकानदार दुकान लगाने के लिए सामान लेकर मेला क्षेत्र में पहुंच चुके हैं। मेला मैदान व महादेवा मंदिर को जाने वाले मार्ग के किनारे राजस्व कर्मियों द्वारा दुकानों के लिए भूमि की माप कराई जा रही है। सड़क किनारे कई दुकानों की सजावट भी पूरी कर ली गई है।इसके बावजूद वर्षों से एक ही स्थान पर दुकान लगाने वाले दुकानदारों को इस बार पुराने स्थानों पर दुकान लगाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

गोबरहा निवासी मुन्ना ने बताया कि वह पिछले करीब 20 वर्षों से मुख्य मार्ग स्थित रानी हवेली के पास दुकान लगाते आ रहे हैं, लेकिन इस बार राजस्व कर्मियों द्वारा उन्हें वहां दुकान लगाने से मना कर दिया गया। वहीं अयोध्या नगरी से आए श्यामजी जायसवाल ने बताया कि वह करीब 40 वर्षों से लगातार मेले में दुकान लगाते चले आ रहे हैं, परंतु इस बार उन्हें पूर्व निर्धारित स्थान पर दुकान लगाने नहीं दी गई।कस्बा रामनगर निवासी अभय चौरसिया ने बताया कि उनकी दुकान दो पीढ़ियों से उसी स्थान पर लगती आ रही है, लेकिन इस बार वहां भी दुकान लगाने से रोक दिया गया है।इस संबंध में हल्का लेखपाल संतोष कुमार ने बताया कि जिस भूमि पर दुकानदार दुकान लगाना चाहते हैं, वह विवादित है, इसलिए वहां दुकान लगाने से मना किया गया है।

वहीं मठ रिसीवर का कहना है कि जिन स्थानों पर पूर्व में दुकानें लगती रही हैं, वह भूमि मठ की है और उस पर किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं है।वहीं तहसीलदार ने स्पष्ट किया कि विवादित भूमि को छोड़कर सभी दुकानदारों को नियमानुसार दुकान लगाने के लिए स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। किसी भी दुकानदार को इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। सभी दुकानदारों के साथ बैठक कर एक निर्धारित शुल्क लिया जाएगा, जिसकी विधिवत रसीद भी दी जाएगी।मेले से पूर्व समस्या का समाधान न होने की स्थिति में दुकानदारों में असंतोष और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

कहीं अगहनी मेले की तरह फाल्गुनी मेला भी न चौपट हो जाए

लोधेश्वर महादेवा में महाशिवरात्रि पर्व पर लगने वाला यह फाल्गुनी मेला कही अगहनी मेले की तरह चौपट न हो जाए। इस पर जिले के आला अधिकारियों को ध्यान देना होगा। दुकानें लगाने को लेकर जो दिक्कतें पिछले दो मेले से दुकानदारों को हो रहे हैं यही दिक्कतें महादेवा महोत्सव में होने वाले अगहनी मेले में होती थी प्ररिणाम स्वरूप दुकानदारों ने आना ही बंद कर दिया जिसके चलते अब मेला महोत्सव में दुकानें लाने के लिए मेरा प्रशासन को देवां और कोटवा धाम जाकर दुकानदारों से संपर्क करना पड़ता भीड़ जुटाने के लिए जनप्रतिनिधियों से अपील करनी पड़ती लेकिन भीड़ नहीं आती जब से महादेवा कॉरिडोर प्रस्तावित हुआ और मुआवजा देकर दुकान मकान ध्वस्त कराए गए तब से दुकान लगाने में राजस्व कर्मियों के द्वारा खूब मनमानी की जारही है। सावनी मेले में दुकानदारों को खूब दिक्कतें हुई लेखपालों के द्वारा मनमाना किराया वसूला गया। उस समय चर्चा तो यहां तक थी किराया कुछ और वसूला गया अधिकारियों को कुछ और बताया गया अब फिर वही हालत बना रहे हैं।

मनाई गई गुड लक पार्टी

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। शहर के लखपेड़ाबाग स्थित आनंद विहार कान्वेंट इंटर कॉलेज में इंटरमीडिट छात्रों की विदाई समारोह व गुड लक पार्टी का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सदस्य/न्यायिक मजिस्ट्रेट, बाल कल्याण समिति/ न्यायपीठ एवं पूर्व निदेशक, चाइल्ड लाइन तथा चाइल्ड फ्रेंडली स्कूल के प्रबंधक रत्नेश कुमार ने छात्रों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित करते हुए कहा कि छात्र अपने स्कूल, अपने माँता पिता और अपने आप पर गर्व करे, मन से हीन भावना त्यागकर लक्ष्य निर्धारित करके पढ़ाई करें, सफलता अवश्य मिलेगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंजीनीयर रवींद्र वर्मा फॉर्मे प्रोजेक्ट इंचार्ज विप्रो व वरिष्ठ प्रवक्ता रसायन विज्ञान सुखेंद्र सिंह ने कहा कि पढ़ाई छात्र करते हैं, लेकिन क्या पढना है कितना पढना है यह सभी छात्र नहीं समझ पाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक शैलेंद्र सिंह ने अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर बच्चों को स्मृति चिन्ह दिया। कार्यक्रम में मंच संचालन आयशा इकबाल किदवाइ ने किया शिक्षक सविता वर्मा, वंदना वर्मा, ऊषा दीक्षित, ललित कुमार, सौरभ शुक्ला, आंशिक मिश्रा, आरती देवी, आदि शिक्षक ने आशीर्वाद दिया, आये हुए अतिथियों का आभार प्रधानाचार्य प्रवीण कुमार सिंह ने किया।

वार्षिक उत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह का हुआ आयोजन

स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी। कस्बे के एक्ता द्वारा के पास राजेंद्रनगर में स्थित मुंशी राम आसरे स्मारक शिक्षण संस्थान में वार्षिक उत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जहां मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री रामबाबू द्विवेदी का भाजपा नेता सहित अन्य लोगों ने जोरदार स्वागत भी किया। जानकारी के अनुसार जैदपुर क्षेत्र के राजेंद्रनगर में स्थित मुंशी राम आसरे स्मारक शिक्षण संस्थान में वार्षिकोत्सव, प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार करीब 3 बजे तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ फीता काटकर और मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय परिसर को छात्र-छात्राओं द्वारा रंग-बिरंगी रंगोलियों और फूलों से सजाया गया था। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने नृत्य, संगीत और नाटक सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्रों ने देशभक्ति और अन्य सामाजिक कुरीतियों पर महत्वपूर्ण संदेश दिए। प्रधानाचार्य विपिन सिंह राजपूत ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर शिक्षा, खेल और अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान मौजूद वक्ताओं ने अपने भाषण में छात्रों को शिक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अभिभावकों को केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न विकास योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी।

इस मौके पर भाजपा प्रदेश महामंत्री रामबाबू द्विवेदी, जिला उपाध्यक्ष बृजेश रावत, मंडल अध्यक्ष प्रेम प्रकाश द्विवेदी, जिला मंत्री सीता शरण वर्मा, राकेश कुमार वर्मा ' प्रत्याशी जिला पंचायत सदस्य मसौली चतुर्थ सहित अभिभावक व छात्र छात्राएं मौजूद रहें।

दबंगों से राहगीर हुए परेशान

स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी। नगर पंचायत जैदपुर में दबंगई करते हुये एक घर का पानी रास्ते में बहवाने से राहगीरों सहित स्थानीय लोगों को दिक्कत को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है, और बच्चों सहित बडे भी गिर गिर कर चोटिल भी रहे हैं, साइकिल मोटरसाइकिल से गिरना तो रोज की बात हो गयी है, जिसे लेकर आक्रोशित मोहल्ले के लोगों ने बहु चर्चित वार्ड सभासद ताहिर अंसारी से शिकायत की हैं। जानकारी के मुताबिक महिला होने का नाजायज़ फायदा उठा रहे मोहल्ला रईस कटरा के एक परीवार द्वारा घर का और शौचालय का गंदा पानी रास्ते में बहवाने से राहगीरों सहित स्थानीय लोगों को तमाम दिक्कत का सामना करना पड़ता है वहीं नमाजी भी रास्ता बदलकर निकलने पर मजबूर हैं मना करने महिला द्वारा गाली ग्लौज देना कोई नयी बात है, जबकि इस पानी की समस्या को लेकर आये दिन मोहल्ले में विवाद भी होते रहते हैं साथ ही गिर गिर चोटिल भी हो रहे हैं, ऐसे में मोहल्ले के लोगों ने इंसाफ पसंद सभासद ताहिर अंसारी से शिकायत की है, जबकि मामला संज्ञान में आते ही सभासद ताहिर अंसारी ने रास्ते में पानी बहवाने को गलत बताते हुये जल्द ही समस्या से छुटकारा दिलाने का आश्वासन भी दिया है।

नुक्कड़ किसान पंचायतों का हुआ आयोजन

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। भारतीय किसान यूनियन के द्वारा 17 फरवरी 2026को दादनपुर चौराहा तहसील फतेहपुर से आयोजित होने वाली किसान मजदूर स्वाभिमान महापंचायत के अधिकाधिक किसानों की भागीदारी व 1990 से 1995 के मध्य भारतीय किसान यूनियन के आवाहन पर चले जेल भरो आन्दोलन में भागीदारी करने वाले कार्यकर्ताओं/दिवंगत कार्यकर्ताओं के परिजनों के सम्मान समारोह/संगठन विस्तार आदि के उद्देश्य से विकास खण्ड देवां के ग्राम इनायतपुर, मलूकपुर,छेरिया व पवैयाबाद में नुक्कड़ किसान पंचायतों का आयोजन किया गया। आज के कार्यक्रमों में उक्त गांवों सहित आसपास के गांवों के जेल आन्दोलनकारी किसानों को फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया तथा उनके द्वारा प्रदेश की विभिन्न जेलों में बिताए गए दिनों के तमाम संस्मरण सुनाए गए। महात्मा महेन्द्र सिंह टिकैत के समय में चले जेल भरो आन्दोलनों में बाराबंकी जनपद से लगभग दो हजार किसान उन्नाव, सुल्तानपुर, बहराइच, गोंडा, लखनऊ, बाराबंकी रायबरेली आदि जेलों में महीनों बंद रहे और सम्मान पूर्वक रिहा हो कर घर वापसी की। इन किसान सेनानियों के संघर्ष का नतीजा है कि आज किसानों में अपने हक अधिकार और सम्मान के लिए लड़ कर हासिल करने का जज्बा पैदा हुआ है। आज के कार्यक्रमों में प्रदेश सचिव श्रद्धेय मुकेश सिंह के अग्रज उत्तम सिंह वर्मा, महासचिव मध्य जोन अनिल कुमार वर्मा,मंडल उपाध्यक्ष गिरीश चन्द्र वर्मा, जिला अध्यक्ष हौसिला प्रसाद वर्मा, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष दिनेश कुमार, ब्लाक अध्यक्ष देवां रईस अहमद व उनकी टीम सहित तमाम लोगों ने नुक्कड़ पंचायतों को सम्बोधित किया। आज ही पवैया बाद चौराहे पर आयोजित संत रविदास जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके द्वारा आडम्बरों के खिलाफ चलाए गए जन जागरण अभियान की सराहना करते हुए 'मन चंगा तो कठौती में गंगा 'की विचारधारा का समर्थन किया गया। केन्द्र सरकार द्वारा आज पेश किए गए बजट से किसान मजदूरों को निराशा हाथ लगी है।

कर्ज़ देने की जगह पर कर्जमुक्ति, सब्सिडी देने की जगह सभी फसलों की एम एस पी की कानूनी गारंटी ही किसानों की दशा में सुधार ला सकता है। जिसका जिक्र मौजूदा बजट में न होना किसानों के साथ धोखा है।

एसआईआर नोटिस प्राप्तकर्ता साक्ष्य जुटाने के लिए कर रहे भाग-दौड़

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। एसआईआर के तहत जारी नोटिसों ने आम लोगों की दौड़ भाग बढ़ा दी हैं ।नोटिस प्राप्त कर्ता साक्ष्य जुटाने में लगे हुए हैं। मतदाताओं को जो नोटिसें भेजी गई हैं वे वोटर लिस्ट अनुसार हैं लेकिन ऐसे कई मामले देखे जा रहे जिनका नाम वोटर लिस्ट से परिवार रजिस्टर में भिन्न है या फिर परिवार रजिस्टर में नाम ही नहीं है। तहसील आई शांति देवी सुंदर नगर ने बताया कि उनको नोटिस मिली है।परिवार रजिस्टर में उनका नाम नहीं है। परिवार रजिस्टर में नाम बढ़वाने के लिए कागजात बनवाकर ब्लॉक देना है।इसी तरह अमोली की शीला ने बताया कि उनका नाम परिवार रजिस्टर में ग़लत लिखा है उसे नोटिस अनुसार सही करवाना है। कई लोग तहसील में ऐसे दिखे जो आई डी या पुरानी वोटर लिस्ट को खोज रहे थे। तमाम नाम सही कराने या दर्ज कराने के लिए नोटरी बनवाकर ब्लॉक जा रहे थे ।

महिलाओं के मामले में 2003 की वोटर लिस्ट भी नेट से निकवाकर लगाई जा रही जिनमें उनके माता पिता का नाम दर्ज हो। शनिवार को तहसील में सुनवाई कर रहे नायब तहसीलदार रामनगर विजय प्रकाश तिवारी ने बताया कि एक सौ तीस नोटिस प्राप्त कर्ता आए।जिनके सही कागजात थे जमा किया गया।कमी वालों को कागजात लाने के लिए तीन दिन का समय दिया गया। महिलाओं के बैठने के लिए बेचें बनी हैं व कुर्सियां भी डलवाई गई हैं।

'दीप-मन की देहरी पर' पुस्तक का विमोचन सेवानिवृत्त डीएम के कमलों से संपन्न

विद्वतजनों की रही भारी भीड़, कवियत्री की हुई सराहना

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। कवियत्री दीपा पटेल कानपुर के काव्य संग्रह के लोकार्पण के बाद रामनगर क्षेत्र के उनके प्रशंसकों ने उन्हें बधाई देते कहा कि निरंतर काव्य लेखन से नाम रोशन करते रहे। ज्ञात हो कि इन कवयित्री का रामनगर क्षेत्र से काफी लगाव है जिससे इनके बहुत प्रशंसक है और इनके काव्य लेखन की समय समय पर तारीफ करते रहते हैं।पुस्तक विमोचन के बाद रामनगर निवासी उनके प्रशंसकों ने खूब तारीफ की और कहा कि कविता लिखना और काब्य संग्रह प्रकाशित कराना चुनौती पूर्ण कार्य है जिसमें कवियत्री सफल हुई। बता दे कि दीप मन की देहरी काब्य पुस्तक के विमोचन एवं परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर गंगानगर में कवयित्री श्रीमती दीपिका पटेल एवं उनके पति रवि वर्मा के नेतृत्व में रविवार को सम्पन्न हुआ है। कार्यक्रम में मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन, पुष्पार्चन के बाद मुख्य अतिथि अनुराग पटेल पूर्व सेवानिवृत्त जिलाधिकारी के साथ कानपुर नगर अध्यक्ष व विशिष्ट अतिथियों के द्वारा दीप-मन की देहरी पर काव्य संग्रह पुस्तक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कालेज के प्रबंधक राकेश कुमार ने किया। विशिष्ट अतिथि राम सुमेर सिंह एडवोकेट पूर्व अध्यक्ष उन्नाव बार,डॉ.राजीव मिश्रा संपादक एवं कवि, मदन सिंह डेवलपमेंट ऑफिसर एल आई सी रहे जब कि मुख्य वक्ता डॉ.अनुपम सिंह प्रधानाचार्य गंगानगर, मान सिंह , कवि अनिल वर्मा ,डॉ.रामनरेश, सेवानिवृत प्राचार्य, आदित्य कटियार , प्रदीप सिंह राठौर थे जिन्होंने कवियत्री के लेखन कौशल की खून तारीफ की। आए सभी अतिथियों का स्वागत, सम्मान, प्रतीक चिह्न भेंट के बाद काब्य संग्रह की रचयिता कवयित्री श्रीमती दीपिका पटेल ने कहा कि पुस्तकें लिखना कठिन कार्य है लेकिन सभी शुभ चिंतकों की प्रेरणा से काब्य संग्रह लिख।डाला। कविताएं समाज का आईना है और समाज में ज्ञान और विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है।कार्यक्रम की शुरूआत में ?डॉ.राजीव मिश्र ने सरस्वती ?वंदना की कविता से कोलाहल मचाया। कवि आदित्य कटियार जी ने अपने पंक्तियों से सभा में समा बांध दिया 7 प्राचार्य डॉ.रामनरेश ने कविता की बारिकियों से सभा को अवगत कराया। श्रवण कुमार सिंह से अपने उद्गार व्यक्त कर कवयित्री को शुभकामनाएं दे उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन आरजे साहिल ने किया।

सन्त रविदास की जयंती मनाई गई

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। जाति पाति और भेदभाव का कड़ा विरोध किया। संत रविदास जी महाराज की पावन जयंती पर हम उन्हें कोटि-कोटि नमन करते हैं। सतगुरु रविदास के कर्म से सेवा, समरसता और समानता के संदेश से हमें आज भी प्रेरणा मिलती है उक्त बातें विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री राहुल कुमार ने संत शिरोमणि रविदास जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। विश्व हिंदू परिषद रामनगर की प्रखंड बैठक प्रखंड अध्यक्ष रमाकांत वर्मा की अध्यक्षता में रविवार को संपन्न हुई जिसमें विहिप जिला मंत्री ने आगामी समरसता दिवस,रामोत्सव,सीता नवमी,डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती व आगामी संगठनात्मक प्रशिक्षण वर्ग सहित महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यकर्ताओं से चर्चा की। हनुमान मंदिर रानी बाजार के महंत जगजीवन गिरि महाराज के आशीर्वचन प्राप्त हुए। इस अवसर पर जिला प्रचार प्रसार प्रमुख सुमित्रा प्रसाद,पूर्व जिला सेवा प्रमुख निर्मल मिश्रा,प्रखंड सत्संग प्रमुख शिवराम गुप्ता,मातृशक्ति प्रखंड संयोजिका डॉ सुमन अवस्थी,बजरंग दल प्रखंड संयोजक श्रीकांत,त्रिभुवन मौर्य,नकुल दुबे,सत्यम,शिवम,कुलदीप यादव,शिवा आदि उपस्थित रहे।

22 साल के कार्लोस अल्काराज बने ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 का फाइनल मुकाबला इतिहासिक रहा। स्पेन के 22 वर्षीय कार्लोस अल्काराज ने सर्बिया के 38 वर्षीय नोवाक जोकोविच को 2-6, 6-2, 6-3, 7-5 से हराकर

■ **फाइनल में जोकोविच को हराया**

अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता। अल्काराज का यह सातवां ग्रैंडस्लैम खिताब भी है।

पहले सेट में जोकोविच ने 6-2 से बढ़त बनाई और अपने अनुभव का लोहा दिखाया, लेकिन इसके बाद अल्काराज ने लगातार दो सेट 6-2 और 6-3 से जीतकर मैच में वापसी की। चौथे सेट में 7-5 से जीत दर्ज कर अल्काराज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ अल्काराज ओपन एरा में करियर ग्रैंडस्लैम पूरा करने वाले छठे पुरुष

खिलाड़ी बन गए और 22 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल कर राफेल नडाल (24) का रिकॉर्ड तोड़ा। अल्काराज अब तक कुल सात ग्रैंडस्लैम खिताब जीत चुके हैं: ऑस्ट्रेलियन ओपन (2026), फ्रेंच ओपन (2024, 2025), विंबलडन (2023, 2024), और यूएस ओपन (2022, 2025)। जोकोविच अब 25वें ग्रैंडस्लैम खिताब से वंचित रह गए। उनके नाम कुल 24 ग्रैंडस्लैम खिताब हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलियन ओपन (10), फ्रेंच ओपन (3), विंबलडन (7) और यूएस ओपन (4) शामिल हैं। यह उनका 11वां ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल था, जिसमें उन्हें पहली बार हार का सामना करना पड़ा। अल्काराज की इस जीत ने उन्हें सबसे युवा करियर ग्रैंडस्लैम विजेता बना दिया है और टेनिस जगत में उनकी चमक को और बढ़ा दिया है।

पिछली बार की तुलना में खेल बजट में 1133 करोड़ रुपये की वृद्धि, खेलो इंडिया पर फिर मेहरबान सरकार

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को 2026-27 के लिए आम बजट पेश किया। इसमें युवा मामले और खेल मंत्रालय के आवंटन में 1000 करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि की गई, जिसमें खेल सामग्री निर्माण क्षेत्र को बहुत लाभ हुआ है। पहली बार उन्हें 500 करोड़ रुपये का आवंटन मिला है। खेल मंत्रालय के लिए कुल बजट आवंटन 4479.88 करोड़ रुपये है जो 2025-26 के संशोधित आवंटन 3346.54 करोड़ रुपये से 1133.34 करोड़ रुपये अधिक है। राष्ट्रीय शिविरों के आयोजन और खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए सामग्री उपलब्ध कराने वाले भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के लिए आवंटित राशि को 880 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 917.38 करोड़ रुपये कर दिया गया है। देशभर के स्टेडियमों के रखरखाव और उनके उपयोग की जिम्मेदारी भी साइ की होती है। हालांकि, राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला और राष्ट्रीय डोपिंग-विरोधी एजेंसी का बजट क्रमशः 28.55 करोड़ रुपये से घटाकर 23 करोड़ रुपये और 24.30 करोड़ रुपये से घटाकर 20.30 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

खेल सामग्री उद्योग को बढ़ावा

सीतारमण ने अपने बजट भाषण में उच्च गुणवत्ता वाले और किफायती

खेल सामग्री के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने की भारत की क्षमता पर जोर दिया और इस तरह से खेल मंत्री मनसुख मांडविया के दृष्टिकोण का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'मैं खेल सामग्री के लिए एक समर्पित पहल का प्रस्ताव करती हूं जिससे उपकरण डिजाइन के साथ-साथ खेल सामग्री के क्षेत्र में विनिर्माण, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।' अभी तक के बजट में खेल सामग्री क्षेत्र से संबंधित कोई प्रावधान नहीं था। खेल मंत्रालय ने इस आवंटन का स्वागत किया और कहा कि खेल सामग्री उद्योग के लिए समर्थन सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत योजना बनाई जाएगी। इस पहल से 'मेक इन इंडिया' योजना के तहत देश में खेल सामग्री निर्माण करने वाले स्टार्टअप को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

खेलो इंडिया को मिली इतनी राशि

सरकार के खेलो इंडिया कार्यक्रम के लिए 924.35 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया। इसके लिए पिछले वर्ष आवंटित राशि 1000 करोड़ रुपये थी, लेकिन अंतिम व्यय 700 करोड़ रुपये रहा। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए सहायता राशि इस वर्ष 28.05 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 50 करोड़ रुपये कर दी गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 78 प्रतिशत की वृद्धि है। राष्ट्रमंडल खेल इस वर्ष जुलाई-अगस्त में ग्लासगो में होंगे। सीतारमण ने अगले दशक में प्रशिक्षण केंद्रों और प्रशिक्षकों के व्यवस्थित विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 'खेलो इंडिया मिशन' शुरू करने के प्रस्ताव रखा जिससे जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं की खोज के लिए सरकार के प्रमुख खेलो इंडिया कार्यक्रम को बढ़ावा मिलेगा।

सीतारमण ने कहा कि यह मिशन आपस में जुड़े विभिन्न माध्यमों से एकीकृत प्रतिभा विकास कार्यक्रम को सुगम बनाएगा। खेलो इंडिया कार्यक्रम 2017 में शुरू किया गया था और इसका मुख्य उद्देश्य प्रतिभा पहचान के लिए सभी आयु वर्ग में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन करना था। सीतारमण ने लोकसभा में अपने बजट भाषण के दौरान कहा, 'खेल क्षेत्र रोजगार, कौशल विकास और नौकरी के अनेक अवसर प्रदान करता है। खेलो इंडिया कार्यक्रम से खेल प्रतिभाओं को निखारने की पहल को आगे बढ़ाते हुए, मैं अगले दशक में खेल क्षेत्र में आमूलचूल बदलाव करने के लिए खेलो इंडिया मिशन शुरू करने का प्रस्ताव करती हूं।' उन्होंने कहा, 'यह मिशन मूलभूत, मध्यवर्ती और विशिष्ट स्तरों के प्रशिक्षण केंद्रों के सहयोग से एकीकृत प्रतिभा विकास, प्रशिक्षकों और सहायक स्टाफ का व्यवस्थित विकास, खेल विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एकीकरण, खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और मंच प्रदान करने के लिए प्रतियोगिताएं और लीग का आयोजन तथा प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के लिए खेल संरचना के विकास को सुगम बनाएगा।'

खेल बजट की अन्य घोषणाएं

राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय के लिए आवंटित बजट भी 78.64 करोड़ रुपये से घटाकर 46.98 करोड़ रुपये कर दिया गया है। राष्ट्रीय खेल विकास कोष में योगदान राशि को तीन करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये कर दिया गया है, जबकि सरकार ने इस वर्ष खिलाड़ियों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को 28 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 40 करोड़ रुपये कर दिया है। राष्ट्रीय खेल संघों के लिए सहायता राशि में भी मामूली वृद्धि की गई है, जो 400 करोड़ रुपये से बढ़कर 425 करोड़ रुपये हो गई है। युवा और किशोर विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम की धनराशि इस वर्ष 57.68 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 58.41 करोड़ रुपये कर दी गई है। युवा हॉस्टलों के आवंटन में बड़ी बढ़ोतरी की गई है। यह पिछले साल के 1.10 करोड़ रुपये की तुलना में इस साल 19.20 करोड़ रुपये कर दी गई है। राष्ट्रीय सेवा योजना में भी भारी वृद्धि की गई है। इसे पिछले वर्ष के 275.00 करोड़ रुपये के मुकाबले इस वर्ष 357.39 करोड़ रुपये मिलेंगे।

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होगा

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को मैच नहीं होगा। पाकिस्तान सरकार ने रविवार शाम को इस मैच के बॉयकॉट का ऐलान किया। दोनों टीमें ग्रुप स्टेज में कोलंबो में एक-दूसरे से भिड़ने वाली थीं। हालांकि, अब तक यह तय नहीं है अगर नॉकआउट में भारत सामने आया तो पाकिस्तान मैच खेलेगा या नहीं?

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने 24 जनवरी को बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में एंट्री दी थी। ICC के इस फैसले के विरोध में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट कर दिया। जिसके बाद द्बष्ट्ठ ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) को अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए कहा है।

पाकिस्तान ने रविवार को घोषणा की कि वह टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेगा, लेकिन भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करेगा। पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) के बांग्लादेश को टूर्नामेंट से हटाने के बाद लिया। बांग्लादेश सरकार ने भारत में खेलने को लेकर सुरक्षा चिंता जताई थी।

सरकार ने X पर एक पोस्ट में कहा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान की सरकार, पाकिस्तान क्रिकेट टीम को ICC वर्ल्ड T20 2026 में हिस्सा लेने की मंजूरी देती है। हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ होने वाले मैच में मैदान पर नहीं उतरेगी।

ICC ने देर रात 11 बजे मीडिया रिलीज में कहा, हम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के ऑफिशियल कन्फर्मेशन का इंतजार कर रहे हैं। ICC सरकार के फैसलों का समर्थन करता है, लेकिन पाकिस्तान का फैसला दुनियाभर में क्रिकेट के इकोसिस्टम को प्रभावित करने वाला है।

ICC उम्मीद कर रहा है कि PCB अपने फैसले पर फिर से विचार करेगा ताकि दुनियाभर में क्रिकेट का सिस्टम प्रभावित न हो। पाकिस्तान खुद ICC का सदस्य है। हम चाह रहे हैं कि पाकिस्तान किसी तरह सभी स्टेकहोल्डर्स को ध्यान में रखते हुए आखिरी फैसला ले।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के चीफ मोहसिन नकवी ने सोमवार, 26 जनवरी को प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से मुलाकात की थी। इस मीटिंग में पाकिस्तान के वर्ल्ड कप पार्टिसिपेशन और भारत के खिलाफ मुकाबले को लेकर बाते हुईं। नकवी ने कहा था कि शुक्रवार या सोमवार तक आखिरी फैसला लिया जाएगा। अब रविवार को सरकार ने इस पर फैसला ले लिया।

भारत से हारकर विश्व कप से बाहर हुआ पाकिस्तान, 58 रनों से धोया; सेमीफाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। भारत ने अंडर-19 विश्वकप के 36वें मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 252 रन बनाए। भारत ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। हालांकि वेदांत त्रिवेदी के 68 रनों की दमदार पारी और अंतिम ओवरों में कनिष्क, एमब्रिश की महत्वपूर्ण पारियों की बदौलत भारत 250 के पार पहुंचने में सफल रहा। इसके जवाब में पाकिस्तान की टीम एक

समय मैच जीतने के रास्ते पर थी लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने दमदार वापसी करते हुए मैच भारत की झोली में डाल दिया। भारत पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को जीत के लिए 253 रनों का लक्ष्य दिया। पाकिस्तान 33.3 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर ही टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच सकता था। जिसमें वह विफल रहा। भारतीय गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान की पूरी टीम 46.2 ओवर में 194 के स्कोर पर समेट कर उसे टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने समीर मिन्हास (नौ) का विकेट गंवा दिया। खिलन पटेल ने मिन्हास को पगबाधा आउटकर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद उस्मान खान और हम्जा जहूर ने पारी को संभाला और 88 के स्कोर तक ले गये। 17वें ओवर में आयुष म्हात्र ने उस्मान खान (66) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कप्तान फरहान यूसफ ने मोर्चा संभाला।दोनों बल्लेबाज टीम के स्कोर को 151 तक ले गये।

पाकिस्तान 35.3 ओवरों तक पांच विकेट पर 168 रन ही बना सका। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण से जूझ रहे पाकिस्तानी बल्लेबाजों के धीमी प्रदर्शन के कारण पाकिस्तान टीम 33.3 ओवर में मैच जीतने में विफल रही।

बजट के बाद सेंसेक्स 1546 अंक गिरकर 80,722 पर बंद:निफ्टी भी 495 अंक टूटा

नई दिल्ली। वित्त मंत्री ने बजट भाषण के दौरान फ्यूचर्स और ऑप्शंस ट्रेडिंग पर सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (स्त्त्ज्ञ्ज्ञ) बढ़ाने का एलान किया। इससे शेयर बाजार में जोरदार बिकवाली देखने को मिली और सेंसेक्स व निफ्टी में तेज गिरावट दर्ज की गई। बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में करीब 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स दोपहर के कारोबार में 2,370.36 अंक या 2.88 प्रतिशत गिरकर 80,000 के स्तर से नीचे 79,899.42 पर आ गया। बैरोमीटर 80,722.94 पर स्थिर हुआ, जिसमें 1,546.84 अंक या 1.88 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 495.20 अंक या 1.96 प्रतिशत गिरकर 24,825.45 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 748.9 अंक या 2.95 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 24,571.75 पर पहुंचा।

एसटीटी को बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत वित्त मंत्री ने शेयर बाजार को लेकर कई बड़ी घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि छोटे शेयरधारकों की सुरक्षा के लिए बायबैक के टैक्स में परिवर्तन किया जाएगा। प्रमोटरों की ओर से दुरुपयोग को रोकने के लिए अतिरिक्त बायबैक कर का प्रावधान लाया गया। इससे कॉरपोरेट प्रमोटरों

के लिए प्रभावी टैक्स 22 प्रतिशत और गैर-कॉरपोरेट प्रमोटरों के लिए प्रभावी टैक्स 30 प्रतिशत हो जाएगा। सभी शेयरधारकों के बायबैक पर पूंजीगत लाभ के रूप में कर का प्रस्ताव है। वायदा सौदों पर एसटीटी को बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत किया गया। गैर कॉरपोरेट प्रवर्तकों के लिए 30 प्रतिशत टैक्स लगाया गया। सभी शेयरधारकों के बायबैक पर पूंजीगत लाभ के रूप में कर का प्रस्ताव लाया गया।

क्या है विशेषज्ञों की राय?

एक्सिस सिक्योरिटीज के एमडी और सीईओ प्रणव हरिदासन ने कहा कि हालांकि, बाजार में बेचैनी मुख्य रूप से एफएंडओ पर एसटीटी में वृद्धि, विशेष रूप से वायदा पर हुई तेज वृद्धि पर केंद्रित है। यह पिछले साल के उच्च पूंजीगत लाभ करों के बाद आया है, जिससे बाजार प्रतिभागियों के लिए समग्र लेनदेन लागत बढ़ गई है।उन्होंने कहा कि फ्यूचर्स एक मार्जिनयुक्त, जोखिम-प्रबंधित उत्पाद है और आमतौर पर खुदरा खरीदारों की अतिरिक्त आय का प्राथमिक स्रोत नहीं है, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या उच्च एसटीटी वांछित परिणाम देगा या इसके बजाय तरलता, भागीदारी और भारत की बाजार लागत प्रतिस्पर्धात्मकता पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा। हरिदासन ने आगे कहा कि विदेशी निवेशकों और घरेलू व्यापारियों द्वारा ये चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं, और ये तत्काल बाजार प्रतिक्रिया में परिलक्षित होती हैं। चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग के तकनीकी अनुसंधान विश्लेषक आकाश शाह ने कहा कि सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) में वृद्धि, विशेष रूप से फ्यूचर्स और ऑप्शंस में, निकट भविष्य में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के प्रवाह के लिए मामूली रूप से नकारात्मक साबित हो सकती है, खासकर उच्च आवृत्ति और डेरिवेटिव-केंद्रित वैश्विक फंडों के लिए। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी धीरज रेली ने कहा कि एफएंडओ में प्रस्तावित बढ़ी हुई एसटीटी अल्पावधि में पूंजी बाजार संस्थाओं के लिए निराशाजनक है, लेकिन लंबी अवधि में यह फायदेमंद साबित हो सकती है।जियोज्ट इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि बजट वैश्विक व्यापार शुल्कों से प्रभावित क्षेत्रों का समर्थन करता है और डेटा सेंटर, जीसीसी, सेमीकंडक्टर, बायोफार्मा, दुर्लभ पृथ्वी तत्व और विनिर्माण सहित विकास के उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त, यह कपड़ा, मत्स्य पालन और लघु व मध्यम उद्यमों जैसे पारंपरिक क्षेत्रों को भी समर्थन प्रदान करता है, जो वैश्विक संरक्षणवादी व्यापार नीतियों से प्रभावित हुए हैं।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों में 5.61 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि अदानी पोर्ट्स के शेयरों में 5.53 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटीसी, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट और रिलायंस इंडस्ट्रीज भी पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, सन फार्मा और टाइटन को लाभ हुआ।

सूचकांकों में, बीएसई पीएसयू बैंक में सबसे अधिक 5.60 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, धातु क्षेत्र में 3.85 प्रतिशत, कमोडिटीज में 3.35 प्रतिशत, ऊर्जा में 3.14 प्रतिशत, पूंजीगत वस्तुओं में 3.02 प्रतिशत, उपयोगिताओं में 2.98 प्रतिशत, औद्योगिक क्षेत्रों में 2.66 प्रतिशत और बिजली क्षेत्र में 2.52 प्रतिशत की गिरावट आई। आईटी और बीएसई फोकस्ड आईटी विजेता रहे। बीएसई पर कुल 2,375 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1,759 शेयरों में बढ़त हुई और 175 शेयर अपरिवर्तित रहे।

एशियाई और यूरोपीय बाजारों में बाजार बंद

एशियाई और यूरोपीय बाजार रविवार को छुट्टियों के कारण बंद रहेंगे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 2,251.37 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सोना-चांदी के दामों में दो दिन में भारी गिरावट, निवेशकों में चिंता का माहौल

नई दिल्ली। भारत में सोना और चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन तेज गिरावट दर्ज की गई है। 1 फरवरी को वायदा बाजार में चांदी लगभग 25 हजार रुपए (9प्रतिशत) गिरकर 2.65 लाख रुपए प्रति किलो पर आ गई, जबकि सोने में भी करीब 12 हजार रुपए (8%) की गिरावट आई और 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.38 लाख रुपए पर ट्रेड हुआ।

इससे पहले 30 जनवरी को भी सोने और चांदी की कीमतों में क्रमशः 9,545 रुपए और 40,638 रुपए की गिरावट दर्ज की गई थी। ऐसे में दो दिन में सोना कुल 31 हजार रुपए सस्ता हुआ, जबकि चांदी में 1.36 लाख रुपए की भारी गिरावट देखी गई।इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 1 फरवरी को सर्राफा बाजार में एक किलो चांदी 3,39,350 रुपए पर, जबकि सोना 10 ग्राम 1,65,795 रुपए पर बंद हुआ। इस गिरावट का असर गोल्ड और सिल्वर पर भी पड़ा, जिसमें क्रमशः 8प्रतिशत और 15प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। विशेषज्ञों के अनुसार इस गिरावट के कई कारण हैं। सबसे पहले, प्रॉफिट बुकिंग ने बाजार पर दबाव बनाया, क्योंकि हाल

के दिनों में सोना-चांदी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थीं। इसके अलावा, फिजिकल डिमांड में कमी और औद्योगिक उपयोग को लेकर बढ़ी चिंताएं भी दामों में गिरावट का एक बड़ा कारण बनीं।

सेबी रजिस्टर्ड कमोडिटी एक्सपर्ट अनुज गुप्ता ने बताया कि शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज ने सोने और चांदी पर मार्जिन मनी बढ़ा दी है। सोने का मार्जिन 6प्रतिशत से बढ़ाकर 8प्रतिशत और चांदी का 11प्रतिशत से 15प्रतिशत कर दिया गया है। मार्जिन बढ़ने का मतलब है कि ट्रेडर्स को पहले से खरीदी गई वस्तु पर अतिरिक्त राशि जमा करनी होगी। यदि उनके पास तुरंत पैसा नहीं है तो उन्हें अपना सोना या चांदी बेचना पड़ता है, जिससे दामों पर और दबाव बनता है।विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय निवेशकों को सतर्क रहने की जरूरत है। बड़े पैमाने पर प्रॉफिट बुकिंग और बढ़े हुए मार्जिन की वजह से बाजार अस्थिर बना हुआ है। निवेशकों को सलाह दी जा रही है कि फिलहाल लंबी अवधि की योजनाओं और निवेश रणनीति पर ध्यान दें और जल्दबाजी में सोना-चांदी खरीदने या बेचने से बचें।

सोने और चांदी की गिरावट ने बाजार में हलचल पैदा कर दी है और विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी दिनों में वैश्विक वित्तीय संकेतकों और स्थानीय मांग की स्थिति के अनुसार ही कीमतों में स्थिरता या और गिरावट देखने को मिल सकती है।

1 अप्रैल से बदलेगा आयकर कानून, कमाई व बचत पर क्या होगा असर?

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में वित्त वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करते हुए 'विकसित भारत' की नींव को और मजबूत करने का रोडमैप साझा किया है। 'युवा शक्ति' और आर्थिक स्थिरता पर केंद्रित इस बजट का कुल आकार लगभग 53.5 लाख करोड़ रुपये रखा गया है। सरकार ने विकास की रफ्तार बनाए रखने के लिए बुनियादी ढांचे और मैन्युफैक्चरिंग पर सरकारी खजाना खोल दिया है, वहीं राजकोषीय अनुशासन को भी प्राथमिकता दी है। सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (त्नष्ठक्क) के 4.3 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा है, जो चालू वित्त वर्ष के 4.4 प्रतिशत के संशोधित अनुमान से कम है।

विदेश यात्रा और टैक्स फाइलिंग पर आम आदमी को बड़ी राहत

आम करदाताओं और मध्यम वर्ग को राहत देते हुए वित्त मंत्री ने विदेश यात्रा और शिक्षा को किफायती बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने विदेश यात्रा पैकेज की बिक्री पर टीसीएस की दर को 5 से 20 प्रतिशत के स्लैब से घटाकर सीधे 2 प्रतिशत करने का प्रस्ताव दिया है। यही राहत लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) के तहत शिक्षा और चिकित्सा के लिए विदेश भेजे जाने वाले पैसे पर भी दी गई है, जहाँ अब टीसीएस की दर 2 प्रतिशत होगी।

एमएसएमई सेक्टर को मिलेगा बढ़ावा, लाखों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में किसानों, युवाओं और महिलाओं के साथ-साथ एमएसएमई सेक्टर को मजबूत बनाने की कोशिश की है। यही कारण है कि देश के एमएसएमई सेक्टर से बजट पर लगातार सकारात्मक प्रतिक्रिया सामने आ रही हैं। देश की राजधानी दिल्ली में जगह-जगह छोटी-छोटी फैक्ट्रियों में विभिन्न वस्तुओं का निर्माण होता है और इसमें लाखों लोगों का रोजगार जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि दिल्ली से भी बजट को लेकर बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया सामने आई है। विशेषकर छोटे-छोटे उत्पादों को निर्माण करने वाले लोगों ने इस बजट का जबरदस्त स्वागत किया है।

दिल्ली मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के चेयरमैन डॉ. अनिल गुप्ता ने अमर उजाला से कहा कि बजट से देश की निर्माण इकाइयों को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक विकास की धुरी विनिर्माण उद्योग और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) हैं। केंद्र सरकार ने बजट में जिस तरह इस सेक्टर को बढ़ावा दिया है, उससे यह साफ हो गया है कि सरकार निर्माण को बढ़ावा देकर देश को एक सुदृढ़ बनाने का काम किया है। डॉ. अनिल गुप्ता ने कहा कि इस बजट में एमएसएमई क्षेत्र को केवल सहायता प्राप्त करने वाला नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास का सक्रिय भागीदार माना गया है। उन्होंने कहा कि दस हजार करोड़ के समर्पित एमएसएमई विकास कोष से उद्योगों को इक्विटी आधारित विस्तार पूंजी उपलब्ध होगी जो नए निवेश और रोजगार सृजन को गति देगी। इसके साथ ही स्वावलंबी भारत कोष में 2,000 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान विकासशील उद्योगों को मिश्रित वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा एमएसएमई से की जाने वाली खरीद को व्यापार देय रसीद छूट प्रणाली (टी-रेड्स) मंच पर अनिवार्य करना, समय पर भुगतान सुनिश्चित करेगा। साथ ही ऋण गारंटी न्यास योजना के अंतर्गत बिना संपार्श्विक कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराना एमएसएमई क्षेत्र के लिए बड़ी राहत है।

सोयाबीन और बिनौला तेल के भाव में बढ़त, तिलहन कमजोर

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में मजबूती और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव से आपूर्ति प्रभावित होने के चलते देश के तेल-तिलहन बाजारों में तेजी का रुख देखा गया। सोयाबीन और बिनौला तेल के भाव में सुधार रहा जबकि डी-आयल्ड केक (डीओसी) की कमजोर मांग के चलते सोयाबीन तिलहन में

गिरावट दर्ज की गई। सरसों, मूंगफली तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के भाव पूर्व स्तर पर बंद हुए। बाजार सूत्रों के अनुसार इस बार खपत बढ़ने के बावजूद खाद्य तेलों का आयात घटा है। नवंबर-दिसंबर 2022 में कुल 31.11 लाख टन (खाद्य व अखाद्य) तेलों का आयात हुआ था जबकि नवंबर-दिसंबर 2023 में यह घटकर 24.72 लाख टन रह गया यानी करीब 21 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है और देश के बंदरगाहों पर सोयाबीन तेल आने में 40 से 45 दिन का समय लग रहा है। विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों के दाम नरम रहने के बावजूद घरेलू बाजारों पर इसका असर नहीं पड़ा है, जिससे संकेत मिलता है कि देश में खाद्य तेलों का स्टॉक सीमित है। सूरजमुखी और सोयाबीन जैसे सॉफ्ट तेलों की आपूर्ति कम है और जाड़े व विवाह-शादी के मौसम में मांग बढ़ने से आपूर्ति की दिक्कतें बढ़ सकती हैं। यह स्थिति देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाने की जरूरत को रेखांकित करती है। देश की एक प्रमुख तेल कंपनी पामोलीन तेल के 770 ग्राम के पाउच को 85 रुपये के अधिकतम खुदरा मूल्य पर बेच रही है, जिससे पामोलीन तेल का भाव 120 रुपये प्रति किलो बैठता है जबकि इसका आयात मूल्य 85 रुपये प्रति किलो ही है। गरीब वर्ग, जो पामोलीन तेल का अधिक उपयोग करता है, इस बढ़ी लागत का बोझ उठाने को मजबूर है। विशेषज्ञों ने कहा कि तेल संगठनों और सरकार को केवल थोक बाजार नहीं बल्कि खुदरा बिक्री मूल्य पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे - सरसों तिलहन 5,415 से 5,465 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,665 से 6,740 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलीवरी (गुजरात) 15,750 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,350 से 2,625 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 10,025 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों घानी तेल 1,710 से 1,810 रुपये प्रति टिन, तिल तेल 18,900 से 21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल (दिल्ली) 10,075 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलीवरी (इंदौर) 9,825 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला में 236 मरीजों का हुआ उपचार

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्ज़ापुर)। उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया सहित नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में कुल 236मरीजों का चिकित्सक द्वारा उपचार कर निःशुल्क दवा वितरित किया गया है। उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला में चिकित्सक विवेक खरे ने कुल 52 मरीजों का उपचार किया। इसी प्रकार नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मतवार मे आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में चिकित्सक कामेश्वर तिवारी के देखरेख में 41मरीजों का उपचार किया गया। इसी प्रकार नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ड्रमण्डगंज में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का आयोजन डॉक्टर बाल कृष्ण मिश्रा के देखरेख में 49मरीजों का उपचार किया गया। इसी प्रकार नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरौधा में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला डॉक्टर शालिनी सिंह के देखरेख में 48मरीजों का उपचार कर दवा वितरित किया गया है। नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुड़पेली पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला चिकित्सक मनीष कुमार कि देखरेख में 46मरीजों का उपचार कर दवा वितरण किया। इस संबंध में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर अवधेश कुमार ने बताया की उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सहित नया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो मतवार, ड्रमण्डगंज, बरौधा मुड़पेली में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला में कुल 236 मरीजों का उपचार कर निःशुल्क दवा वितरित किया गया है। इस दौरान फार्मासिस्ट अजय कुशवाहा, मनोज कुमार,सुभाष पटेल, दशरथ पटेल एलटी राकेश पटेल,स्टॉफ नर्स माया आदि मौजूद रहें।

सपा कार्यालय में मनाई गई संत रविदास एवं संत नरहरी दास सोनार की जयंती

स्वतंत्र भारत मिर्जापुर। समाजवादी पार्टी की जिला कार्यकारिणी की मासिक बैठक व

मन चंगा, तो कठौती में गंगा' की कहावत का किया गया जिक्र

संत रविदास एवं संत नरहरी दास सोनार जयंती जिला कार्यालय लोहिया ट्रस्ट के प्रांगण में रविवार को आयोजित हुई। इस अवसर पर संत रविदास एवं संत नरहरी दास सोनार के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुये जयंती मनाई और गोष्ठी कर उनके आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया गया।

इस मौके पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा संत रविदास जी की कहावत मन चंगा तो कठौती में गंगा का भी जिक्र किया। उन्होने कहा कि रविदास जी की रचनाएं आज भी लोगों को प्रेरित करती हैं। इन्हीं में से एक है मन चंगा, तो कठौती में गंगा' इसका अर्थ है कि यदि मन शुद्ध है, नीयत अच्छी है तो वह कार्य गंगा के समान पवित्र है। कहा कि संत नरहरी दास सोनार गोस्वामी तुलसीदास के गुरू थे जिन्होने रामचरितमानस की रचना की। गोस्वामी तुलसीदास को रामचरितमानस लिखने की प्रेरणा नरहरी दास से ही मिली थी। वे भगवान शिव और विष्णु के महान भक्त तथा शिव उपासक थे। उन्होने कहा कि यह अवसर समाज में एकता भक्ति व भेदभाव मिटाकर ईश्वर के प्रति समर्पण का संदेश देता है। यह समाज को एकजुट करने और आध्यात्मिक मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रतीक है।

गोष्ठी की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी व संचालन जिला महासचिव आदर्श यादव ने किया। गोष्ठी में अशोक यादव, मुन्नी यादव, आशीष यादव, डॉ शक्ति श्रीवास्तव, सुरेन्द्र सिंह पटेल, राजेन्द्र सिंह पटेल, रामजी मौर्या, सुनील पटेल, शैलेष पटेल, झल्लू यादव, राणा प्रताप सिंह, राजेन्द्र यादव, रवि सोनकर, जुम्मन खान, जैनेन्द्र सिंह, आशीष राय, विजय सिंह पटेल, भरतलाल बिन्द, अनीष खान, वन्दना गुप्ता, रामराज यादव, सौरभ सिंह, राहुल यादव, अशोक यादव, बबलू शुक्ला, रमाशंकर कोल, बलराम यादव, सुरेश यादव आदि मौजूद रहें।

गरम पानी गिरने से महिला का पैर झुलसा

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्ज़ापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के हलिया कस्बा निवासी महिला रविवार की सुबह गरम पानी से दाहिना पैर झूलस गया महिला के परिजनों द्वारा उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जंहा पर चिकित्सक द्वारा उपचार किया गया है। थाना क्षेत्र के हलिया कस्बा निवासी राम मनोरथ की 37 वर्षीय पत्नी रीना देवी घर में भगौना मे पानी गरम कर घर में लेकर जा रही ठीक की पानी दाहिने पैर में झूलस गई। महिला के चीख पुकार सुनकर पहुँचे महिला के परिजनों द्वारा उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आए जंहा पर चिकित्सक विवेक खरे द्वारा महिला का उपचार किया है। उपचार के बाद महिला को उसके परिजनों द्वारा घर लेकर चले गए है। इस संबंध में चिकित्सक विवेक खरे ने बताया की गरम पानी से महिला का दाहिना पैर झूलस गया थां परिजनों द्वारा उपचार के लिए लाया गया था उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। महिला के परिजन घर लेकर चले गए।

जनजाति सम्मेलन व सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होंगे राज्यमंत्री व एससी एसटी आयोग के उपाध्यक्ष

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्ज़ापुर)। क्षेत्र के मनिगढ़ा के इनारी टोला में सेवा समर्पण संस्थान संबद्ध अखिल भारतीय बनवासी कल्याण आश्रम मिर्ज़ापुर के तत्वाधान में 2 फ़रवरी को जनजाति सम्मेलन व संस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजीव सिंह गौड़ राज्यमंत्री समाज कल्याण विभाग व विशिष्ट अतिथि एससी एसटी आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार शामिल होंगे। इस आशय की जानकारी सेवा समर्पण के प्रमोद पाण्डेय ने दी है।

भगवान की भक्ति के लिए प्रेरित करती है श्रीमद्भागवत कथा : प्रेम मूर्ति महराज

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्ज़ापुर)। ड्रमंडगंज थानाक्षेत्र के बबुरा कलां गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन रविवार को वृंदावन से पधारे कथा व्यास पंडित प्रेम मूर्ति महराज ने भगवान कृष्ण की लीलाओं, उद्धव गोपी संवाद व भगवान कृष्ण और रूक्मिणी के विवाह की कथा का भक्तों को अमृतपान कराया। कथा व्यास ने कहा कि भगवान निराकार हैं और सभी जगह विद्यमान हैं। उद्धव और गोपी संवाद का वर्णन करते हुए कहा कि उद्धव को अपने ज्ञान और बुद्धि पर बड़ा अभिमान था।वह प्रेम भाव को तुच्छ समझते थे। उद्धव के अभिमान को नष्ट करने तथा प्रेम व भक्ति का मर्म समझाने के लिए भगवान कृष्ण उद्धव को ब्रज में भेजते हैं। भगवान कृष्ण के प्रति गोपियों का प्रेम व भक्ति भाव देखकर उद्धव अपना ज्ञान भूल जाते हैं। कथावाचक ने कहा कि भगवान का स्मरण करने से ही संसार रूपी भव सागर को पार किया जा सकता है। श्रीमद्भागवत कथा मनुष्य को भगवान की भक्ति के लिए प्रेरित करती है। प्रेम मूर्ति महराज ने भगवान कृष्ण और रूक्मिणी विवाह की कथा का मनोहारी वर्णन किया। कथावाचक ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने से जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैलता है।कथा के अंत में भागवत महापुराण की आरती उतारी गई और भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। कथा यजमान इन्द्रकली मिश्रा, ओमप्रकाश मिश्र शांति देवी, हरिशंकर मिश्र, आनंद नाथ मिश्र, सेवानिवृत्त आईएएस मणि प्रसाद मिश्र, अधिवक्ता विजय नारायण मिश्र,रमाकांत तिवारी, सूर्य प्रकाश मिश्र सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण किया।

नवागत सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया जिला जेल का निरीक्षण

स्वतंत्र भारत विस मऊ। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश के अनुक्रम में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय कुमार यादव तृतीय के मार्गदर्शन में शनिवार नवागत सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मऊ साक्षी सिंह एवं न्यायाधीश किशोर न्याय बोर्ड मऊ सागर सिंह ने संयुक्त रूप से जिला कारागार मऊ का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान बंदियों को उनके कानूनी अधिकार के प्रति जागरूक किया गया साथ ही बंदियों के रहने खान-पान और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली गई।

धूमधाम से मनाई गई संत रविदास जयंती बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा

स्वतंत्र भारत राजगढ़ (मिर्जापुर)। विकासखंड राजगढ़ क्षेत्र के कोन भरुहवा गांव में रविवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। नव युवक समिति कोन भरुहवा के तत्वावधान में आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। जयंती समारोह को लेकर गांव में सुबह से ही उत्सव का माहौल बना रहा। युवा समाजसेवी एवं ग्राम प्रधान पद प्रत्याशी नदिहार के सुजीत पटेल ने फीता काटकर किया। इसके बाद उन्होंने संत गुरु रविदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सुजीत पटेल ने कहा कि संत गुरु रविदास एक महान समाज सुधारक थे। संत रविदास की जयंती युवाओं के लिए प्रेरणा का काम करती है। हर साल की भांति इस वर्ष भी संत रविदास की जयंती धूमधाम से मनाई गई। जिन्होंने भेदभाव रहित समाज की परिकल्पना की थी। उनके विचार आज भी समाज को सही मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि संत रविदास द्वारा दिया गया समानता, भाईचारा और मानवता का संदेश आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक है। ऐसे आयोजन समाज में आपसी एकता और सद्भाव को मजबूत करते हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि संत रविदास का जीवन संघर्ष, सादगी और सेवा का प्रतीक रहा है। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समाज से कुरीतियों को दूर किया जा सकता है। सुरेंद्र मौर्य ने बिरहा गीत गाकर संत रविदास की जयंती पर लोगों का मन मोह लिया लोग तालियां बजाने को मजबूर हो गए। कार्यक्रम का संचालन श्याम बिहारी मौर्य ने किया। इस मौके पर समिति के राहुल, मुकेश कुमार, प्रवेश विश्वकर्मा, संदीप कुमार, अरुण मौर्य, संजय मौर्य, श्याम नारायण मौर्य ,गिरिजा मास्टर, शंभू मास्टर, कल्लू भारती, रमेश,समाजसेवी राजदीप पटेल उर्फ (राजू) सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने संत रविदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

बहू के बंधक बनाए जाने पर परिवारजन परेशान, थाना से लगाई गुहार

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्ज़ापुर)। थाना संतनगर अंतर्गत पड़रिया कला की बहू अपने मायके से ससुराल आने को हलिया थानांतर्गत कुशियरा से बुधवार को दोपहर निकली आज तक घर नहीं पहुंचने पर परिवारी जन परेशान है।पड़रिया कला के राधेश्याम कोल ने बताया कि मेरा लड़का बाहर जाकर काम करता है।बहू हलिया थाना क्षेत्र के कुशियरा अपने मायके गई थी जहा से बुधवार दोपहर प्राइवेट बस कुशियरा से मीरजापुर चलती है उसी पर मायके के लोग बैठा दिए मेरी बहू 24 वर्षीय गीता को दीपनगर बस से उतर कर पड़रिया कला घर पहुंचना था वह सो गई जिससे मीरजापुर चली गई। मिर्जापुर से बस वाले ने दूसरी बस पर बैठाया कि इसी से चली जाओ घर पहुंच जाओगी वह बैठ गई।उस बस में मेरी बहू को एक अज्ञात महिला मिली जो उसे साथ ले गई कि चलो हम तुम्हारे घर छोड़ देंगे। बहू घर नहीं पहुंची तो मायके फोन किया गया वहा से बताया गया कि गीता बुधवार को ही जा चुकी है फिर उसके पास जो नंबर था उस पर फोन किया गया तो वह आप बीती बताई कि एक विधवा महिला है वही अपने साथ मुझे रखी है। वह दिन में कही नौकरी करने जाती है मुझे घर में बंद कर जाती है फिर शाम को आने पर कमरे से बाहर निकलना होता है वह भी उसी महिला की निगरानी में ही रहना पड़ता है। मायके के लोग हलिया थाना में तहरीर दिए फिर भी कोई कार्यवाई नही की गई।मैं रविवार को थाना संतनगर गया जहा से भी मुझे घटना हलिया थाना क्षेत्र का बता कर वापस भेज दिया गया। इस संबंध में एसआई सुशील त्रिपाठी ने बताया कि पीड़ित के बताए नंबर पर बात करने का प्रयास किया गया किंतु फोन बंद था।घटना हलिया थाना क्षेत्र का है वही से नंबर सर्विलांस पर लगाने पर ही मामले की सही जानकारी हो पाएगी।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

स्वतंत्र भारत लालगंज (मिर्जापुर)। डॉ0 एस पी पटेल जी राष्ट्रीय सचिव चिकित्सा मंच अपना दल एस/अध्यक्ष भूमि विकास बैंक लालगंज मिर्जापुर के नेतृत्व में ग्राम प्रधान पड़रिया खुर्द राजेश पटेल के निर्देशानुसार कंपोजिट विद्यालय पड़रिया खुर्द, पटेहरा मड़िहान में निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया, जिसमें 128 रोगियों की जॉच, उपचार एवं निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। जिसमें ज्यादातर आँख , जोड़ों के दर्द तथा सर्दी खांसी एवं शुगर के रोगी देखे गए। कार्यक्रम में डॉ एम बी शर्मा, डॉ शालिनी सिंह, डॉ नवेन्दु पटेल, डॉ ओ पी सिंह, डॉ सुनील पाल एवं पैरामेडिकल सीमा मौर्य, दीपक मौर्य, संजीव प्रजापति एवं सरिता गौतम ने अपना अपना सहयोग प्रदान किया, उक्त अवसर पर जोन अध्यक्ष रामलखन पटेल, जिला उपाध्यक्ष सहकारिता मंच मनोज कुमार सिंह (बबलू), दीनानाथ पटेल, शिवनारायन विश्वकर्मा, सत्येंद्र कोल, दयाशंकर मिश्रा आदि उपस्थित थे।

क्रिकेट मैच के दौरान मारपीट, हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत अदलहाट (मिर्जापुर)। थाना अदलहाट पुलिस ने क्रिकेट खेलने के दौरान एक युवक पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में इस्तेमाल किया गया क्रिकेट बैट भी बरामद कर लिया है।

बीती 27 जनवरी 2026 को मदनपुरा निवासी जगदीश पटेल ने पुलिस को तहरीर दी थी कि उनके पुत्र अमन कुमार सिंह पर क्रिकेट खेलने के दौरान आरोपी ने बैट से सिर पर जोरदार प्रहार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस शिकायत पर पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी चुनार मंजरी राव के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। मुखबिर की सूचना पर उपनिरीक्षक अभयनारायण सिंह और रामकुमार यादव की टीम ने कठडीहा तिराहे के पास से आरोपी को दबोच लिया।गिरफ्तार अभियुक्त का नाम अरविन्द पटेल उर्फ भोला (पुत्र राजेन्द्र पटेल, निवासी मदनपुरा) बताया गया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बैट बरामद कर लिया है जिससे अमन पर हमला किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्त को पुलिस ने कागजी कार्यवाही पूरी करने के बाद माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–सुलतानपुर।

पता– विकास भवन, सुलतानपुर।

पत्रांकः 2497 / ग्रा0अ0वि0 / निविदा पत्रावली / पत्रावली सं0–296 / अनु0सहा0 / 2025–26 दिनांक–24.01.2026

–: अल्पकालीन मैन्युवल निविदा सूचना :–

महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–सुलतानपुर के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए.बी.सी.डी एवं ई श्रेणी में कार्यो की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदा दाताओ से मैन्युवल विधि के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्यो हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है, *बिड़ डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न बिल ऑफ क्वान्टिटी के अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित है, जी0एस0टी0 का भुगतान सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार अलग से किया जायेगा।* निविदा दाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिए निविदा दे सकता है।

1– कार्यो से संबंधित विवरण निम्नवत् है।

क0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	बिड सिकुरिटी इ0एम0डी0(रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जीएसटी सहित(यदि आवश्यक हो) रू0में	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु सहित	अधीक्षण अभियन्ता का कार्यालय	डी0एम0 का कार्यालय
1	2	3	4	5	6	7	8	9
		विनियमित क्षेत्र						
1	सुलतानपुर	घासीगंज वार्ड में शैलेश ओझा के मकान से श्रीपाल यादव के मकान तक इण्टरलाकिंग एवं कवर्ड आर0सी0सी0 नाली का निर्माण कार्य।	6.18	13000.00	766.00	90 दिवस	परि0–अयोध्या	डी0एम0 सुलतानपुर
2	सुलतानपुर	घासीगंज वार्ड में हरगोविन्द सिंह के मकान से रामनाथ वर्मा के मकान तक इण्टरलाकिंग एवं कवर्ड आर0सी0सी0 नाली का निर्माण कार्य।	3.05	7000.00	677.00	90 दिवस	परि0–अयोध्या	डी0एम0 सुलतानपुर
3	सुलतानपुर	पयागीपुर वार्ड में दिनेश दूबे के घर से श्री भगवान के घर होते हुए गनपत सहाय के बाउन्ड्री तक इण्टरलाकिंग एवं कवर्ड आर0सी0सी0 नाली का निर्माण कार्य।	8.96	18000.00	766.00	90 दिवस	परि0–अयोध्या	डी0एम0 सुलतानपुर
4	सुलतानपुर	विवेकनगर वार्ड में सरिता यादव के मकान से अल्पना तिवारी के मकान तक सी0सी0 सड़क व कवर्ड आर0सी0सी0 नाली का निर्माण कार्य।	5.73	12000.00	766.00	90 दिवस	परि0–अयोध्या	डी0एम0 सुलतानपुर

2–निविदा सूचना में अंकित कार्यालयो में बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 03.02.2026

3–निविदा विकी प्रारम्भ की तिथि, समय व स्थान– 14.02.2026 को कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड सुलतानपुर, कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग परिमण्डल अयोध्या एवं जिलाधिकारी कार्यालय सुलतानपुर पूर्वाहन 10 बजे से।

4–निविदा विकी के लिए अन्तिम तिथि, समय व स्थान– 17.02.2026 अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड सुलतानपुर, कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग परिमण्डल अयोध्या एवं जिलाधिकारी कार्यालय सुलतानपुर को अपरान्ह 04.00 बजे ।

5–निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि, समय व स्थान 18.02.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक क0सं0–03 पर अंकित स्थानो पर।

6–निविदा खोलने की तिथि एवं समय व स्थान 18.02.2026 अपरान्ह 12:30 बजे । कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड सुलतानपुर अथवा सक्षम अधिकारी के निर्देशानुसार।

7–टेण्डर प्रकिया से पूर्व का कोई शपथपत्र मान्य नही होगा ।

8–निविदा आमंत्रणकर्ता को आई0टी0बी0 के क्लॉज–09 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्ध पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए कृपया नियोक्ता कार्यालय अर्थात अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड सुलतानपुर में सम्पर्क करें।

सभी सम्भावित निविदादाता को सलाह है कि बिड सम्मिट करने से पूर्व बिड डाक्यूमेन्ट को भली–भाँति पढ़ लें।

(के0 के0 मिश्रा)
अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–सुलतानपुर।
श्री राज्य पाल उ0प्र0 की ओर से।

उ0प्र0 244974 दिनांक- 30.01.2026
Website: www.upgov.nic.in

उच्च न्यायालय का सख्त आदेश: आपराधिक प्रवृत्ति वाले अधिवक्ताओं पर बार चुनाव लड़ने की रोक

स्वतंत्र भारत मऊ। उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के पंजीकरण को निरस्त किए जाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जिन अधिवक्ताओं के विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज हैं और जो वर्तमान में विचाराधीन हैं, वे बार एसोसिएशन के चुनाव में भाग नहीं ले सकेंगे। इस आदेश के तहत ऐसे मामलों की निगरानी (मॉनिटरिंग) की जिम्मेदारी रजिस्ट्रार चिट्स फंड को सौंपी गई है।इसी क्रम में अधिवक्ता अजय कुमार सिंह का बार काउंसिल द्वारा किया गया पंजीकरण निलंबन उन्हें किसी भी बार चुनाव में प्रत्याशी बनने से वंचित करता है। हालांकि, वर्तमान में इस निलंबन आदेश पर स्थगन (स्टे) दिया गया है। मामले की सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने बार काउंसिल को निर्देशित किया है कि वह इस प्रकरण में 12 सप्ताह की अवधि के भीतर अंतिम निर्णय ले।न्यायालय के इस आदेश को अधिवक्ता समुदाय में पारदर्शिता और नैतिकता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पुत्री के गुम होने पर पिता ने मुकदमा दर्ज कराया

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्ज़ापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के बरया गाँव निवासी लल्ला कोल ने रविवार को थाने मे तहरीर देकर पुत्री को बहला फुसलाकर भगाने वाले के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है। दी गई तहरीर में बताया है की बीते 23 जनवरी को समय पांच बजे भोर जंगल में लकड़ी लेने मेरी पुत्री गई थी की जो वापस घर नही आई खोजबीन किया तो मालूम हुआ की की गाँव निवासी एक युवक मेरी पुत्री को बहला फुसलाकर शादी का झांसा देकर भगा ले गए है।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने बजट 2026-27 को बताया विकसित भारत की मजबूत नींव

स्वतंत्र भारत मऊ। भाजपा जिलाध्यक्ष रामाश्रय मौर्य ने केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला है। उन्होंने कहा कि बजट में हर वर्ग, हर क्षेत्र और हर नागरिक को सशक्त बनाने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया गया है।पूर्व जिलाध्यक्ष अरविंद सिंह ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को दर्शाने वाले इस बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई दी। वहीं पूर्व जिलाध्यक्ष मुन्ना दुबे ने कहा कि यह बजट उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाकर आर्थिक विकास को गति देगा।मीडिया प्रभारी कृष्ण कांत राय ने बताया कि 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' तेजी से आगे बढ़ रही है और बजट में हाई स्पीड रेल, मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर व अस्पतालों की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल हैं। इस अवसर पर भाजपा के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में सीनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन

स्वतंत्र भारत मऊ। सीनियर बैडमिंटन क्लब के जिला अध्यक्ष मनीष सर्राफ एवं जिला महामंत्री विनोद यादव के नेतृत्व में डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में सीनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि नगरपालिका के ईओ दिनेश यादव और शहर कोतवाल अनिल सिंह द्वारा किया गया।प्रतियोगिता का संचालन प्रशांत वर्मा ने किया। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता 35 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए आयोजित की गई, जिसमें डबल्स मुकाबले खेले गए। आयोजन को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मनीष सर्राफ ने कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। खेल भय को दूर करने, थकान से उबरने और कठिनाइयों का सामना करने की शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वयं स्टेडियम आएं और बच्चों को भी खेलों के प्रति प्रेरित करें।इस अवसर पर दोनों मुख्य अतिथियों ने भी प्रतियोगिता में भाग लेकर खेल के प्रति अपना उत्साह दिखाया। टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में शहर कोतवाल अनिल सिंह एवं उनके जोड़ीदार सूर्यप्रताप सिंह (टीटू) ने डॉ. पुनीत और रानू सिंह को पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं डॉ. विनय गुप्ता एवं पुष्कर ने तीसरा स्थान हासिल किया।प्रतियोगिता में दर्जनों खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से डॉ. रघुनंदन, डॉ. सत्यानंद, डॉ. ज्ञानेंद्र, डॉ. ए.के. रंजन, संतोष यादव, धनंजय सिंह, रजनीकांत शर्मा, विक्रांत जयसवाल, रोहित जयसवाल, संतोष वर्मा, अजय यादव, मिथलेश, साश्वत गुप्ता, लवकुश, नन्हे सिंह, शशांक राय सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी व खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

प्रधान न्यायाधीश फैमिली कोर्ट को अधिवक्ताओं ने दी भावपूर्ण विदाई

स्वंतत्र भारत विस मऊ। प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय विजेश कुमार सिंह के सेवानिवृत्त होने पर सिविल कोर्ट के अधिवक्ताओं ने शनिवार को भावपूर्ण विदाई दी। सिविल कोर्ट सेन्ट्रल बार के भरे सभा कक्ष में अधिवक्ताओ ने उन्हें विदाई दी। प्रधान न्यायाधीश विजेश कुमार सिंह ने साढ़े 3 महीने के लिए प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय के रूप में यहां कार्यरत रहते हुए सेवानिवृत्त हुए । विदाई समारोह के दौरान सिविल कोर्ट सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शमशुल हसन और महामंत्री लक्ष्मीकांत यादव ने जिला जज को अंग वस्त्रम और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। विदाई समारोह को सम्बोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश विजेश कुमार ने कहा प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय के रूप में कार्य के दौरान कार्यालय के कर्मचारियों और बार का काफी सहयोग रहा। मौके पर सभी न्यायिक अधिकारी एडीजे प्रथम बाकर शमीम रिजवी,सीजेएम के.पी सिंह समेत वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश मिश्र, हरिद्वार राय, राजेंद्र राय, अमरनाथ सिंह, शिवप्रसाद श्रीवास्तव, अशोक कुमार अश्क, निर्मला यादव, हरिशंकर पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत

एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**

स्थानीय संपादक : **विष्णु मोहन***

फोन : 0522-4043151

swatantrabharat77@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी।

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

बजट : सरकार की कमाई और खर्च, पूरी तस्वीर

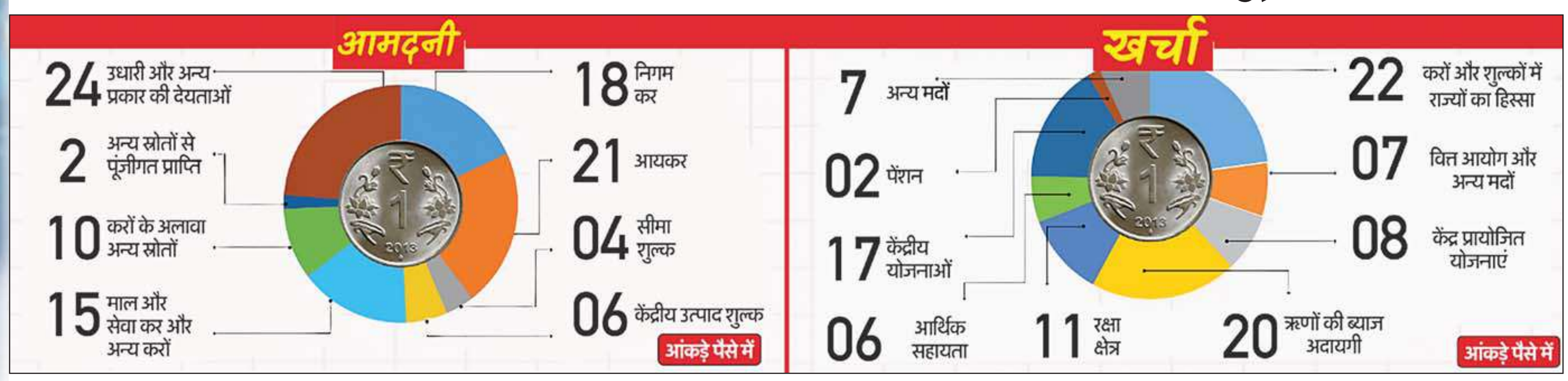

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज 53.47 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का बजट पेश किया इस बजट को आधार बना कर देखें तो हम यह समझ सकेंगे कि बजट के हर एक रुपये का कितना पैसा कहां से आया और कहां गया। बजट में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार सरकार ने एक रुपये का 24 पैसा उधारी और अन्य प्रकार की देयताओं के जरिए जुटाया। इसके बाद सबसे ज्यादा राशि आयकर से आई। इस मद से सरकार को एक रुपये के 21 पैसे मिले। इसके बाद कंपनियों पर लगने वाले कर यानी निगम कर के जरिए सरकार ने एक रुपये के 18 पैसे जुटाए। इसके बाद माल और सेवा कर और अन्य करों की वसूली से सरकार को 15 पैसे से अधिक की आमदनी हुई। बजट 2025 के आंकड़ों के अनुसार, करों के अलावा अन्य स्रोतों से सरकार को एक रुपये के 10 पैसे मिले। वहीं, केंद्रीय उत्पाद शुल्क से 6 पैसे और सीमा शुल्क से 4 पैसे की आमदनी हुई। उधार के अलावा अन्य स्रोतों से पूंजीगत प्राप्ति के तहत सरकार को एक रुपये में 2 पैसा मिला। आंकड़ों के अनुसार, सरकार के पास आने वाले हर एक रुपये में से 20 पैसे ऋणों की ब्याज अदायगी में खर्च होंगे। 22 पैसे करों और शुल्कों में राज्यों की हिस्सेदारी के तौर पर दिए जाएंगे। सरकार ने अपने पास आने वाले एक रुपये में से 17 पैसे केंद्रीय योजनाओं पर खर्च किए जाएंगे। 8 पैसे राज्यों में केंद्र प्रायोजित योजनाओं पर खर्च होंगे। 11 पैसे रक्षा क्षेत्र में खर्च किए जाएंगे। वित्त आयोग और अन्य मदों में भी 7 पैसे खर्च किए जाएंगे।

भारत ने पक्के दोस्त के लिए खोला खजाना

विदेश मंत्रालय के बजट में करीब 1,600 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी करते हुए कुल 22,119 करोड़ रुपये आवंटित किए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आगामी वित्त वर्ष के लिए विदेश मंत्रालय के बजट में करीब 1,600 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी करते हुए कुल 22,119 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। बजट के आवंटन से साफ है कि जहां बांग्लादेश और मालदीव से जुड़े मामलों में कटौती की गई है, वहीं अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान और श्रीलंका के लिए मदद बढ़ाकर नई रणनीतिक दिशा दिखाई गई है। अफगानिस्तान के लिए आवंटन में 50 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी कर कुल 150 करोड़ रुपये किया गया है. इसे क्षेत्रीय कूटनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है। दूसरी ओर बांग्लादेश से जुड़े मामलों के लिए आवंटन घटाकर 60 करोड़ रुपये कर दिया गया है. पिछले साल आवंटित 120 करोड़ रुपये का पूरा उपयोग न हो पाने के बाद यह कटौती की गई है. संकेत साफ हैं कि ढाका के साथ सहयोग अब सीमित दायरे में रखा जाएगा। मालदीव के लिए भी 50 करोड़ रुपये की कटौती कर कुल 550 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

नेपाल-भूटान का बजट बढ़ा

सबसे बड़ा संदेश नेपाल और भूटान को लेकर है। नेपाल के लिए आवंटन बढ़ाकर 800 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जो पिछले साल से 100 करोड़ रुपये अधिक है. वहीं, भूटान के लिए 2,288 करोड़ रुपये का बड़ा आवंटन किया गया है, जिससे भारत की वित्तीय मदद और विकास साझेदारी मजबूत होगी. नेपाल-भूटान में बढ़ा भारतीय निवेश उस समय आया है जब चीन इन देशों में निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के जरिए अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश कर रहा था. भारत के इस कदम से चीन की भी रणनीतिक टेंशन बढ़ जाएगी।

श्रीलंका के लिए भी आवंटन 100 करोड़ रुपये बढ़ाकर कुल 400 करोड़ रुपये किया गया है।

बजट में केरल को सिर्फ मिली निराशा

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने केंद्रीय बजट 2026-27 को केरल के लिए घोर निराशाजनक बताते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि एक बार फिर बजट में केरल को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है और राज्य को ढ्ढढ्ढरूस्र देने के लंबे समय से किए जा रहे वादे को भी पूरा नहीं किया गया। केसी वेणुगोपाल ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों से केंद्र सरकार केरल में ढ्ढढ्ढरूस्र की स्थापना का वादा करती आ रही है, लेकिन इस बजट में भी इसका कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब अन्य राज्यों को स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे से जुड़ी बड़ी सौगातें दी जा रही हैं, तो केरल के साथ यह सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा है। कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि यह बजट आम जनता के लिए नहीं, बल्कि बड़े कॉरपोरेट घरानों के हितों को साधने वाला है।

कानूनविद् नानी पालखीवाला करते थे बजट का विश्लेषण

नई दिल्ली। आम बजट को जल्दबाजी में नहीं समझा जा सकता। इसकी जटिलताओं को समझने में वक्त लगता है। दरअसल, यह सरकार, देश के नामचीन अर्थशास्त्रियों और अधिकारियों की महीनों की मेहनत का नतीजा होता है, जो देश की भावी दशा दिशा तय करता है। प्रख्यात अर्थशास्त्री और कानूनविद स्व. नानी पालखीवाला बजट पर कुछ दिन बाद प्रतिक्रिया देते थे। उनके इस बजट भाषण की देशभर में चर्चा होती थी। उनकी कही बातों पर लोग वित्त मंत्री से ज्यादा भरोसा करते थे। नानी पालखीवाला ने 1958 से 1994 तक लगातार हर साल बजट के दूसरे दिन या आने वाले रविवार को अपनी पोस्ट-बजट स्पीच दी। ये भाषण फोरम ऑफ फ्री एंटरप्राइज द्वारा आयोजित किए जाते थे। उनके यह भाषण इतने लोकप्रिय होते थे कि इसे बजट पर आम जनता का विश्लेषण माना जाता था।

उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि शुरुआत में यह छोटे हॉल में होता था, लेकिन बाद में दर्शकों की संख्या इतनी बढ़ गई कि इसे मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में आयोजित करना पड़ा, जहां उन्हें सुनने 1,00,000 से अधिक लोग आते थे। इनमें टाटा समूह समेत मुंबई की कई नामचीन कंपनियों के अधिकारी और रिजर्व बैंक के अधिकारी भी शामिल होते थे।

दो बजट भाषण होते थे, एक वित्त मंत्री का दूसरा पालखीवाला का कई दशकों तक, केंद्रीय बजट के बाद पालखीवाला के व्याख्यान पूरे देश में चर्चा का विषय बनते थे। कहा जाता था कि भारत में दो बजट भाषण होते हैं- एक वित्त मंत्री का और दूसरा नानी पालखीवाला का, निसंदेह दूसरा अधिक प्रभावशाली भाषण माना जाता था। बाद में उनके भाषण मुंबई के अलावा बेंगलुरू समेत कई शहरों में होने लगे थे। लेकिन, उनके निधन के बाद ऐसी किसी शख्सियत ने यह जिम्मेदारी नहीं निभाई। हालांकि, सोशल मीडिया और एआई के दौर में धीरे-धीरे नामवर लोगों और विशेषज्ञों की पूछपरख कम भी पड़ने लगी है।

कांग्रेस का हमला, 'खाली डब्बा है बजट'

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर सरकार पर जोरदार हमला बोला है। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था को गर्त में ले जाकर ही मानेगी। राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने बजट भाषण में प्रमुख योजनाओं के लिए स्पष्ट बजटीय आवंटन का अभाव बताया। वहीं प्रमोद तिवारी ने बजट को 'झुनझुना' और इमरान मसूद ने 'खाली डब्बा' करार दिया। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इस बजट से आम आदमी, किसान और मध्यम वर्ग पूरी तरह निराश हुआ है।

'आम आदमी, किसान और महिलाओं के लिए कुछ नहीं' : डिंपल यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी सांसद डिंपल यादव ने केंद्रीय बजट 2026-27 को आम जनता के लिए निराशाजनक बताया है। उन्होंने कहा कि इस बजट में किसान, महिलाएं और आम आदमी पूरी तरह उपेक्षित हैं। डिंपल यादव ने आरोप लगाया कि यह बजट आम नागरिक की समझ से परे है और मध्यम वर्ग को कोई राहत नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल चुनावी राज्यों को ध्यान में रखकर ही फैसले लेती है।

'सिर्फ कुछ उद्योगपतियों के लिए बजट': हरसिमरत कौर

नई दिल्ली। शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय बजट 2026-27 को उद्योगपति-केंद्रित बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट किसानों और ग्रामीण भारत के लिए पूरी तरह से खाली है। हरसिमरत कौर ने कहा कि सरकार ने एक बार फिर खेती और किसानों की अनदेखी की है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचेगा।

'खोदा पहाड़, निकली चुहिया': सुखदेव

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने बजट 2026-27 पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि यह बजट पूरी तरह दिशाहीन है। उन्होंने कहा कि रक्षा जैसे महत्वपूर्ण सेक्टर पर बजट में कोई स्पष्ट रोडमैप नहीं दिया गया। सुखदेव भगत ने कहा कि सरकार बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीन पर कुछ भी नजर नहीं आता।

'विकसित भारत 2047 का ब्लूप्रिंट': रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने केंद्रीय बजट 2026-27 को विकसित भारत 2047 का स्पष्ट ब्लूप्रिंट बताया है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष की आलोचना पहले से तय रहती है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह बजट निवेश, विकास और रोजगार सृजन को नई गति देगा।

'विपक्ष बिना पढ़े दे देता है प्रतिक्रिया' : तेजस्वी सूर्या

नई दिल्ली। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने केंद्रीय बजट 2026-27 को देश के लिए सकारात्मक बताया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष बजट पेश होने से पहले ही अपनी प्रतिक्रियाएं तैयार कर लेता है। तेजस्वी सूर्या ने कहा कि यह बजट भारत को पारंपरिक अर्थव्यवस्था से आधुनिक और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर ले जाएगा।

विकसित भारत का रोडमैप पेश : रेल मंत्री

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय बजट को विकसित भारत का रोडमैप बताया है, जिसमें रेलवे के लिए 2,78,000 करोड़ रुपये का आवंटन एक महत्वपूर्ण कदम है। इस बजट में घोषित सात नए हाई-स्पीड कॉरिडोर यात्रा समय को कम कर देश के आर्थिक विकास को गति प्रदान करेंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि संसद में पेश किया गया केंद्रीय बजट विकास भारत का खाका प्रस्तुत करता है और 2,78,000 करोड़ रुपये का रेल बजट इसी दिशा में एक स्पष्ट कदम है। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में वैष्णव ने कहा कि आज सात नए हाई-स्पीड कॉरिडोर की घोषणा की गई है, जिससे यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा और लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा। सूचना एवं प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री भी रहे वैष्णव ने कहा कि केंद्रीय बजट युवाओं और महिलाओं को समर्पित है और देश के प्रति कर्तव्य की भावना से प्रेरित है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आज का बजट हमारे देश के युवाओं को समर्पित है। यह हमारे देश में महिलाओं की शक्ति को समर्पित है। और यह कर्तव्य की भावना से प्रेरित है, राष्ट्र के प्रति कर्तव्य की भावना से प्रेरित है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारे देश में %सबका साथ, सबका विकास% हो। बजट में विकास भारत का रोडमैप भी निर्धारित किया गया है। आज का 2,78,000 करोड़ रुपये का रेलवे बजट स्पष्ट रूप से इसी दिशा में एक कदम है... आज सात नए हाई-स्पीड कॉरिडोर की घोषणा की गई है। ये हाई-ह्यश्चद्गद्गस्र कॉरिडोर यात्रा के समय को काफी कम कर देंगे, जिससे लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा। उन्होंने आगे कहा कि चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद ङ्क ये दक्षिणी त्रिकोण - तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक जैसे दक्षिणी राज्यों में महत्वपूर्ण आर्थिक विकास को गति प्रदान करेंगे। यह सभी पांचों दक्षिणी राज्यों के लिए एक बड़ी जीत होगी। वैष्णव ने कहा कि लगभग 4,000 किलोमीटर लंबे हाई-स्पीड कॉरिडोर 16 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि इसके बाद, मुंबई, पुणे और हैदराबाद भी प्रमुख आर्थिक कॉरिडोर बन जाएंगे। उत्तरी भारत में, दिल्ली, वाराणसी और सिलीगुड़ी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल को एक प्रमुख आर्थिक कॉरिडोर से जोड़ेंगे, जिससे लोगों के यात्रा करने के तरीके में बड़ा बदलाव आएगा। इससे उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और दिल्ली में पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

उत्तर प्रदेश के विकास को नई दिशा देगा बजट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत, गाँव-गरीब के विकास, महिला सशक्तिकरण, टूरिज्म सेक्टर को प्रोत्साहन और किसानों की आय बढ़ाने वाला बजट है। उन्होंने इसे सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी और आत्मविश्वास से परिपूर्ण बजट बताया और प्रधानमंत्री तथा वित्त मंत्री को हार्दिक आभार व्यक्त किया।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तुत बजट मोदी की गारंटी वाला बजट है, जो विकसित भारत का रोडमैप प्रस्तुत करता है। यह गरीब कल्याण, समग्र विकास और आत्मनिर्भरता की नींव रखने वाला है। इसमें महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों, किसानों और समाज के सभी वर्गों के हितों को सर्वोपरि रखा गया है।

युवाओं के सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर आम बजट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना ने केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश के समग्र, संतुलित और तेज विकास को नई दिशा देगा। उन्होंने बताया कि बजट में पूंजीगत व्यय में वृद्धि से एक्सप्रेसवे, औद्योगिक कॉरिडोर, लॉजिस्टिक्स हब, रेलवे और शहरी आधारभूत ढांचे के विकास को गति मिलेगी, जिससे प्रदेश में निवेश और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे।श्री खन्ना ने कहा कि औद्योगिक प्रोत्साहन और एमएसएमई समर्थन से छोटे एवं मध्यम उद्योगों को मजबूती मिलेगी। डिजिटल नॉलेज ग्रिड की स्थापना से युवाओं को अत्यंत लाभ मिलेगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 15 ऐतिहासिक शहरों के विकास और 10 हजार टूरिस्ट गाइड बनाने की योजना का उन्होंने स्वागत किया। इसके साथ ही एआई हब और इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर में 40 हजार करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा से प्रदेश की औद्योगिक और तकनीकी क्षमता में वृद्धि होगी।कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए 20 हजार करोड़ रुपये के प्रावधान पर वित्त मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि इससे खराब एयर क्वालिटी इंडेक्स वाले शहरों को राहत मिलेगी। हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, विशेष रूप से दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी मार्ग, जल मार्ग परियोजनाओं और रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय से प्रदेश की कनेक्टिविटी, व्यापार और पर्यटन को नई गति मिलेगी, जिससे वाराणसी जैसे ऐतिहासिक केंद्रों का विकास और तेज होगा।श्री खन्ना ने स्वास्थ्य क्षेत्र में एम्स जैसी आयुर्वेदिक अस्पतालों की स्थापना, बुजुर्गों के लिए 1.5 लाख केयरगिवर और प्रत्येक जिले में महिला हॉस्टल बनाने के निर्णय का स्वागत किया। बजट में कैंसर, शुगर सहित सात गंभीर बीमारियों की दवाओं को सस्ता करने और लेदर व खेलकूद सामग्री की कीमतों में राहत देने की घोषणाओं को उन्होंने जनता के लिए लाभकारी बताया।

सहज राजपूत को आलिया भट्ट से मिली प्रेरणा

मुंबई। लोकप्रिय ज़ी टीवी का शो 'जाने अनजाने हम मिले', जिसमें भारत अहलावत (राघव) और आयुषी खुराना (रीत) नजर आ रहे हैं, हाल ही में एक बेहद नाज़ुक और झकझोर देने वाला सीन लेकर आया। इस सीन में उन्नति का किरदार निभा रहीं सहज राजपूत पर शारीरिक हमला होता है। ये सीन सिर्फ कहानी का अहम हिस्सा नहीं बना, बल्कि सहज के लिए इसे शूट करना भी आसान नहीं रहा। हाल में टेलीकास्ट हुए इस सीन में घटना के बाद उन्नति जिस गहरे सदमे से गुजरती है, उसे बड़ी सच्चाई से दिखाया गया है। कैमरे के पीछे भी ये सीन सहज के लिए आसान नहीं था, क्योंकि पहली बार उन्होंने स्क्रीन पर इतना तीखा सीन किया। इस अनुभव को साझा करते हुए सहज राजपूत ने कहा, ''ये सीन मेरे लिए खास तौर पर मुश्किल था, क्योंकि इसमें काफी शारीरिक एक्शन था, जैसे हमलावर का सामना करना और उसे धक्का देना। इस सीन को करते हुए मैं अंदर तक प्रभावित हुई।'' इस सीन के लिए प्रेरणा के बारे में सहज ने आगे कहा, ''उस मायने में आलिया भट्ट मेरे लिए प्रेरणा रही हैं। फिल्म 'हाइवे' का वो सीन, जिसमें उनका किरदार अपने साथ हुए हमले के बारे में बताता है, मैंने अपनी एक्टिंग क्लासेस में किया था, इसलिए उन जज़्बातों को पहले से महसूस कर चुकी थी।''

सस्पेंस, हंसी और हाई-वोल्टेज ड्रामा!

मुंबई। मनोरंजन से भरपूर एक खास हफ्ता, जहां घोस्ट ड्रामा, जबरदस्त कॉमेडी और इमोशनल ट्विस्ट एक साथ देखने को मिलेंगे। एण्डटीवी के लोकप्रिय शो 'घरवाली पेड़वाली', 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' और 'हप्पू की उलटन पलटन' के आने वाले एपिसोड्स में सस्पेंस, हंसी और हाई-वोल्टेज ड्रामा का तड़का लगने वाला है। 'घरवाली पेड़वाली' में सावी का किरदार निभा रही सीरत कपूर ने बताया, ''कहानी तब और रोमांचक हो जाती है जब लड्डू और लतिका (प्रियंवदा कांत) अचानक परिवार को दिखाई देने लगते हैं, लेकिन सच्चाई सामने आने से पहले ही जीतू चालाकी से उन्हें वहां से भेज देता है।'' इधर, 'हप्पू की उलटन पलटन' के बारे में बताते हुए राजेश की भूमिका निभा रहीं गीतांजलि मिश्रा ने कहा, ''कहानी तब बिखर जाती है जब राजेश बच्चों को पढ़ाई में लापरवाही के लिए डांटती है, जिससे घर में बड़ा झगड़ा हो जाता है। बात इतनी बढ़ जाती है कि राजेश, हप्पू (योगेश त्रिपाठी) से अलग होने का ऐलान कर देती है।'' उधर, 'भाबीजी घर पर हैं' के बारे में बताते हुए अंगूरी भाबी की भूमिका निभा रहीं शिल्पा शिंदे ने कहा, ''हवेली में मेहमान की सुरक्षा का मिशन जारी रहते हुए कहानी अब मज़ेदार डर की और गहराई में पहुंच गई है।

बाजार दर्पण